हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

माध्यमिक शिक्षा मंडल 1 से 20 जनवरी तक आयोजित करेगा 10वीं-12वीं की प्रायोगिक परीक्षाएं

वैज्ञानिक प्रयोगों की कब्रगाह...टेस्ट ट्यूब की पेकिंग नहीं खुली केमिकल पर धूल, यहां एक माह बाद होंगी प्रायोगिक परीक्षाएं

रायपुर- रुचि वर्मा/ भिलाई- देवीलाल साहू/ मैनपुर- हसन खान/ बिलासपुर- विकास चौबे/ जांजगीर-चांपा- अभिषेक शुक्ला की विशेष रिपोर्ट

हरिभूमि लाइव

वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षाएं आयोजित किए जाने के कारण माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षाएं इस बार मार्च के स्थान पर फरवरी से शुरू की जा रही हैं। जल्द परीक्षाएं प्रारंभ करने के कारण प्रायोगिक परीक्षाएं भी इस बार जनवरी के दूसरे पखवाड़े के स्थान पर एक जनवरी से ही शुरू की जा रही है, अर्थात केवल 35 दिनों के अंतराल में 10वीं-12वीं की प्रायोगिक परीक्षाएं ▶▶|शेष पेज 7 पर

परिणामों से पहले हरिभूमि की ग्राउंड रिपोर्ट के जरिए जानिए उन लैब का हाल, जहां होंगी ये परीक्षाएं

मैनपुर क्षेत्र : बगैर खोले कबाड़ हो गए उपकरण

मैनपुर विकासखंड क्षेत्र के सभी 12 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रयोगशाला होने का दावा विभाग द्वारा किया जाता है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। तहसील मुख्यालय मैनपुर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैनपुर में प्रयोगशाला भवन का निर्माण 3 वर्ष पहले किया गया है। यहां प्रयोगशाला सामग्री एवं उपकरण कबाड़ में पड़े हुए हैं। ▶▶|शेष पेज 7 पर

जांजगीर-चांपा : हम सीखकर नहीं, पढ़कर देंगे प्रेक्टिकल

यहां के शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में कहीं लैब ही मौजूद नहीं है, तो कहीं प्रैक्टिकल सामग्री नाम मात्र की उपलब्ध है। ऐसे में विज्ञान विषयों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल का वास्तविक ज्ञान नहीं मिल पा रहा है और केवल औपचारिकता निभाते हुए प्रैक्टिकल पूरे कराए जा रहे हैं। जिले के अकलतरा ब्लाक अंतर्गत शासकीय हायर ▶▶|शेष पेज 7 पर

बिलासपुर : रोज संचालित नहीं होती कक्षाएं

जिले में 129 हायर सेकंडरी व 151 हाई स्कूल संचालित हो रहे हैं। ज्यादातर स्कूलों में लैब की कमी के कारण अध्ययन कक्ष के एक कोने में ही प्रैक्टिकल की कक्षाएं लग रही हैं। जिन स्कूलों में छात्रों की संख्या अधिक है, वहां के शिक्षकों को प्रैक्टिकल क्लास लेने में परेशानी हो रही है। कक्ष नहीं होने से लैब का सामान जमीन पर अव्यवस्थित तरीके से रख दिया गया है। इससे स्कूलों में रोजाना प्रैक्टिकल की पढ़ाई नहीं होती है।

व्यवस्था ठीक करेंगे

अधिकांश स्कूलों में प्रैक्टिकल लैब की व्यवस्था है। कोशिश रही है कि विज्ञान, रसायन और भौतिकि के प्रैक्टिकल अलग कमरे में व्यवस्थित किए जाएं। जहां कहीं कमी होगी वहां इसे ठीक कराया जाएगा।

- विजय तांडे, जिला शिक्षा अधिकारी, बिलासपुर

स्व. कीर्तिनारायण द्विवेदी पंचतत्व में विलीन, बड़े पुत्र डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने दी मुखाग्नि

- विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने भावभीनी विदाई देते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ग्वालियर

आईएनएच एवं हरिभूमि समाचार पत्र समूह के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पूज्य पिताश्री स्वर्गीय कीर्तिनारायण द्विवेदी का अंतिम संस्कार मंगलवार को ग्वालियर के लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम में पारंपरिक व रीति रिवाजों के साथ ससम्मान संपन्न हुआ। इस मौके पर उनके बड़े पुत्र डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने नम आंखों से मुखाग्नि दी। उन्होंने परंपरानुसार पितृ कर्तव्य ▶▶|शेष पेज 7 पर

अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में शहरवासी हुए शामिल

अंतिम यात्रा में शहर व आसपास से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसमें राजनेता, जनप्रतिनिधि, सांसद, शहर के गणमान्य लोग, मीडिया से जुड़े लोग शामिल थे। पार्थिव शरीर लेकर वाहन जैसे ही मुक्तिधाम पहुंचा, पूरा वातावरण भावुक हो उठा। मुक्तिधाम में मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, भाजपा ▶▶|शेष पेज 7 पर

त्रयोदशी कार्यक्रम 6 दिसंबर को

स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी का त्रयोदशी कार्यक्रम 6 दिसंबर को सुबह 11 बजे ग्वालियर स्थित चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में रखा गया है। त्रयोदशी आयोजन में शांति पाठ व प्रार्थना होगी।

मोदी रहेंगे ढाई दिन, अमित शाह तीन दिन छत्तीसगढ़ में रहेंगे, आईबी ने संभाली कमान

डीजी कान्फ्रेंस कल, रमन के बंगले में पीएम, ओपी के बंगले में रुकेंगे शाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में 28 नवंबर से शुरु होने वाली डीजी-आईजीपी कांफ्रेस की तैयारी राज्य शासन ने पूरी कर ली है। इसके साथ ही अब पूरे आयोजन में नियंत्रण की जिम्मेदारी केंद्रीय एजेंसी आईबी के हवाले कर दी गई है। बताया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिनों के इस आयोजन के दौरान ढाई दिन यहां रहेंगे। उनके प्रवास के लिए नवा रायपुर में विधानसभाध्यक्ष डा. रमन सिंह के बंगले को तैयार कर लिया गया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पूरे तीन दिन रहेंगे। वे यहां बंगला एम 11 में रुकेंगे। यहां बंगला मंत्री ओपी चौधरी का है।

छत्तीसगढ़ में पहली बार हो रही डीजी-आईजीपी कांफ्रेस राज्य के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है। खास ▶▶|शेष पेज 7 पर

देशभर से करीब 500 अधिकारी आएंगे नवा रायपुर

होगा योग का सत्र

कांफ्रेस के दूसरे दिन शनिवार और अंतिम दिन यानि रविवार को आईआईएम परिसर में योग सत्र का आयोजन भी किया गया है। यह कार्यक्रम सुबह 6 बजे से 6.30 बजे तक होगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे। यह संभावना भी है कि इस सत्र में डीजीपी व आईजी स्तर के अधिकारी भी शामिल होंगे।

आईबी ने चप्पा-चप्पा छाना

बताया गया है कि आयोजन में मोदी शाह के शामिल होने के कारण व्यवस्था को एसपीजी के मुताबिक बनाया जा रहा है। इन दोनों को एसपीजी की सुरक्षा प्राप्त है। इधर राज्य शासन के अधिकारियों को भी सुरक्षा में लगाया गया है। सूत्रों के अनुसार आईआईएम परिसर की सुरक्षा आईजी अजय यादव के हाथों में है, वहां संतोष सिंह कैंप कमांडेंड हैं। राज्य के एडीजी स्तर के वरिष्ठ अधिकारी व्यवस्था के प्रभारी बनाए गए हैं। आयोजन में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए करीब 1500 पुलिस अधिकारी व कर्मचारी लगाए गए हैं।

तगड़ी सुरक्षा के बीच आयोजन

इस कार्यक्रम के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। यह इसलिए भी क्योंकि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री दोनों एक साथ मौजूद रहने वाले हैं और देश भर के पुलिस प्रमुख भी होंगे। लिहाजा किसी भी तरह की असुरक्षा की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जा रही है। इस आयोजन की तैयारी का काम राज्य शासन को सौंपा गया था। यहां के अधिकारियों ने निर्देशों के अनुरूप पूरी तैयारी कर ली है। इनके हिस्से में कांफ्रेस में शामिल होने वाले अधिकारियों के रहने और भोजन की व्यवस्था आदि के काम थे। ▶▶|शेष पेज 7 पर

गृहमंत्री अमित शाह का दौरा कार्यक्रम जारी

इस कांफ्रेस में शामिल होने आ रहे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का दौरा कार्यक्रम आधिकारिक रूप से जारी हो गया है। वे 28 नवंबर शुक्रवार को दिल्ली से रवाना होकर 1.40 बजे रायपुर एयरपोर्ट पर आएंगे। 2 बजकर 5 मिनट पर वे सड़क मार्ग से आईआईएम पहुंचेंगे। यहां कांफ्रेस में शामिल होकर शाम 6.55 बजे तक रहेंगे। इसके बाज आईआईएम परिसर में ही उनका रात्रि भोज 6.55 से रात 7.55 तक रहेगा। इसके बाद वे वहां से रवाना ▶▶|शेष पेज 7 पर

खबर संक्षेप

श्रद्धालु ने दान किए टीटीडी को नौ करोड़

तिरुपति। अमेरिका स्थित एक श्रद्धालु ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम को नौ करोड़ रुपए का दान दिया। एम रामलिंगा राजू ने पीएसी-1, पीएसी-2 और पीएसी-3 भवनों के नवीनीकरण के लिए राशि दान की। टीटीडी को एक और बड़ा दान प्राप्त हुआ। एम रामलिंगा राजू ने पीएसी-1, 2 और 3 भवनों के नवीनीकरण के लिए नौ करोड़ रुपए का दान दिया। राजू ने इससे पहले वर्ष 2012 में 16 करोड़ रुपए का दान दिया था।

गैस टैंकर में विस्फोट, दो की मौत

वेलमपाडु। आंध्र प्रदेश के वेलमपाडु में बुधवार को एक टाइल फैक्टरी में एक गैस टैंकर में विस्फोट होने से दो श्रमिकों की मौत हो गयी जबकि तीन अन्य घायल हो गए। एलपीजी से भरे जाने वाले बड़े टैंकर में सुबह करीब 11.30 बजे उस समय विस्फोट हो गया, जब उसमें नाइट्रोजन गैस प्रवाहित करके रिसाव की जांच की जा रही थी। टैंकर में विस्फोट होने से दो श्रमिकों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। टैंकर में विस्फोट उस समय हुआ जब रिसाव की जांच के लिए नाइट्रोजन गैस प्रवाहित की जा रही थी।

बारात से लौट रही स्कॉर्पियो ट्रक से टकराई, जवान समेत पांच की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर-चांपा

- एनएच पर भीषण हादसा: जांजगीर के समीप ग्राम सुकली के पास हुई दुर्घटना

जिले के ग्राम सुकली के पास नेशनल हाईवे 49 पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। नवागढ़ से ग्राम पंतोरा बारात में शामिल होकर लौट रहे युवकों के स्कॉर्पियो और ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। भीषण दुर्घटना में स्कॉर्पियो सवार तीन लोगो की मौके पर ही मौत हो गई। वही दो लोगो ने जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया, जबकि तीन लोगों को गंभीर हालत में सिम्स बिलासपुर रेफर किया गया है। खास बात यह है कि मृतकों में दो युवकों में से एक सेना का जवान और एक स्पेशल आर्म्स फोर्स का जवान है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार 25 नवंबर को नवागढ़ से देवांगन परिवार की बारात पंतोरा, बलौदा गई हुई थी। शादी के बाद देर रात्रि में बारात में शामिल होकर स्कॉर्पियो में बाराती ▶▶|शेष पेज 7 पर

एक साथ जली पांच चिताएं

सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत के बाद जब उनका शव नगर में पहुंचा तो लोगों की भीड़ जमा हो गई और चारों तरफ घरों में चीख पुकार मच गया। सेना के जवानों का पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटा हुआ पहुंचा। इस दौरान आर्मी के साथ पुलिस के जवानों ने राजकीय सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी।

स्कूल में बच्चे को लटकाने का मामला

शिक्षा के नाम पर बच्चों के साथ क्रूरता बर्दाश्त नहीं: हाईकोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

खबर का असर

रामानुजनगर में एक प्राइवेट स्कूल में केजी-टू के छात्र (5 वर्ष) को होमवर्क नहीं करने पर टीचर ने घंटों पेड़ से लटकाए रखा। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पेरेंट्स का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में परिजनों ने स्कूल के बाहर हंगामा कर दिया। हाईकोर्ट ने भी मामले को काफी गंभीर माना है और संज्ञान लेते हुए सचिव स्कूल शिक्षा विभाग से शपथ पत्र में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 9 दिसंबर को तय की गई है। कोर्ट ने कहा है कि शिक्षा के नाम पर बच्चों के साथ क्रूरता और निजी स्कूलों में अव्यवस्था असहनीय है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। शासन को इसे गंभीरता से लेना होगा। हालांकि शिक्षा विभाग की ओर से जानकारी दी गई है कि मामले में शिक्षिका को बर्खास्त कर दिया गया है और स्कूल की मान्यता समाप्त करने की नोटिस दी गई है।

दरअसल, यह मामला रामानुजनगर ब्लाक मुख्यालय क्षेत्र के नारायणपुर के हंसवानी विद्या मंदिर का है। इस स्कूल में नर्सरी से पाचवीं तक के छात्र पढ़ते हैं। जानकारी के अनुसार, सोमवार को जब स्कूल खुला तो बच्चे समय पर स्कूल पहुंचे। इसी बीच नर्सरी क्लास में जब पढ़ाई शुरू हुई तो टीचर काजल साहू ने होमवर्क चेक किया। इसी दौरान एक छात्र ने अपना होमवर्क पूरा नहीं किया था। इसपर टीचर काजल साहू बच्चे पर भड़क गई। टीचर ने बच्चे ▶▶|शेष पेज 7 पर

शिक्षिका बर्खास्त

स्कूल प्रबंधन घटना को मामूली बताता रहा। मामले में विवाद बढ़ने पर शिक्षा विभाग भी हरकत में आ गया है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जांच की। उन्होंने मामले की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजने की बात कही है। मामले में सूरजपुर डीईओ अजय मिश्रा ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। शिक्षिका को बर्खास्त कर दिया गया है।

वायरल हुआ वीडियो

इस दौरान बच्चा रोता रहा, टीचर से उसे छोड़ने के लिए कहता रहा, लेकिन उन्होंने बच्चे की बिल्कुल भी नहीं सुनी। जिस समय बच्चे को पेड़ से लटकाया गया था, उसी दौरान किसी ग्रामीण ने घटना का वीडियो बना लिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद अभिभावकों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में पेरेंट्स स्कूल के बाहर इकट्ठा हो गए और विरोध प्रदर्शन किया।

टी-शर्ट में कुत्ते के साथ आरएसएस जैसा शब्द, भाजपा खफा

मुंबई। कॉमेडियन कुणाल कामरा फिर एक नए मामले में घिर गए हैं। इस बार वजह बना उनका सोशल मीडिया पोस्ट, जिसमें वह ऐसी टी-शर्ट पहने दिखे जो आरएसएस पर तंज कसती दिखाई दी। जैसे ही फोटो वायरल हुई, सोशल मीडिया पर तूफान मच गया और भाजपा के नेताओं ने इसे बेहद आपत्तिजनक बताया। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने साफ कहा कि ऐसे पोस्ट को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

शराब घोटाला में ईओडब्ल्यू ने कोर्ट में पेश किया 63 सौ पन्नों का 6वां पूरक चालान

निरंजन दास ने कमाए 16 करोड़, दीपेश- नितेश अतुल और अनवर ने कमाई अकूत दौलत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

करोड़ों रुपए के शराब घोटाला में ईओडब्ल्यू, एसीबी की टीम ने बुधवार को स्पेशल कोर्ट में तत्कालीन आबकारी आयुक्त निरंजन दास सहित छह आरोपियों के खिलाफ 6वां पूरक चालन पेश किया। चालान 63 सौ पन्नों का है। ईओडब्लू, एसीबी की टीम शराब घोटाला में अब तक 50 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश कर चुकी है। शराब घोटाला की अगली सुनवाई आठ जनवरी को होगी। शराब घोटाला में ईओडब्लू ने तत्कालीन आबकारी आयुक्त निरंजन दास, ओम साईं ब्रेवरेज के संचालक अतुल सिंह, मुकेश मनचंदा, होटल कारोबारी नितेश पुरोहित, उसका बेटा यश पुरोहित, अनवर ढेबर का दोस्त तथा होटल वेलिंगटन के मैनेजर दीपेन चावड़ा के ▶▶|शेष पेज 7 पर

निरंजन दास, अतुल सिंह, मुकेश मनचंदा, नितेश पुरोहित, यश पुरोहित, दीपेन चावड़ा

उगाही की रकम को ठिकाने लगाते थे

होटल गिरीराज के मालिक नितेश पुरोहित तथा उसका बेटा यश पुरोहित शराब घोटाले की रकम को अनवर ढेबर के कहने पर ठिकाना लगाने का काम करते थे। इन दोनों पिता-पुत्र द्वारा एक हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम ठिकाना लगाए जाने के ईओडब्लू को साक्ष्य मिले हैं।

अनवर की रकम मैनेज करता था दीपेन

कोर्ट में पेश पूरक चालान में उल्लेख किया गया है कि अनवर ढेबर का पुराना मित्र दीपेन चावड़ा अनवर के होटल वेलिंगटन में मैनेजर का काम संभालता था। सिंडिकेट के कहने पर दीपेन शीर्ष पदों पर बैठे लोगों तक पैसा पहुंचाने तथा सुरक्षित रखने का काम करता था। अनवर ढेबर ▶▶|शेष पेज 7 पर

महाराष्ट्र बार्डर पर 40 वर्षीय मरीज के फेफड़े को चीरते हुए गोली हृदय में जा धंसी...। गंभीर हालत में राजनांदगांव जिले से आंबेडकर अस्पताल के कार्डियक सर्जरी विभाग भेजे गए मरीज की ओपन हार्ट सर्जरी कर जान बचाई गई। हृदय के दाएं वेंट्रिकल में घुसी बुलेट को खोजने के लिए डाक्टरों को डिजिटल एक्सरे की मदद लेकर काफी मशक्कत करनी पड़ी। मरीज के स्वस्थ होने के बाद उसे शीघ्र ही अस्पताल से डिस्चार्ज करने की तैयारी है।

फेफड़े को चीरकर दिल में जा धंसी गोली, डिजिटल एक्सरे से ढूंढकर डाक्टरों ने निकाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हृदय के दाएं वेंट्रिकल में घुसी थी, ओपन हार्ट सर्जरी करनी पड़ी

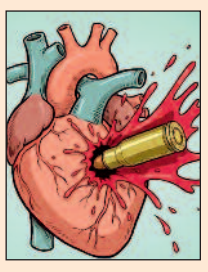

मरीज को कुछ दिन पहले आंबेडकर अस्पताल के ट्रामा एंड इमरजेंसी यूनिट में भर्ती कराया गया था। मरीज जब अस्पताल पहुंचा, तो उसका ब्लड प्रेशर काफी कम हो गया था। प्रारंभिक उपचार से मरीज के हीमोडायनेमिक्स में सुधार हुआ। उसके बाद तुरंत सीटी स्कैन के लिए भेजा गया, जिससे पता चला कि बुलेट पसलियों में छेद करके फेफड़ों को चीरते हुए हार्ट के दाएं वेंट्रीकल में जा घुसी है। अत्यधिक रक्तस्राव के कारण मरीज की हालत बिगड़ती जा रही थी। छेद होने के कारण खून चारों तरफ अत्यधिक दबाव बना रहा था, जिसके कारण मरीज का हृदय रक्त को ठीक से पंप नहीं कर पा रहा था। मरीज का ब्लड, ब्लड ट्रांसफ्यूजन के बाद भी नहीं बढ़ पा रहा था। इस स्थिति में सीटी स्कैन के बाद मरीज के परिजनों को हाई रिस्क एवं डेथ ऑन टेबल कन्सेंट लेकर तुरंत ऑपरेशन थिएटर में शिफ्ट किया गया। हार्ट लंग मशीन की सहायता से दिल की धड़कन को रोका गया एवं हार्ट के राइट एट्रियम को काटकर ट्राईकस्पीड वाल्व को क्रॉस करके दाएं वेंट्रीकल में धंसी हुई गोली को निकाला गया।

ऑपरेशन में रहा इनका योगदान

सीटीवीएस विभागाध्यक्ष डा. कृष्णकांत साहू के साथ इस जटिल ऑपरेशन में कार्डियक एनेस्थेटिस्ट डॉ. संकल्प दीवान, डॉ. बालस्वरूप, परफ्यूशनिस्ट अंकिता और डिगेश्वर, सर्जरी पीजी डॉ. रेशम सिंह, एनेस्थीसिया टेक्निशियन भूपेंद्र, हरीश, नर्सिंग स्टाफ राजेंद्र, चोवा, दुष्यंत, मुनेश, प्रियंका, जागृति, तेजेंद्र, नरेंद्र, शिवा, फिजिशियन असिस्टेंट नूतन, जूनियर डॉ. संजय त्रिपाठी, डॉ. ख्याति, डॉ. आयुषी खरे का योगदान रहा।

चार घंटे चला ऑपरेशन, 7 यूनिट ब्लड की जरुरत पड़ी

कार्डियक सर्जरी विभागाध्यक्ष डा. कृष्णकांत साहू ने बताया कि ऑपरेशन टेबल पर बुलेट की सटीक स्थिति का पता लगाना बहुत ही चुनौती पूर्ण था। 8 एमएम की गोली हृदय की मांसपेशी में कहां धंसी हुई है, इसके लिए ट्रांसएसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी के बाद डिजिटल एक्सरे मशीन से कई बार एक्सरे किया गया, तब जाकर हृदय के भीतर धंसी बुलेट की सटीक स्थिति का पता लगाया जा सका। डिजिटल एक्स-रे डिजिटल कैमरा की तरह ब्लूटूथ से तुरंत स्क्रीन में फोटो भेज देता है। ऑपरेशन में 4 घंटे का समय लगा एवं लगभग 7 यूनिट ब्लड की आवश्यकता पड़ी।

असंभव को बनाया संभव

ऑपरेशन का सफल होना आपात स्थिति में विभाग की टीम का रैपिड रिस्पांस, तत्परता, एक्यूरेसी एवं सटीकता को दर्शाता है। इस बार भी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल रायपुर के डॉक्टरों की टीम ने मरीज के जीवन को बचाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया है।

-डॉ. विवेक चौधरी, डीन, पं. जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर

संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में भी मरीज की जान बचाने के लिए पूरी ताकत से काम करना, यही विशेषता आंबेडकर अस्पताल को अलग पहचान दिलाती है। डॉक्टरों की टीम ने असंभव लगने वाले केस को संभव कर दिखाया।

डॉ. संतोष सोनकर, अधीक्षक, आंबेडकर अस्पताल, रायपुर

खबर संक्षेप

छात्रा ने की थी खुदकुशी शिक्षक दंपती पर जुर्म दर्ज

बिलासपुर। स्कूल से लौटने के बाद छात्रा की खुदकुशी के मामले में जांच के बाद पुलिस ने शिक्षक दंपती के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है। ज्ञात हो कि रतनपुर जलसो निवासी पूनम रजक पिता भूनेश्वर रजक 14 साल माह जलसो स्थित सीता देवी हायर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा नवमीं की छात्रा थी। 22 सितंबर 2025 को पूनम स्कूल घर लौटी और कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। परिजन के द्वारा स्कूल में मारपीट कर प्रताड़ना का आरोप लगाया गया था। पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुट गई थी। स्कूल के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में स्कूल संचालिका अंजना साहू, उसके पति शिक्षक रमेश साहू दो थप्पड़ मारते नजर आ रहे थे। रमेश साहू शासकीय स्कूल में पदस्थ होने के बाद भी अपने निजी स्कूल में पढ़ाने जा रहे थे। विभागीय जांच के बाद शिक्षा विभाग ने शिक्षक रमेश साहू को निलंबित कर दिया था। इधर जांच के बाद 25 नवंबर को रतनपुर पुलिस ने स्कूल संचालिका अंजना साहू व उसके पति निलंबित शिक्षक रमेश साहू के खिलाफ बीएनएस की धारा 108 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया गया है। कोटा एसडीओपी नुपूर उपाध्याय ने कहा नेवसा के छात्रा की खुदकुशी के मामले में मर्ग जांच के बाद अपराध कायम किया गया है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 12 लाख की ठगी

बेमेतरा । सरकारी नौकरी का झांसा देकर बेरोजगार युवाओं से 12 लाख की उगाही करने वाले दो ठग जीवन कामड़े और जयलाल मरकंडेय को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामला तब खुला जब ओडिया निवासी रिंकू निर्मलकर (25) समेत विजेंद्र देवांगन, छत्रपाल निर्मलकर, संतोष निर्मलकर, रुखमणी यादव और होमेश्वर साहू सहित कई लोगों ने पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि आरोपियों ने उन्हें "शासकीय विभागों में पक्की नौकरी दिलाने" का भरोसा देकर एक-एक लाख रुपये, जबकि विजेंद्र से दो लाख रुपये और होमेश्वर साहू से पूरे छह लाख रुपये तक वसूल लिए।

अनुशासनहीनता करने वाले 3 आरक्षक बर्खास्त

कवर्धा। ड्यूटी के दौरान अनुशासनहीनता करने वाले 3 आरक्षक को पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह बर्खास्त कर दिया है। आरक्षक क्रमांक 52 अनिल मिरज द्वारा बार-बार बिना किसी सूचना के लंबे समय तक अनुपस्थित रहना, नोटिस तामील के दौरान लापरवाही, मोटर वारंट गुम करना, पूर्व में 22 दंड मिलना तथा कुल 334 दिवस की अनाधिकृत अनुपस्थिति यह दर्शाता था। इसी प्रकार आरक्षक क्रमांक 517 आदित्य तिवारी द्वारा बंदी पेशी जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण ड्यूटी के दौरान शराब सेवन कर न्यायालय परिसर के बाहर ही नशे में सो जाता था। आरक्षक चालक क्रमांक 272 राजेश उपाध्याय द्वारा भी कार्य के दौरान लापरवाही बरती जा रही थी।

प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में एआईसीसी महासचिव व प्रदेश प्रभारी पायलट रहे मौजूद

संविधान बचाओ कार्यक्रम में बवाल, महापौर के टिकट बेचने के आरोप से गरमाया माहौल

कांग्रेस के प्रदेशस्तरीय संविधान बचाओ कार्यक्रम में बुधवार को उस समय बवाल मच गया, जब कार्यक्रम में एआईसीसी महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट की मौजूदगी में पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष ने निगम महापौर के टिकट में खरीद- फरोख्त का आरोप लगा दिया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमतरी

अपशब्द कहने पर हाथापाई की नौबत आई

कार्यक्रम के समापन के बाद वरिष्ठ कांग्रेसी देवेंद्र अजमानी श्री पायलट के सामने अपना शिकायत पत्र सौंपने के साथ कुछ कहना चाह रहे थे, लेकिन भीड़ के चलते वे कुछ बोल नहीं पाए। श्री पायलट के जाने के बाद देवेंद्र अजमानी ने मीडिया के सामने कहा कि मेरा दुख यह है कि नगर निगम में महापौर का टिकट बेचा गया। उसी के कारण यहां भाजपा के महापौर बैठे हैं। वह लगभग 40 साल से पार्टी की सेवा कर रहा है। उन्होंने जिला कांग्रेस अध्यक्ष को अपशब्द कह दिया जिसके बाद हाथापाई की नौबत आ गई। समर्थक, कार्यकर्ता श्री अजमानी पर भाजपा का दलाल होने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी करने लगे। विवाद बढ़ता देख जिपं सदस्य नीलम चंद्राकर तथा पूर्व जिपं उपाध्यक्ष नीशु चंद्राकर बीच-बचाव करते हुए श्री अजमानी को कांग्रेस भवन ले गए।

15 साल से नहीं आ रहे कार्यक्रमों में: जिलाध्यक्ष

जिलाध्यक्ष शरद लोहना ने कहा है कि देवेंद अजमानी पिछले 15 साल से कांग्रेस के किसी कार्यक्रम में नहीं आते। जब से भाजपा की सत्ता आई तो एक दो बार उसके पास आया और जिले का पदाधिकारी बताकर वसूली चालू कर दी। वह उससे पैसे की डिमांड करता था। भाजपा के कार्यक्रमों में जाने लगा। अपने होटल का उद्घाटन भाजपा के महापौर से कराया। श्री लोहाना ने आगे कहा कि संगठन से चर्चा कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कोई भी मतदाता वोटिंग से न हो वंचित : पायलट

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

बुधवार को राजीव गांधी भवन में संविधान दिवस पर संविधान बचाओ और एसआईआर पर बड़ा कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज तथा नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि संविधान, लोकतंत्र को बचाना है। बीएलए को एसआईआर के लिए प्रत्येक घर में तीन बार जाना है। प्रतिदिन 50 नाम जुड़वाया जा सकता है। आप सबकी जिम्मेदारी है और समय कम है। हम जितना भी प्रचार कर ले, भाषण, जुलूस, धरना कर ले अंत में वोट में गड़बड़ी हो गई। नाम लिस्ट में नहीं आया तो सब बेकार है। वोट कीमती है। पहले रेगिस्तान, पहाड़, ठंड, गर्मी में दुर्गम स्थल पर जाकर वोटर बनाया जाता था, ताकि कोई वोटिंग से वंचित न रहे।

जिला बल व सीआरपीएफ 150 बटालियन की कार्रवाई

पालागुड़ा इत्तापारा जंगल से नक्सलियों का डंप विस्फोटक बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर/ कोंटा

नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सयुंक्त सुरक्षाबलों ने पालागुड़ा इत्तापारा के जंगल से नक्सलियों द्वारा डम्प किया गया भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया है। सुकमा जिले में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन के तहत पालागुड़ा इत्तापारा के जंगल नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर पालागुड़ा कैम्प से

जिला बल सुकमा व 150 बटालियन सीआपीएफ की संयुक्त टीम सर्चिंग पर रवाना हुई थी। इसी तारतम्य में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर 26 नवम्बर को असिस्टेंट कमाण्डेन्ट अजय कुमार 150 बटालियन के नेतृत्व में सीआरपीएफ व जिला बल की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान के लिए ग्राम पालागुड़ा इत्तापारा व आस-पास जंगल पहाड़ी की ओर रवाना हुए थे। बुधवार सुबह लगभग 9:15 बजे ग्राम पालागुड़ा इत्तापारा के जंगल पहाड़ियों में नक्सलियों द्वारा छुपाकर रखे भारी मात्रा में डम्प सामाग्री जिसमें हथियार, विस्फोटक सामग्री सहित व अन्य नक्सली सामाग्रियां बरामद किया गया। सुरक्षाबलों के जवानों ने विस्फोटक बरामद कर माओवादियों के मंसूबों को विफल करने के उपरांत सुरक्षित कैम्प लौटने में सफल रही।

बरामद विस्फोटक में यह शामिल

सुरक्षाबलों के जवानों ने जंगल व पहाड़ी इलाके में डम्प किए गए बरामद सामग्रियों में सिंगल शॉट राइफल, जिलेटिन विस्फोटक रॉड्स, बीजीएल हेड, इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, कॉर्डेक्स वायर, नक्सली साहित्य , अस्पताल की वस्तुएं, मल्टीमीटर व फ्लेक्सिबल वायर व अन्य सामग्री शामिल है।

पिकनिक मनाने गए युवक का घर के समीप कुएं में मिला शव

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

पिकनिक मनाने के नाम पर घर से निकले युवक की दो दिन बाद घर के समीप स्थित कुएं में शव मिला है। मृतक अपने साथियों और स्कूली बच्चों के साथ मैनपाट गया था। युवक के लापता होने पर परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। परिजन ने युवक के हत्या की आशंका जताई है। फिलहाल पुलिस ने शव को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द करने के साथ ही मर्ग कायम किया है। बताया जा रहा है कि दरिमा थाना अंतर्गत ग्राम कुम्हरता निवासी 27 वर्षीय हरेन्द्र सिंह 23 नवंबर को कुछ स्कूली बच्चों और अपने साथियों के साथ पिकनिक मनाने के लिए मैनपाट गया हुआ था लेकिन वह वापस घर नहीं लौटा। युवक के घर नहीं आने पर परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इस दौरान यह बात सामने आई कि उसके साथियों ने मैनपाट से लौटने के बाद देर शाम को उसे गांव में ही छोड़ दिया था। युवक का सुराग नहीं मिलने पर परिजन ने घटना की जानकारी पुलिस को दी थी। जिसके बाद पुलिस मामले में गुमशुदगी दर्ज कर जांच कर रही थी। इसी बीच 25 नवंबर की शाम मृतक का भाई घर से 150 मीटर की दूरी पर स्थित कुएं से मवेशियों के लिए पानी लेने गया था जहां उसे कुएं में एक शव नजर आया। ऐसे में उसने ग्रामीणों और पुलिस को मामले की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को बाहर निकाला जिसके बाद मृतक की पहचान हरेन्द्र सिंह के रूप में की गई।

18 प्रकरण में 75 लाख का अवैध धान जब्त

राजनांदगांव। जिले में बुधवार को ही 18 प्रकरण में 75 लाख रुपए का अवैध धान जब्त किया गया। अब तक की कार्रवाई में चार करोड़ से अधिक रुपए का अवैध धान जब्त हो चुका है। इधर प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्रवाई से धान खपाने की जुगत में जुटे कोचियों में हड़कंप मचा हुआ है। प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले के तीन ब्लॉक में अवैध धान के खिलाफ गुरुवार को कार्रवाई की गई। इसमें राजनांदगांव ब्लॉक में 6 प्रकरण में 22.91 लाख का 739 क्विंटल धान, डोंगरगढ़ ब्लॉक में पांच प्रकरण में 7.71 लाख का 249 क्विंटल धान एवं डोंगरगांव ब्लॉक में सात प्रकरण में 45.22 लाख रुपए का 1459 क्विंटल धान जब्त किया गया है।

उत्तर की हवाओं के प्रभाव से लगातार क्षेत्र में गिर रहा पारा

शीतलहर ने बढ़ाई कंपकंपी, सरगुजा छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक ठंडा इलाका

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

तीन दिन की राहत के बाद हिमाचल की सर्द हवाओं ने एक बार फिर कंपकपाना शुरू कर दिया है। पूर्व में खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण भूमध्यसागरीय प्रायदीप के क्षेत्र में सुष्टप अवदाब बनकर दक्षिण भारत के राज्यों को भिगो रहा है। अण्डमान सागर में सक्रिय लो-प्रेशर भी अब तूफान का रूप ले लिया है लेकिन सरगुजा पर इसका विशेष प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

इस बार नवम्बर मध्य से ही शहर सहित पूरे सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठण्ड पड़ रही है। खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से हवा की दिशा बदल कर दक्षिण एवं पूर्व हो गई थी जिससे शीतलहर से राहत मिल गई थी तथा न्यूनतम पारा 10.0 के आसपास पहुंच गया था। चक्रवाती परिसंचरण के भूमध्यसागरीय प्रायदीप क्षेत्र की ओर अग्रसर होने के बाद एक बार फिर हवा की दिशा बदल कर उत्तर-पश्चिमोत्तर हो गई है। हवा की दिशा बदलने के बाद पिछले तीन दिनों से उत्तर एवं पश्चिमोत्तर की हवाएं हिमालय के बर्फ एवं राजस्थान के रेगिस्तान की ठण्डक लेकर पहुंच रही हैं जिससे रात के तापमान में लगातार गिरावट हो रही है। बुधवार को तापमान सामान्य 4.2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने के कारण एक बार फिर सरगुजा छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक ठण्डा इलाका बन गया है। मौसम विभाग द्वारा बुधवार को न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

मैनपाट पहुंचने लगे पर्यटक

ठण्ड बढ़ने के साथ ही छत्तीसगढ़ के शिमला मैनपाट में दूर-दूर के पर्यटकों का आवागमन शुरू हो जाता है। पूर्व में दिसम्बर में अधिक ठण्ड पड़ने पर दूर-दूर के पर्यटक पहुंचते थे। इस बार एक सप्ताह पूर्व से ही मैनपाट में पर्यटकों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई है तथा पर्यटन विभाग के दोनों मोटल पिछले एक सप्ताह से आगामी दिनों तक के लिए फुल है।

रायपुर
गुरुवार 27 नवंबर 2025
अगहन शुक्ल पक्ष सप्तमी
वर्ष : 24, अंक : 129
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 28.5
न्यून. 15.8

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

समाचार ही नहीं, विचार भी

9 भारतीय खिलाड़ियों का दमदार पदार्पण...

विचार पेज
2 गुमशुगदी के बढ़ते आंकड़े चिंताजनक

महिला और युवक के चेहरे पर पोती कालिख, जूतों की माला पहनाई, चार के खिलाफ एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मनेन्द्रगढ़

एमसीबी जिले के जनकपुर विकासखंड के बरेल गांव में अवैध संबंध के मामले में ग्रामीणों ने एक पुरुष और महिला को पकड़कर उनके चेहरे पर कालिख पोत दी। दोनों के बीच लंबे समय से अवैध संबंध होने की चर्चा गांव में थी, जिसे लेकर ग्रामीण तथा परिजन नाराज थे। इसी नाराजगी के चलते ग्रामीणों ने दोनों को सार्वजनिक तौर पर अपमानित किया।

जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले गांव की एक महिला को उसके पति ने शंका के आधार पर अपने घर से निकाल दिया, ▶▶|शेष पेज 7 पर

जनकपुर के बरेल गांव की घटना, जांच में जुटी पुलिस

आरोपियों पर एफआईआर

पीड़ित महिला की शिकायत के अनुसार, पति को उस पर नाजायज संबंध होने का शक था, जिसके कारण 21 नवंबर को झगड़ा हुआ और पति ने उसे घर से निकाल दिया। घर से निकाले जाने के बाद महिला उसी गांव के ओम प्रकाश पनिका के घर चली गई, जिसका कथित तौर पर उससे प्रेम प्रसंग था। महिला के इस कदम से गुस्साए ससुराल ▶▶|शेष पेज 7 पर

4 आरोपियों के खिलाफ एफआईआर

वीडियो वायरल होते ही जनकपुर पुलिस हरकत में आई। पीड़ित महिला की शिकायत पर, जनकपुर पुलिस ने ससुराल पक्ष के चार नामजद आरोपियों,राय सिंह, गुलाब सिंह, उर्मिला सिंह और अनीता सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

देश की पहली स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन प्रणाली

नई दिल्ली। आईआईटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने देश की पहली स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन प्रणाली विकसित की है और इसे बंदरगाहों में उपयोग में लाया जा रहा है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा उल्लेखित आवश्यकताओं के आधार पर आईआईटी मद्रास स्थित राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केंद्र ने इस प्रणाली को तैयार किया है।

सबरीमला सोना मामला यूट्यूबर के खिलाफ केस

तिरुवनंतपुरम। आईपीएस के एक वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ सबरीमला सोना चोरी मामले में सोशल मीडिया के जरिए कथित तौर पर 'झूठे' आरोप लगाने के लिए एक यूट्यूबर पर मामला दर्ज किया गया है। म्यूजियम पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) एस. श्रीजीत की शिकायत के आधार पर मंगलवार को मामला दर्ज कर लिया।

कमला पसंद कंपनी की मालिक की बहू ने की खुदकुशी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली में कमला पसंद पान मसाला कंपनी के मालिक की 40 वर्षीय पुत्रवधू ने कथित तौर पर यहां अपने घर पर आत्महत्या कर ली। पान मसाला कंपनी के मालिक कमल किशोर चौरसिया की पुत्रवधू दीप्ति चौरसिया की शादी 2010 में हुई थी। महिला के पति ने उसे घर में फंदे से लटका हुआ पाया। वह उसे सफदरजंग अस्पताल ले गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

13.33 करोड़ रुपए का मादक पदार्थ जब्त

आइजोल। मिजोरम के चम्फाई जिले में भारत-म्यांमा सीमा के पास 13.33 करोड़ रुपए मूल्य की मेथामफेटामीन गोलियां जब्त की गईं। एक गुप्त सूचना के आधार पर जोखावथार में विश्व बैंक रोड पर चलाए गए अभियान में म्यांमा निवासी एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से कुल 4.44 किलोग्राम प्रतिबंधित मेथामफेटामीन गोलियां जब्त की गईं। आरोपी के पास से जब्त मादक पदार्थ को विस्तृत जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए आबकारी एवं मादक पदार्थ विभाग को सौंप दिया गया।

साउथ सब जोनल ब्यूरो को लगा झटका

नक्सलियों में भगदड़ के हालात, फिर 41 ने किया सरेंडर, 1.19 करोड़ के थे ईनामी

देश के गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले महीने अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त घोषित किया था। उस दौरान माड़ में सक्रिय 200 से ज्यादा नक्सलियों ने जगदलपुर में सरेंडर किया था। इसके बाद से नक्सलियों में भगदड़ के हालात हैं। मंगलवार को नारायणपुर 28 नक्सलियों ने हिंसा छोड़ दी थी। अब बुधवार को बीजापुर में 41 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इन पर करीब 1.19 करोड़ रुपए का ईनाम था।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

सीसी मेंबर माड़वी हिड़मा के आध्रं में हुए एक एनकाउंर में मारे जाने के बाद बस्तर समेत पड़ोसी राज्यों में लगातार नक्सलियों का समर्पण जारी है। बुधवार को बीजापुर में 41 नक्सलियों ने एसपी जितेन्द्र कुमार यादव व अन्य अधिकारियों के समक्ष समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गए, जिन पर 1 करोड़ 19 लाख रुपए का ईनाम घोषित था।

शासन द्वारा चलाए जा रहे पूना मारगेम पुनर्वास से पुनर्जीवन, बदलाव की नई शुरूआत और क्रूर व जनविरोधी माओवादी विचारधारा का खात्मा कर शांति की स्थापना को लेकर चलाई जा रही मुहिम के तहत साउथ सब जोनल ब्यूरो के 39 माओवादियों के अलावा डीकेएसजेडसी, तेलंगाना स्टेट कमेटी, धमतरी-गरियाबंद-नुआपाडा डिविजन के माओवादी समेत 41 ने समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हुए। इनमें 12 महिला कैडर ▶▶|शेष पेज 7 पर

हरिभूमि फॉलोअप

डीकेएसजेडसी के अलावा तेलंगाना स्टेट कमेटी, धमतरी-गरियाबंद-नुआपाडा डिवीजन के माओवादी भी शामिल

एक दिन पहले 28 ने किया था समर्पण

छत्तीसगढ़ में 19 महिलाओं सहित 28 सक्रिय नक्सलियों ने मंगलवार को पुलिस के सामने सरेंडर किया था। सरेंडर करने वाले इन नक्सलियों के सिर पर सरकार ने 89 लाख रुपए का ईनाम घोषित किया था। आत्मसमर्पण करने वालों में नक्सली नेता एवं कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) का डिविजनल कमेटी मेंबर (डीवीसी) दिनेश पांडे भी शामिल था। तीन नक्सलियों ने अपने पास रखे तीन हथियार एसएलआर, इंसास और .303 राइफल को भी सुरक्षाबलों को सौंप दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 19 महिला नक्सली भी शामिल थे।

नक्सल दंपति ने किया सरेंडर, 20 लाख था ईनाम

खैरागढ़। नक्सल विरोधी अभियान तहत पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर लगभग बीस लाख रुपए के ईनामी नक्सल दंपति ने एसपी लक्ष्य विनोद शर्मा के सामने सरेंडर किया। लगभग 14 लाख रुपए का ईनामी हार्डकोर नक्सली धनुष उर्फ मुन्ना 25 साल और उसकी पत्नी लगभग 6 लाख रुपए की ईनामी महिला नक्सली रोनी उर्फ तुले 25 साल ने छग शासन के आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति और विकासोन्मुखी प्रभाव से प्रभावित होकर मुख्यधारा में लौटने का मन बनाया।

समर्पित नक्सलियों में यह शामिल

समर्पित नक्सलियों में 9 पर 8-8 लाख का ईनाम घोषित था, इनमें बटालियन नम्बर एक का पीपीसीएम पण्डरू हपका उर्फ मोहन निवासी पदेडा रेगडगट्टापारा थाना गंगालूर के अलावा बण्डी हपका, लक्खू कोरसा, बदरू पुनेम, सुखराम हेमला, मंजूला हेमला उर्फ शांति, मंगली माडवी उर्फ शांति उर्फ मंगलो, जयराम कडियम तथा पाण्डो मडकम उर्फ चांदनी निवासी कोतरापाल लखखापारा थाना जांगला बीजापुर शामिल है। इसके अलावा 5-5 लाख के ईनामी एरिया कमेटी मेंबर माटा कडियम उर्फ मंगल, जमली कडियम व जोगी मडकम उर्फ मालती शामिल है। 2-2 लाख के ईनामी नक्सलियों में छोटू ▶▶|शेष पेज 7 पर

भारत को मिली 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी अहमदाबाद में होंगे खेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत को 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी अधिकार मिल गए हैं। गुजरात के अहमदाबाद में ये खेल कराए जाएंगे। ग्लास्गो में बुधवार को हुई राष्ट्रमंडल खेल आमसभा की बैठक के दौरान भारत को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी आधिकारिक तौर पर सौंपी गई है। 2010 के बाद यह पहला अवसर है जब भारत इन खेलों की मेजबानी करेगा। 2010 में नई दिल्ली में इन खेलों का आयोजन कराया गया था। राष्ट्रमंडल खेल महासभा में 74 राष्ट्रमंडल सदस्य देशों और क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने भारत की 2030 की दावेदारी का अनुमोदन किया। बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक ▶▶|शेष पेज 7 पर

15 से 17 खेल होंगे शामिल

2010 में दिल्ली में हुए राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारत ने लगभग 70,000 करोड़ रुपए खर्च किये थे, जो 1600 करोड़ रुपये के प्रारंभिक अनुमान से कहीं अधिक था। चार साल में एक बार होने वाले इन खेलों में 72 देश हिस्सा लेते हैं।

मांडविया ने बताया गौरवपूर्ण क्षण

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारत को मेजबानी मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, यह एक गौरवपूर्ण क्षण है कि भारत शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। भारत प्रमुख आयोजनों की मेजबानी करने में सक्षम है और 2047 तक शीर्ष पांच खेल राष्ट्रों में शामिल होगा।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला कैबिनेट ने 7,280 करोड़ की स्कीम को दी मंजूरी

अब चीन को टक्कर देने की तैयारी, रेयर अर्थ मैग्नेट्स में आत्मनिर्भर बनेगा भारत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

रेयर अर्थ मेटल्स के निर्यात पर रोक लगाकर चीन को लगा था कि वह दुनिया को अपनी पावर के आगे झुकने को मजबूर कर देगा। भारत चीन की दादागिरी का मुंहतोड़ जवाब देने जा रहा है। रेयर अर्थ मैग्नेट की मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने 7,280 करोड़ रुपए के खर्च से एक स्कीम को मंजूरी दे दी है।

- 2047 तक विकसित भारत के विजन की दिशा में अहम मील का पत्थर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने 'सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट की मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की स्कीम' को मंजूरी दे दी है। इस फैसले की घोषणा करते हुए, सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस स्कीम से रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा, जो इलेक्ट्रिक गाड़ियों, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल टेक्नोलॉजी और डिफेंस जैसे सेक्टर में जरूरी कंपोनेंट हैं।

योजना का वित्तीय ढांचा

कुल 7,280 करोड़ रुपये की योजना में शामिल हैं। 5 साल तक आरईपीएम बिक्री पर 6,450 करोड़ रुपए का बिक्री-आधारित प्रोत्साहन, और उत्पादन संयंत्र स्थापित करने के लिए 750 करोड़ रुपए की पूंजी सहायता। योजना के तहत कुल उत्पादन क्षमता 5 कंपनियों में बांटी जाएगी। प्रत्येक लाभार्थी को अधिकतम 1,200 एमटीपीए क्षमता आवंटित की जाएगी। यह योजना कुल 7 साल चलेगी. पहले 2 साल में उत्पादन इकाइयां स्थापित की जाएंगी और इसके बाद 5 साल तक बिक्री पर प्रोत्साहन वितरित किया जाएगा।

क्या होते हैं रेयर अर्थ मेटल्स?

- रेयर अर्थ मेटल्स वे 17 रासायनिक तत्व होते हैं, जो लैंथेनाइड्स समूह में आते हैं और बहुत ही दुर्लभ होते हैं
- दिखने में ये चांदी की तरह चमकदार और हल्के होते हैं
- इनमें समेरियम, नियोडाइमियम, यूरोपियम, लैंथेनम जैसे तत्व शामिल हैं
- इनकी खास भौतिक और चुंबकीय प्रॉपर्टीज की वजह से ये हाई-टेक तकनीकों में जरूरी हो गए हैं
- मोबाइल फोन, विंड टर्बाइन, एमआरआई मशीन, लड़ाकू विमान, इलेक्ट्रिक गाड़ियां- इन सभी में इनका इस्तेमाल होता है।

2030 तक मांग दोगुनी होने की संभावना

भारत में इन मैग्नेट्स की मांग तेजी से बढ़ रही है और 2025 की तुलना में 2030 तक यह दोगुनी होने की उम्मीद है। वर्तमान में भारत की जरूरतों को अधिकतर आयात से पूरा किया जाता है। इस योजना से भारत में पहली बार पूर्ण आरईपीएम उत्पादन चेन स्थापित होगी, जिससे रोजगार सृजन होगा, विदेशी निर्भरता कम होगी, घरेलू उद्योग मजबूत होंगे और देश की नेट जीरो 2070 प्रतिबद्धता को भी समर्थन मिलेगा।

बास्केटबॉल कोर्ट में बड़ा हादसा

प्रैक्टिस के दौरान शरीर पर गिरा पोल, प्लेयर की मौत

चंडीगढ़। हरियाणा के रोहतक और बहादुरगढ़ में बास्केटबॉल कोर्ट में हुई दो अलग-अलग घटनाओं में बास्केटबॉल 'हूप' का लोहे का खंभा गिरने से राष्ट्रीय स्तर के एक खिलाड़ी और एक अन्य किशोर की मौत हो गई। रोहतक में राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी हार्दिक राठी (16) की कोर्ट में अभ्यास के दौरान छाती पर बॉस्केटबॉल हूप का लोहे का खंभा गिर जाने से मौत हो गई।

स्कूल परिसर में हादसा

बहादुरगढ़ में अमन एक सरकारी विद्यालय के परिसर में बास्केटबॉल कोर्ट में अभ्यास के लिए गया था। तभी हादसा हो गया।

भारत माता पब्लिक स्कूल में कर रहे थे पढ़ाई

सड़क दुर्घटना में दो मासूम छात्रों की मौत, ग्रामीणों ने किया चक्का जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सरिया

बुधवार सुबह 9 बजे अटल चौक में हृदय विदारक सड़क दुर्घटना में दो मासूम छात्रों की मौत हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने चक्काजाम कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग किया। अटल चौक में चक्का जाम आंदोलन के बाद पुलिस टीम हरकत में आई और वाहन चालक को पहले से ही गिरफ्तार किया हुआ था, लेकिन आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी को बचाने वाले को भी गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े रहे। अंततः आरोपी को सहयोग करने वाले के खिलाफ मामला दर्ज ▶▶|शेष पेज 7 पर

वाहन चालक गिरफ्तार

सड़क दुर्घटना में दो मासूम छात्रों की मौत होने के मामले में वाहन चालक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों के मांग पर एक अन्य की गिरफ्तारी पर भी ग्रामीणों ने रिपोर्ट किया है इस पर भी कार्रवाई की जा रही है।
-निमिषा पांडे, एडिशनल एसपी

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट का हवाला देकर उगला 'जहर'

राम मंदिर पर फहराया ध्वज तो पाक को लगी मिर्ची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

खुद दाने-दाने का मोहताज पाकिस्तान को भारत के हर मसले में घुसने की आदत है। यहां भारत में कुछ भी होता है तो उससे पाकिस्तान को मिर्ची लगना स्वाभाविक है। अब 25 नवंबर को जब राम मंदिर के शिखर पर भगवा धर्म-ध्वज की स्थापना हुई तो इस पर भी पड़ोसी मुल्क बिलबिला उठा है। उसने भारत में बढ़ते इस्लामोफोबिया और विरासत के अपमान की बात कही। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र की एक कथित रिपोर्ट का हवाला देकर भारत के खिलाफ जमकर जहर ▶▶|शेष पेज 7 पर

बाबरी मस्जिद का मुद्दा फिर उछाला

इतना ही नहीं, खुद अल्पसंख्यकों के अधिकारों का लगातार हनन करने वाला देश अब भारत को ज्ञान देने चला है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने 'राम मंदिर' पर झंडा फहराने पर गहरी चिंता जता रहा है।

अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर देने चला ज्ञान

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसे अल्पसंख्यकों के लिए भारतीय सरकार के भेदभाव वाला रवैया बताया और आगे कहा कि यह भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर दबाव के एक बड़े पैटर्न और बहुसंख्यक हिंदुत्व सोच के असर में मुस्लिम सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को खत्म करने की जानबूझकर की गई कोशिशों को दिखाता है।

भारत की दो टूक, पाक अपनी हरकतों को सुधारे

भारत ने पाकिस्तान को दो टूक जवाब देते हुए कहा कि वह हमें पाखंडी उपदेश न दे और अपनी हरकतों को सुधार लें। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अयोध्या राम मंदिर में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, हमने कथित टिप्पणियों को देखा है और उन्हें पूरी तरह से खारिज करते हैं। कट्टरता, दमन और अल्पसंख्यकों के साथ व्यवस्थित दुर्व्यवहार के गहरे दागदार रिकॉर्ड वाले देश के रूप में पाकिस्तान के पास दूसरों को उपदेश देने का कोई नैतिक आधार नहीं है। पाखंडी उपदेश देने के बजाय पाकिस्तान को अपने भीतर झांककर अपने मानवाधिकारों के बेहद खराब रिकॉर्ड पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

चिंतन

अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा पाक

एक बहुत पुरानी कहावत है 'कुत्ते की दुम' को 12 साल भी पाइप में रखो तब भी सीधी नहीं होती। यही हाल पाकिस्तान का भी है। अभी ऑपरेशन सिंदूर के घाव पूरी तरह से भरे भी नहीं हैं कि उसने फिर से भारत के अंदरुनी मामलों में दखल देने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को श्रीराम जन्मभूमि आयोध्या में श्रीराम मंदिर पर ध्वजा क्या फहराई, पाकिस्तान के पेट में दर्द हो गया। पाकिस्तान ने करीब 2 साल पहले 22 जनवरी 2024 को हुए राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की भी निंदा की थी। तब पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा था-हम अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की निंदा करते हैं। अब यूएन में अपील दायर कर पाकिस्तान ने कहा कि भारत की अदालतों ने भी मंदिर निर्माण की इजाजत दे दी। यह अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव का बड़ा उदाहरण है। भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों पर दबाव बढ़ रहा है। भारत की कई ऐतिहासिक मस्जिदें खतरे में हैं। मुसलमानों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक तौर से हाशिये पर धकेला जा रहा है। उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह भारत में बढ़ते इस्लामोफोबिया, नफरत और मुसलमानों पर हमलों पर ध्यान दे। उसने यूएन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से कहा कि वे भारत में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए कदम उठाएं। जबकि सच्चाई इससे कोसों दूर है। भारत पर आरोप लगाने वाले पाकिस्तान को यह सब कहने से पहले अपने गिरेबान में झांक लेना चाहिए। पाकिस्तान में खुद बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यकों के साथ हिंसा की जा रही है। अमेरिका की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की पहली छमाही में पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हमले और धमकियों की अनेक घटनाएं हुईं, लेकिन वहां की सरकार ने दोषियों पर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की। 2023 में एक चर्च जलाने के आरोप में पकड़े गए 10 लोगों को हाल ही में अदालत ने बरी भी कर दिया। पाकिस्तान में अक्सर हिंदू और ईसाई लड़कियों के जबरन धर्म परिवर्तन और जबरन शादी के मामले सामने आते रहते हैं, खासकर सिंध और पंजाब में। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का लंबा इतिहास है। कौन नहीं जानता है उत्पीड़न से परेशान होकर पाकिस्तान के हजारों हिन्दू परिवार भारत में शरण लिए हुए हैं। यहां तक कि इमरान खान की पार्टी से सांसद रहे डिवाया राम तक वहां हो रहे शोषण से दुःख होकर भारत भाग आए और आजकल हरियाणा के फतेहाबाद में मूंगफली बेच कर जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसे ही एक पाकिस्तान के एक हिन्दू पुलिस अधिकारी भागकर पंजाब आ गए और कई सालों से यही रह रहे हैं। जिस देश में अल्पसंख्यक सांसद और पुलिस वाले ही सुरक्षित न हो, वहां आम आदमी के हालात के बारे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसे देश को दूसरे को नसीहत देने का कोई अधिकार नहीं है। भारत सर्वधर्म पर विश्वास करने वाला देश है। हमारा संविधान सबको सामान अधिकार देता है। पाकिस्तान किसी धर्म विशेष की बात करके केवल और केवल भारत में अलगाव को बढ़ावा देने की कोशिशों में लगा है। जिसमें वो कभी कामयाब नहीं हो सकता। क्योंकि नया भारत उसके हर मंसूबे से वाकिफ है।

चिंतन

डॉ.रमेश ठाकुर

गुमशुगदी के बढ़ते आंकड़े चिंताजनक

इस साल पूरे देश में एक लाख 16 हजार से ज्यादा गुमशुदगी के मामले दर्ज हुए हैं। इजाफे की गति ने ही वैश्विक स्तर पर लापता लोगों के मामले में भारत को दूसरे पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया है। गुमशुदगी में राजधानी दिल्ली अव्वल है लेकिन अछूता कोई प्रदेश नहीं है। चाहे मैदानी राज्य हों या पहाड़ी? हर जगह से लोग नियमित गायब हो रहे हैं। दु:ख यह है कि बरामदगी का आंकड़ा बहुत धीमा है। ये कृत्य निश्चित रूप से बदनामी का ऐसा तमगा है जो किसी भी विकसित देश की महकती व्यवस्था पर कालिख पोतने जैसा है।

रहस्यमय ढंग से गुमशुदा होते लोगों को धरती निगल रही है या आसमान खा रहा है? ये सवाल गुजरे बीते महीनों से सभी के जुबान पर हैं। अनसुलझी पहेली जैसा बना हुआ है यह विषय। भारत में गायब लोगों के आंकड़ों में करीब 42 फीसदी का इजाफा हुआ है, जो अपने आप में अचंभित करता है। बीते सप्ताह आई 'नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो' की रिपोर्ट में भी बढ़ोतरी हुई। रिपोर्ट की मानें तो इस साल पूरे देश में एक लाख 16 हजार से ज्यादा गुमशुगदी मामले दर्ज हुए हैं। इजाफे की गति ने ही वैश्विक स्तर पर लापता लोगों के मामले में भारत को दूसरे पायदान पर काबिज कर दिया है। गुमशुदगी में राजधानी दिल्ली अव्वल है, लेकिन अछूता कोई प्रदेश नहीं है। चाहे मैदानी राज्य हों या पहाड़ी? हर जगह से लोग नियमित गायब हो रहे हैं। दुःख यह है कि बरामदगी का आंकड़ा बहुत धीमा है। ये कृत्य निश्चित रूप से बदनामी का ऐसा तमगा है जो किसी भी विकसित देश की महकती व्यवस्था पर कालिख पोतने जैसा है।

उत्तराखंड के हालात तो और भी खराब हैं। वहां रोजाना तीन लोग रहस्यमय तरीके से गायब हो रहे हैं, उनका भी रिकवरी रेट बहुत कम है। असंख्य लोगों का गायब होना और किसी का सुराग ना लगना? अपने आप में चौकाता है, जबकि, वर्षों से निर्धन या अति पिछड़े देशों में गायब लोगों के संबंध में हम सुनते आते थे, जिनमें अफगानिस्तान, बलूच, पाकिस्तान, बाग्लादेश, योगांडा व कुछ अफ्रीकी देश शामिल थे। लोगों के गायब होने खतरा भारत में एकाध दशकों से ज्यादा मंडराया है। मेघालय, सिक्किम जैसे शांत प्रदेशों तक से लोग लापता हो रहे हैं। वहीं, दिल्ली में इसी साल पिछले मात्र 210 दिनों में 8 हजार के करीब लोग गायब हुए, जिनमें सिर्फ 290 लोग ही खोजे जा सके। सवाल उठता है कि उन्हें आसमान निगल गया, या धरती खा गई?

गुमशुदगी को लेकर विभिन्न प्रदेशों की सरकारों से लेकर प्रशासन और पुलिस महकमा भी अनोखी थ्योरी को सुलझाने में नाकाम है। खोजबीन व तमाम कोशिशों के बावजूद भी उनकी जांच-पड़ताल बेनजीता साबित हो रही है। तमाम कोशिशों के बावजूद भी लापता लोगों का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा। गुमशुदगी के ताजे आंकड़े एनसीआरबी के अलावा 'जोनल इंटीग्रेटेड पुलिस नेटवर्क' (जिपनेट) ने भी जारी किए हैं, जिनसे न सिर्फ शासकीय महकमों में खलबली है, बल्कि जनमानस में भी डर बैठा है। जहां आंकड़े बढ़े बताए गए हैं वहा के वासी कुछ ज्यादा ही डरे हुए हैं, उन्हें अपनी और अपने परिजनों की चिंता समाने लगी हैं। आंकड़ों में ऐसे अनगिनत नौनिहाल भी हैं जो या तो पार्कों में खलने गए या ट्यूशन से पढ़कर वापस ही नहीं आए। बिहार, पंजाब, राज्यस्थान, तेलंगाना, हरियाणा में 2022-23 और 2023-24 के आंकड़ों में 22 फीदसी बढ़ोतरी भी चिंता बढ़ाती है।

गायब व्यक्तियों के प्रस्तुत आंकड़ों में जिपनेट ने एक और बात डरावनी कही है। विक्षिप्त किस्म के और बुजुर्ग वर्ग के जितने भी शव पुलिस को बरामद हुए उनमें चौकाने वाली बात यह निकली, उन ज्यादातर शवों में किडनियां गायब मिली हैं। ये मामला सीधे-सीधे मानव तस्करी और किडनी गैंग से जुड़ा प्रतीत होता है। समय-समय पर ऐसी खबरें आती ही रहती कि बड़े अस्पतालों

में अप्रत्यक्ष रूप से किड्नी गिरोह सक्रिए हैं? जो किडनियों की डिमांड को पूरा करने के लिए बुजुर्गों, मजदूरों, विक्षिप्तों व निर्बलों को टारगेट करते हैं। देशभर के नामी बड़े अस्पताल इन हरकतों में बदनाम रहे भी हैं। किडनी चोर का बड़ा गैंग कुछ वर्षों पहले एक्सपोज भी हुआ था, जिसके आका को पुलिस ने नेपाल से धरा था। 2024-25 के लापता आंकड़ों में पश्चिम बंगाल व असम के हालात तो और भी डरावने बताए गए हैं। गुमशुदगी के आंकड़े वैसे तो देश भर से सालाना या महीनों के हिसाब से पेश होते ही हैं, जिनमें एकाध या दर्जन भर लोगों के ही गायब होने की सूचनाएं होती हैं।

गौरतलब है कि गायब लोगों के मामलों में दिल्ली का आंकड़ा बेहद चिंताजनक है। 1 जनवरी से लेकर 23 जुलाई 2025 के बीच 7 हजार 880 लोग गायब हुए हैं। इससे केंद्र भी चिंतित है। खुदा-न-खास्ता अगर ये गति समूचे देश में फैल गई तो कोहराम मच जाएगा। इसे किसी भी सूरत में रोकना होगा। व्यक्तियों के परिजन पुलिस थानों में चक्कर काटते हैं। मामले फाइलों में धूल फांकते रहते हैं। परिजन खुद से भी कोशिश करते हैं, पर सफलता उन्हें भी नहीं मिल रहीं? गुमशुदगी मामलों में 'संयुक्त राज्य अमेरिका' सदैव अव्वल रहा था। दूसरे नंबर पर भारत है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक भारत में प्रत्येक घंटे में 88 महिलाएं, बच्चे और पुरुष गायब हो रहे हैं, यानी रोजाना 2,130 और हर महीने 64,851। 2022 से लेकर 2024 के बीच इन आंकड़ों में बेहताशा उछाल आया। ग्रामीण क्षेत्रों के मुकाबले महानगरों में गति ज्यादा है। लापता में सर्वाधिक संख्या बच्चों और महिलाओं की है। पुरुष भी हैं, लेकिन बच्चियों और महिलाओं से कम।

कानाफूसी ऐसी भी है कि लापता लोगों को पकड़ने में कुछ गिरोह सक्रिए हैं। जो मानव तस्करी के अलावा, भीख मंगवाने जैसे कृत्यों में गायब लोगों को डाल रहे हैं। जहां तक दिल्ली में गायब लोगों की बात है तो दूसरे राज्यों के मुकाबले वहां सुरक्षित हमेशा चौकन्नी रहती है। बावजूद इसके ऐसा हाल? ताज्जुब यह भी है कि ऐसी घटनाएं हाई सिक्योरिटी जोन जैसे संसद मार्ग, चाणक्यपुरी, कनेटप्लस, तिलक मार्ग क्षेत्रों में हो रही हैं। जो क्षेत्र चौबीसों घंटे सीसीटीवी के निगरानी में हैं। प्रशासन बरामदगी को लेकर खाली हाथ है। वहां गायब हुए लोगों के आंकड़ों को जिपनेट जैसी विश्वसनीय संस्था ने उजागर किए हैं जो इस क्षेत्र में माहिर बताई जाती है। संस्था एक केंद्रीकृत डेटाबेस है जिनके आंकड़ों का प्रयोग, पुलिस, कोर्ट व कानूनी प्रक्रियाओं और जांच एजेंसियां करती हैं। अज्ञात शवों का भी विश्वसनीय डाटा उनके पास होता है। संस्था विभिन्न थानों, सरकारी संस्थाओं और प्लेटफार्मों से डाटा एकत्र करती है। जिपनेट के आंकड़ों पर एनसीआरबी की रिपोर्ट ने भी मुहर लगा दी है। समूचे भारत में फैली गायब होने की गति को थामना होगा। इस सरकार का कहना कि भारत विशाल जनसंख्या वाला देश है, इसलिए ये आंकड़े बड़े लगते हैं। पर, ये चिंता व्यक्त करने का मुकम्मल तरीका कतई नहीं हो सकता। एक भी व्यक्ति का गायब होने का मतलब है सिस्टम की कार्यशैली पर सवाल उठाना। रिवकरी की स्पीड बढ़नी चाहिए, सुरक्षा तंत्र को चौकन्ना करना होगा। दोषियों पर कड़ी कार्यवाही करनी होगी। गायब लोगों में अभी तक पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र जैसे राज्य ही बदनाम थे। लापता लोगों के कम रिकवरी रेट पर सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता जताई है। दरअसल, ये ऐसा मानवीय पहलू है जिस पर सभी को गंभीरता से विमर्श करने की आवश्यकता है। ये ऐसी समस्या है जो किसी के भी दरवाजे पर आकर दस्तक दे सकती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

नक्सलवाद

उज्ज्वल दीपक

राजनीतिक इच्छाशक्ति ने बंदूक की आवाज को दबा दिया

भारत में नक्सलवाद की समस्या दशकों तक एक ऐसे घाव की तरह रही है, जिसे देश ने बहुत दर्द के साथ झेला। हिंसा द्वारा लोकतंत्र को चुनौती देने का वामपंथी उग्रवादियों का लंबा इतिहास रहा है। इस तथाकथित 'विचारधारा की लड़ाई' ने प्रभावित क्षेत्रों में न सिर्फ विकास ठप किया बल्कि पिछले चार दशकों में हिंसा के चलते 16,000 से ज्यादा सुरक्षा कर्मियों और नागरिकों ने जान गंवाई हैं । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के कड़े निर्णयों की वजह से वामपंथी उग्रवाद का प्रभाव आज बहुत सीमित हो चुका है और लड़ाई अब अंतिम दौर में पहुँच चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी की राजनैतिक प्रतिबद्धता और सुरक्षाबलों द्वारा लंबे और चुनौतीपूर्ण अभियानों ने नक्सलवाद की रीढ़ को अब तोड़ दिया है और उसे ऐसे मोड़ परला खड़ा किया है जहाँ से वापसी लगभग असंभव है। आदिवासियों के हक की बातें करने वाले तथाकथित गैर सरकारी संगठन एवं विदेशी वित्तीय सहायता से पनप रहे कुछ अर्बन नक्सलियों एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा का दंभ भरने वाले कई संगठन भी नक्सल पीड़ित क्षेत्रों में दोहरा चरित्र प्रदर्शित करते हैं। विडम्बना यह है कि उग्रवादियों ने जल, जंगल और जमीन की लड़ाई की आड़ में विकास कार्यों का अवरोध किया और स्कूल, अस्पताल एवं सड़कों के निर्माण होने से रोका है। दशकों से कांग्रेस सरकार की वामपंथियों के प्रति सहानुभूति, जिसकी वजह से उपजी विफलता और शोषण के फलस्वरूप ही इतने वर्षों तक आदिवासी समुदाय को वामपंथी उग्रवाद दिग्भ्रमित करने में सफल होता रहा है। प्रभावित दूरस्थ अंचलों तक सुशासन की पहुँच ने आज जनता के दिल में सरकार के प्रति विश्वास का सेतु निर्माण किया है। वामपंथी उग्रवाद ऐतिहासिक रूप से ऐसे क्षेत्रों में पनपा जहां पर गरीबी ने अपनी जड़ें जमा रखी थी। उनके विचार से प्रभावित समूहों ने गरीबी से प्रभावित लोगों की असंतुष्टि को खाद पानी के रूप में इस्तेमाल करके यहां पर उग्रवाद के बीज बोए थे। इन समूहों को स्थानीय समर्थन मिलने की वजह से सुरक्षा संस्थाओं को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था। परन्तु 2014 के बाद स्थिति बदली। मोदी सरकारकी गरीब कल्याण की योजनाओं का प्रसार इन क्षेत्रों में भी हुआ और लोगों को यह विश्वास हुआ की सरकार ही उनकी सच्ची हितैषी है, न कि उग्रवादी! विकास से जन भागीदारी के तहत केंद्रीय गृह मंत्रालय ने प्रभावित क्षेत्रों में गरीब कल्याण और विकास के लिए योजनाओं पर अतिरिक्त जोर देकर सुरक्षा एजेंसियों के प्रयासों में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की है। आत्मनिर्भर नए भारत में विकास और शांति के सन्देश के साथ गृह मंत्रालय ने वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए तीन आयामी रणनीति बनाई। "बेहतर रणनीति से उग्रवादियों पर लगाम", "बेहतर केंद्र-राज्य समन्वय" और "विकास से जन भागीदारी"। इस तीन आयामी रणनीति से वामपंथी उग्रवाद पर लगाम कसने में ऐतिहासिक सफलता मिली है जो कि आंकड़ों से परिलक्षित होती है। पिछले 35 वर्षों में वामपंथी उग्रवाद से सबसे कम हिंसक घटनाएँ और 40 वर्षों में सबसे कम मृत्यु इस वर्ष रिपोर्ट की गई। इन अभियानों में छत्तीसगढ़ पुलिस, सीआरपीएफ, कोबरा, बीएसएफ और अन्य बलों ने निर्भीकता, सामरिक बुद्धिमत्ता और निरंतर कार्रवाई से यह साबित किया कि लोकतंत्र पर उठने वाली किसी भी बंदूक को शांत किया जा सकता है बशर्ते राजनीतिक इच्छाशक्ति ठोस और स्पष्ट हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी नीति, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ प्रतिबद्धता, आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा के स्थानीय स्तर पर प्रभावी नेतृत्व ने इस सफलता को संभव बनाया। केंद्र और राज्य के बीच ऐसा तालमेल शायद इससे पहले कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में देखने को नहीं मिला था। इस अभियान की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि नक्सलियों के शीर्ष नेतृत्व का समाप्त होना है। हिड़मा जिसे नक्सलियों का सबसे कुख्यात, सबसे क्रूर और सबसे रणनीतिक मास्टरमाइंड माना जाता था, अब इतिहास का हिस्सा है। हिड़मा की मौत सिर्फ एक व्यक्ति का अंत नहीं, बल्कि नक्सली आतंक के उस मनोवैज्ञानिक तंत्र का पतन है जो दशकों तक आदिवासी क्षेत्रों में भय का शासन चलाता रहा। नक्सलियों के सबसे मजबूत हथियारबंद संगठन पीएलजीए बटालियन, सीआरसी कंपनी और दक्षिणी कमेटियों का एक-एक कर धराशायी होना इस बात का ठोस प्रमाण है कि उनके कमांड – एंड - कंट्रोल की पूरी संरचना ढह चुकी है। नक्सल आंदोलन के सबसे ऊपरी स्तर पर बैठे लगभग सभी प्रमुख चेहरे या तो मारे जा चुके हैं, या सुरक्षा बलों के सामने हथियार डाल चुके हैं। कई क्षेत्रीय कमांडर, डीवीसी सदस्य और तकनीकी विंग के विशेषज्ञों ने भी आत्मसमर्पण का रास्ता चुना है। नक्सलियों की महिला कैडर तक के बड़े समूहों ने सुरक्षा बलों के दबाव में और जीवन की कठोर परिस्थितियों से तंग आकर शरण ली है।

-लेखक एमपीए, कोलंबिया यूनिवर्सिटी में है

संकर सहज स्वरूप सम्हारा

संकलित

दर्शन

श्रीरामचरितमानस में भगवान शंकर भक्ति के दाता भी माने गए हैं और भक्ति के भिक्षुक भी। शिव भक्ति देते भी हैं और मांगते भी हैं। भगवान शंकर में नवभक्ति का दर्शन होता है। उनमें अष्टांग योग का, ज्ञान की सातों भूमिकाओं का और धर्म के दसों लक्षणों का दर्शन भी होता है। लंका कांड में गोस्वामी जी ने जो धर्मरथ का वर्णन किया है। उसमें जितने धर्म के सूत्र बताए हैं, वे सभी महादेव में प्रस्थापित होते हैं। शिव भक्ति स्वरूप हैं। शिव का बाहरी रूप तो 'कुंडल कंकन पहिरे ब्याला' वाला है, लेकिन आंतरिक स्वरूप भजन है, भक्ति है। मानस में है- 'संकर सहज स्वरूप सम्हारा'। सहज स्वरूप का अनुसंधान शिव ने किया। उनकी जो सहज प्रवृत्ति है, वह भजन है। भगवान भी कहते हैं कि 'संकर भजन बिना नर भगति न पावइ मोरि'। शंकर की भक्ति जो करेगा, वही मेरी भक्ति पाएगा अथवा शंकर का जो सहज भजन स्वरूप है, उसे आत्मसात करेगा, वह मेरी भक्ति पाएगा। शबरी के सामने गाई गई नौ प्रकार की भक्ति में गोस्वामी जी ने पहली भक्ति संत का संग बताई है- 'प्रथम भगति संतन्ह कर संगा'। आप महेश का चरित्र देखिए। जैसे ही अवसर मिला, वे साधु-संतों का संग करते दिखाई देते हैं। पार्वती के विरह में संतों का संग करते थे। महादेव सत्संग के प्यासे हैं। दूसरी भक्ति है कथा श्रवण। कथा में जहां जगह मिले, वहां बैठकर कथा के प्रसंगों का रस उठाना। शिव कहते हैं, पार्वती, मैं काकभुशुंडि जी के आश्रम में हंस बनकर पीछे बैठ गया था। कथा श्रवण में इतनी रुचि, यह दूसरी भक्ति शिव में है।

ईश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है

संकलित

प्रेरणा

एक बार स्वामी विवेकानद जी अपने आश्रम में एक छोटे पालतू कुत्ते के साथ टहल रहे थे। तभी अचानक एक युवक उनके आश्रम में आया और उनके पैरों में झुक गया और कहने लगा- स्वामीजी मैं अपनी जिंदगी से बड़ा परेशान हूँ। मैं प्रतिदिन पुरुषार्थ करता हूँ लेकिन आज तक मैं सफलता प्राप्त नहीं कर पाया। पता नहीं ईश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है, जो इतना पढ़ा-लिखा होने के बावजूद भी मैं नाकामयाब हूँ। युवक की परेशानी को स्वामीजी ने तुरंत समझ लिया। उन्होंने युवक से कहा- भाई! थोड़ा मेरे इस कुत्ते को कहीं दूर तक सैर करा दो। उसके बाद मैं तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर दूंगा। उनकी इस बात पर युवक को थोड़ा अजीब लगा लेकिन दोबारा उसने कोई प्रश्न नहीं किया और कुत्ते को दौड़ाते हुए आगे निकल पड़ा। कुत्ते को सैर कराने के बाद, जब वह युवक आश्रम में पहुंचा तो यह देखा कि युवक का चेहरा तेज है लेकिन उसका छोटा कुत्ता थक के जोर-जोर से हांफ रहा था। स्वामीजी ने पूछा- भाई, मेरा कुत्ता इतना कैसे थक गया? तुम तो बड़े शांत दिख रहे हो। क्या तुम्हें थकावट नहीं हुई? युवक ने कहा- स्वामीजी, मैं धीरे-धीरे आराम से चल रहा था, लेकिन मेरा कुत्ता अशांत था। सभी जानवरों के पीछे दौड़ता था, इसीलिए बहुत थक गया था। तब विवेकानंद ने कहा- भाई, तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर तो यही है! तुम्हारा लक्ष्य तुम्हारे आसपास है, लेकिन तुम उससे दूर चलते हो। अन्य लोगों के पीछे दौड़ते रहते हो और तुम जो चाहते हो वह दूर हो जाता है। युवक ने विवेकानंद के उत्तर से संतुष्ट होकर अपनी गलती को सुधारने का निर्णय लिया। अतः अपने लक्ष्य पर ध्यान रखो और भटकाने वाली सोच से दूरी बनाओ।

अंतर्मन

आज की पाती

पाकिस्तान ने किया धर्मध्वजा का विरोध

भारत की धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराएँ सदियों पुरानी हैं। यहां विविधता, सहिष्णुता और संविधानिक सुरक्षा ने हर धर्म, हर संप्रदाय को फलने-फूलने का अवसर दिया है। इसके उलट, पाकिस्तान की राजनीति अक्सर धार्मिक ध्रुवीकरण,अल्पसंख्यकों के दमन और भारत-विरोध पर आधारित रही है। हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत में मुस्लिम विरासत मिटाने और बाबरी मस्जिद की जगह मंदिर निर्माण के नाम पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को घेरने का प्रयास किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में दखल की धमकी भी दे दी। परंतु, क्या पाकिस्तान अपनी दायर की गई इस शिकायत में नैतिक रूप से खड़ा हो सकता है? क्या वह स्वयं अपने देश में हुए अल्पसंख्यक उत्पीड़न की भयावह सच्चाई से आँख मिला सकता है?

- कांतिलाल मांडोत, सूरत

ट्रेंड

श्रद्धांजलि

संविधान दिवस पर हम अपने संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनकी दूरदर्शिता हमें एक विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करती रहती है। हमारा संविधान गरिमा, समानता और स्वतंत्रता को सर्वोच्च महत्व देता है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

विश्वास स्थापित

भारत भाषाओं, संस्कृतियों, परम्पराओं तथा मान्यताओं से भरा एक विस्तृत संसार है। संविधान ने इन सभी विविध धाराओं को एक सूत्र में पिरोकर हमें एकजुट करने का अद्भुत कार्य किया है। यही संविधान हमें 'हम भारत के लोग' के रूप में जोड़ता है और विश्वास स्थापित करता है।

- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री

विस्तार से चर्चा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में कृषि, बागवानी क्षेत्र में पतंजलि द्वारा किए जा रहे कार्यों के संबंध में व्यापक चर्चा हुई। उन्होंने जेवर फूड पार्क को विस्तार देने पर चर्चा की।

- आचार्य बालकृष्ण, आयुर्वेदाचार्य

हर नागरिक से वादा

भारत का संविधान सिर्फ एक किताब नहीं, यह देश के हर नागरिक से किया गया एक वादा है। वादा कि चाहे कोई किसी भी धर्म या जाति का हो, किसी भी क्षेत्र से आता हो, कोई भी भाषा बोलता हो, गरीब हो या अमीर, उसे समानता, सम्मान और न्याय मिलेगा।

- राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

करंट अफेयर

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति की जेल की सजा शुरू

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने मंगलवार से 27 साल की जेल की सजा काटना शुरू कर दिया। बोल्सोनारो को 2022 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश का दोषी पाया गया था। इस मामले पर सुनवाई कर रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जांद्रे दे मोरेस ने आदेश दिया कि बोल्सोनारो को उसी संघीय पुलिस मुख्यालय में रखा जाएगा, जहां वह देश छोड़कर भागने की आशंका के कारण गिरफ्तार किए जाने के बाद से थे। इससे पहले बोल्सोनारो (70) अगस्त से नज़रबंद थे। पूर्व राष्ट्रपति और उनके कई सहयोगियों को तख्ता पलट की साजिश, राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा और उपराष्ट्रपति की हत्या की योजना बनाने और 2023 में भड़के विद्रोह में उनकी भूमिका के लिए दोषी ठहराया गया। उन्हें सशस्त्र अपराधी संगठन का नेतृत्व करने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को हिंसक रूप से समाप्त करने के आरोपों में भी दोषी पाया गया। दो अन्य दोषियों में ऑगस्तो हेलेनो और पाउलो सेरजियो नोघेइरा को सैन्य केंद्र में भेजा गया। पूर्व गृह मंत्री एंडरसन टोरेस को ब्रासीलिया की पापूडा जेल में रखा गया है।

ऑफ बीट

अलार्म पर स्नूज दबाने से ज्यादा थकान नहीं होती

हमारे अध्ययन में पाया गया कि झपकी लेने के बाद, प्रतिभागियों ने उठने के तुरंत बाद कई संज्ञानात्मक परीक्षणों पर वास्तव में थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया। इस आशय की सबसे संभावित व्याख्या यह है कि जब प्रतिभागी झपकी लेने के बाद उठे उन्हें अधिक धीरे-धीरे जागने का मौका मिला। इससे नींद की जड़ता को कुछ हद तक दूर करने में मदद मिली होगी। यह वह मानसिक कोहरे की स्थिति होती है, जिसका कई लोग सुबह के समय अनुभव करते हैं। जागने के तुरंत बाद प्रतिभागियों में देखे गए कोर्टिसोल के स्तर में छोटे अंतर से अधिक धीरे-धीरे जागने का प्रमाण मिल सकता है - जब प्रतिभागी झपकी ले सकते हैं तो स्तर अधिक होता है। पिछले शोध ने सुझाव दिया है कि एक मजबूत कोर्टिसोल जागृति प्रतिक्रिया - जागने के बाद होने वाली कोर्टिसोल में तेज वृद्धि - नींद की जड़ता में कमी से संबंधित है। इसके अलावा, चूंकि झपकी लेने वाले प्रतिभागी दोबारा गहरी नींद में नहीं सोए, इससे उनके नींद से जागने की संभावना पर और असर पड़ा होगा। कई अध्ययनों से पता चलता है कि गहरी नींद की तुलना में हल्की नींद से जागना आसान होता है। हालाँकि ये निष्कर्ष उन लोगों के लिए राहत के रूप में आ सकते हैं जो उठने से पहले बार-बार झपकी लेते हैं, लेकिन हमारे शोध का मतलब यह नहीं है कि जागने का यह तरीका हर किसी के लिए इष्टतम है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-42422221 पर या सीधे मेल से **aapkepatra.haribhoomi@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

कर्नाटक में सीएम कुर्सी पर घमासान, खड़गे बोले- आलाकमान लेगा फैसला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कर्नाटक में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर घमासान मचा हुआ है। वर्तमान मुख्यमंत्री तो सिद्धारमैया हैं लेकिन डीके शिवाकुमार खेमा अपने नेता को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहा है। पिछले कई दिनों से दोनों खेमे के विधायक दिल्ली पहुंच रहे हैं और हाई कमान से अपनी बात कह रहे हैं।

अब इस मामले पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान सामने आया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष की बात स्वीकार करते हुए कहा कि पार्टी आलाकमान सोनिया गांधी और राहुल गांधी इस संकट को सुलझाने के लिए कोई न कोई फ़ैसला लेंगे। खड़गे ने कहा, 'आलाकमान (मैं, राहुल जी और सोनिया जी) मिलकर इस मुद्दे पर फ़ैसला लेंगे और इसे सुलझाएंगे।'

सिर्फ़ एक गुट है और वो कांग्रेस गुट- शिवकुमार

इस बीच उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया और दोहराया कि कांग्रेस के भीतर कोई भ्रम नहीं है। उन्होंने कहा, 'कोई भ्रम नहीं है। किसी को कुछ भी मांगना नहीं चाहिए। कोई गुट नहीं है। सिर्फ़ एक गुट है – कांग्रेस गुट। हमारा गुट 140 विधायकों का है।' 20 नवंबर को कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच शीर्ष पद के लिए रस्साकशी तेज हो गई है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने स्वीकारी सत्ता संघर्ष की बात

सिद्धारमैया और शिवकुमार को लेकर 'ढाई साल वाली डील' की चर्चा

मीडिया में चर्चा : *प्रियांक खड़गे ने कहा, 'मीडिया में चर्चा चल रही है। अगर राहुल गांधी से नहीं, तो क्या मैं मोहन भागवत (आरएसएस प्रमुख) से मिलूंगा? क्या मैं अपनी बैठक की जानकारी मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को दिए बिना केशव कृपा (आरएसएस राज्य मुख्यालय) को रिपोर्ट करूंगा? राहुल गांधी को बेंगलुरु टेक समिट के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन वे नहीं आ सके।'*

शिवकुमार के करीबी विधायकों का दिल्ली डेरा

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार शिवकुमार के करीबी माने जाने वाले छह विधायक केंद्रीय नेताओं से चर्चा के लिए दिल्ली पहुंचे और विधायकों के आने की उम्मीद है। पिछले हफ़्ते लगभग दस विधायकों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी मुलाकात की थी।

'हम पांच-छह लोगों के बीच एक गुप्त समझौता हुआ था'

शिवकुमार अभी कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने मंगलवार को कहा कि वह इस मामले पर सार्वजनिक रूप से बात नहीं करना चाहते क्योंकि पार्टी में हम पांच-छह लोगों के बीच एक गुप्त समझौता हुआ था और उन्हें अपनी अंतरात्मा की आवाज पर विश्वास है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता। मैंने खुद को मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं कहा है। मैं किसी भी तरह से पार्टी को शर्मिंदा नहीं करना चाहता और न ही उसे कमजोर करना चाहता हूं। अगर पार्टी है, तो हम हैं। अगर कार्यकर्ता हैं, तो हम भी हैं।' इससे पहले अपने गृह क्षेत्र कनकपुरा में पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा था, 'मुख्यमंत्री ने अपनी बात कह दी है। वह एक वरिष्ठ नेता हैं। वह पार्टी के लिए एक अनमोल रत्न हैं।

खबर संक्षेप

सोशल मीडिया पर इमरान खान की मौत की अफवाह

इस्लामाबाद। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री व क्रिकेटर इमरान खान की मौत की अफवाहें (खबरें) चल रही हैं। कुछ पोस्ट में दावा किया गया कि उन्हें किसी दूसरी जगह ले जाया गया है। इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई हैं। पाकिस्तान की अडियाला जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से उनकी बहनें मुलाकात नहीं कर पा रही हैं। मंगलवार रात वे इमरान के समर्थकों के साथ जेल के बाहर धरने पर बैठ गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण विरोध के दौरान पंजाब पुलिस ने अंधेरा कर उन पर लाठीचार्ज किया।

2 करोड़ से ज्यादा आधार नंबर किए गए डीएक्टिवेट

नई दिल्ली। देश के आधार डेटाबेस को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के मिशन के तहत भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने 2 करोड़ से अधिक मृत व्यक्तियों के आधार नंबर निष्क्रिय कर दिए हैं। सरकार ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह राष्ट्रव्यापी डेटा-क्लीनिंग अभियान पहचान धोखाधड़ी रोकने और मृत लोगों के दस्तावेजों के दुरुपयोग को समाप्त करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। यूआईडीएआई ने यह कार्रवाई मौत के बाद भी सक्रिय रह गए आधार नंबरों की पहचान करने के लिए की। इसके लिए आधार रिकॉर्ड को पंजीयक जनरल ऑफ इंडिया, राज्यों के रजिस्ट्रार, केंद्रीय मंत्रालयों और अन्य आधिकारिक डेटाबेस से मिले मृत्यु पंजीकरण रिकॉर्ड से मिलाया गया। प्राधिकरण का कहना है कि हर केस में सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आधार निष्क्रिय किया जाता है।

'बीजेपी समर्थित उम्मीदवार चुनें, तुरंत 10 लाख पाएंह

हैदराबाद। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने मंगलवार को एक एक्स पर सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि तेलंगाना के करीमनगर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों को, अगर वे ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनावों में बीजेपी उम्मीदवारों को चुनते हैं तो उनके एमपीएलएडी फंड से हर एक को 10 लाख रुपये आवंटित किए जाएंगे। आपका गांव करीमनगर संसदीय क्षेत्र में सर्वसम्मति से बीजेपी समर्थित सरपंच चुनता है, तो मैं उस गांव के विकास के लिए सीधे 10 लाख का फंड दूंगा, बिना किसी बहाने के।' बता दें, तेलंगाना के ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनाव 11, 14 और 17 दिसंबर को तीन फेज में होंगे। इस पोस्ट के बाद केंद्रीय मंत्री पर बीआरएस और कांग्रेस ने हमला बोला है और केंद्रीय मंत्री पर चुनाव कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

राजधानी नई दिल्ली में राष्ट्रपति की अध्यक्षता में हुआ विशेष कार्यक्रम

संविधान दिवस पर 9 भाषाओं में संविधान के अनुवाद का लोकार्पण

उपराष्ट्रपति, स्पीकर सहित पक्ष, विपक्ष के सभी प्रमुख नेताओं ने की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश में बुधवार को 76वां संविधान दिवस मनाया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में खास कार्यक्रम आयोजित हुआ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की अध्यक्षता में सुबह 11 बजे हुए इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, पीएम नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, तमाम केंद्रीय मंत्री समेत राज्यसभा एलओपी मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और दोनों सदनों के सांसद शिरकत की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू प्रस्तावना पढ़कर इस कार्यक्रम की अगुवाई करेंगी। इस मौके पर राष्ट्रपति ने मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, ओडिया और असमिया सहित नौ भाषाओं में संविधान का अनुवादित संस्करण जारी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'आज के दिन 26 नवंबर 1949 में संविधान सभा के सदस्यों ने भारत संविधान के निर्माण का कार्य संपन्न किया था। आज के दिन उस पर हम भारत के लोगों ने अपने संविधान को अपनाया था। बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर हमारे संविधान के प्रमुख निर्माता में से थे। बाबा साहब के 125 वीं जयंती के वर्ष में यानी 26 नवंबर 2015 में प्रतिवर्ष संविधान दिवस के रूप में मनाना सार्थक निर्णय है।

'हमारा संविधान समझ और अनुभव से बना'

संविधान दिवस पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा, 'हमारे संविधान का ड्राफ्ट, बहस और उसे भारत माता के हमारे महान नेताओं ने संविधान सभा में अपनाया। ये आजादी के लिए लड़ने वाले हमारे लाखों देशवासियों की मिली-जुली समझ, त्याग और सपनों को दिखाता है। अपने संबोधन में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा डॉ. अंबेडकर के अद्भुत ज्ञान, वेग, दूरदृष्टि और अथक परिश्रम से ऐसा महान संविधान मिला है जो हमें न्याय, समानता, हर नागरिक के सम्मान और गरिमा की गारंटी देता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को लिखा पत्र

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस के अवसर पर देशवासियों को पत्र लिखा है। उन्होंने 1949 में संविधान के ऐतिहासिक अंगीकरण को याद करते हुए इसकी राष्ट्र की प्रगति में मार्गदर्शक भूमिका को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि साल 2015 में सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित किया था, जिससे इस पवित्र दस्तावेज का सम्मान किया जा सके। प्रधानमंत्री ने लिखा कि कैसे संविधान ने सामान्य पृष्ठभूमि के लोगों को देश की सर्वोच्च सेवाओं में योगदान करने का सामर्थ्य दिया है। उन्होंने स्वयं संसद और संविधान के प्रति श्रद्धा के अपने अनुभव साझा किए- 2014 में संसद की सीढ़ियों पर नमन करना और 2019 में संविधान को अपने माथे पर रखना, ये सब उनकी श्रद्धा का प्रतीक रहा।

वीआईटी कॉलेज में खराब खाने पर बवाल, कैंपस में जमकर की तोड़फोड़

छात्रों ने बस-कारें फूंकीं, सीहोर में पैरामिलिट्री फोर्स तैनात

एजेंसी ▶▶| भोपाल

मध्य प्रदेश में सीहोर स्थित वीआईटी यूनिवर्सिटी में छात्रों का प्रदर्शन बेहद उग्र हो गया है। हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी स्टूडेंट्स तोड़फोड़ और आगजनी पर उतारू हो गए हैं। उन्होंने दर्जनों बस और कारें फूंक दी है। यूनिवर्सिटी परिसर में जमकर तोड़फोड़ की गई है। छात्रों का आरोप है कि कैंपस में उन्हें घटिया पानी और खराब भोजन दिया जा रहा है, जिसके कारण कई छात्र पीलिया का शिकार हुए हैं। मारपीट की घटना के बाद मंगलवार रात 4 हजार छात्रों ने यूनिवर्सिटी कैंपस में बस और कारों में आग लगा दी। हालात बिगड़ने पर 5 थानों से पुलिस बल बुलाना पड़ा। हालांकि, यूनिवर्सिटी में छात्रों का उग्र प्रदर्शन बुधवार को भी जारी है। यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग में कुछ छात्रों ने सुबह फिर आग लगा दी। हालात बिगड़ते देख कैंपस में पैरामिलिट्री फोर्स तैनात की गई है।

रजिस्ट्रार ने कहा- दावे निराधार

इधर, वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार केके नायर ने वीडियो जारी कर कहा कि विश्वविद्यालय में पीलिया (जॉन्डिस) से मौतों की अफवाहें पूरी तरह निराधार और गलत हैं। किसी भी छात्र की मौत नहीं हुई है।

बीमारी के चलते कई छात्रों की मौत

बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं सामान लेकर यूनिवर्सिटी छोड़कर जा भी रहे हैं। छात्रों का दावा है कि बीमारी के चलते छात्रों की मौत भी हुई है। लगभग 100 छात्र आष्टा, सीहोर और भोपाल के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती बताए जा रहे हैं। जब छात्रों ने विरोध दर्ज कराया, तो कथित तौर पर हॉस्टल गार्ड और वार्डन ने उनके साथ मारपीट की। इसका वीडियो भी सामने आया है।

सरकार ने भेजा नोटिस

लालू परिवार को खाली करना होगा 10 सर्कुलर वाला राबड़ी आवास

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार की राजधानी पटना में 10 सर्कुलर रोड पर स्थित राबड़ी आवास सालों से लालू परिवार का ठिकाना हुआ करता था। लेकिन अब लालू परिवार को यह सरकारी आवास खाली करना होगा। बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग ने लालू परिवार को राबड़ी आवास खाली करने का नोटिस भेजा है।

दरअसल भवन निर्माण विभाग ने बिहार के मंत्रियों और बिहार विधान परिषद के नेता को उनका आवास आवंटित किया है। इसी आवंटन में राबड़ी आवास को अब नया आवास दिया गया है। ऐसे में लालू परिवार को अब 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास को खाली करना होगा।

हार्डिंग रोड पर होगा नया ठिकाना

दरअसल बिहार में नई सरकार गठित होने के बाद भवन निर्माण विभाग ने राज्य के मंत्रियों के साथ-साथ बिहार विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी के लिए आवास का आवंटन किया है। इसी के तहत राबड़ी देवी को केन्द्रीय पुल आवास संख्या-39, हार्डिंग रोड दिया गया है। अब तक 10 सर्कुलर वाले जिस घर में राबड़ी देवी और उनका परिवार रहा करता था, उसे अब लालू परिवार को खाली करना होगा।

2006 से रह रहे हैं यहां पर

भवन निर्माण विभाग के संयुक्त सचिव-सह-भू-सम्पदा पदाधिकारी शिव रंजन ने यह लेटर निकाला है। राबड़ी आवास 2006 से लालू परिवार का ठिकाना हुआ करता था। जो अब बदल जाएगा। भवन निर्माण विभाग में यह आदेश जारी किया है और राबड़ी देवी और तेजश्वी यादव का आवास बदल दिया है।

'संबंधों के लिए मददगार नहीं होगा चीन का अरुणाचल की महिला को प्रताड़ित करना'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल मीडिया ब्रीफिंग में बोले

भारत-चीन के बीच करीब पांच साल बाद पूरी तरह से खत्म हुए एलएसी विवाद के बीच बीते दिनों अरुणाचल-प्रदेश में जन्मी एक भारतीय महिला प्रेमा वांगजॉम थोंगडोक की ब्रिटेन से जापान की यात्रा के दौरान शंघाई हवाईअड्डे पर उनके पासपोर्ट को अवैध बताकर प्रताड़ित करने के मामले की देश-दुनिया में भारी गूंज सुनाई दी।

भारत ने इस पर चीन के समक्ष नाराजगी के साथ कड़ी आपत्ति जताई। जिस पर गंभीरता दिखाने की बजाय चीन ने तुरंत पलटी मार ली। लेकिन मामला यही खत्म नहीं हुआ, बुधवार को इससे जुड़े कई प्रश्न यहां नई दिल्ली में हुई साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में पत्रकारों द्वारा पूछे गए। जिसके जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ शब्दों के साथ चीन को ये बता दिया कि भारत के पूर्वोत्तरी क्षेत्र के एक राज्य अरुणाचल प्रदेश की भारतीय महिला को यूं प्रताड़ित करना द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से मददगार साबित नहीं होगा। यह राज्य भारत का अभिन्न और अपरिहार्य अंग है। जिसे लेकर जमीनी स्तर पर बनी हुई सच्चाई को चीन के किसी भी कदम द्वारा बदला नहीं जा सकता है। चीन को भी इस बारे में भली भांति पता होना चाहिए। यहां बता दें कि प्रेमा बीते 21 नवंबर को लंदन से जापान की यात्रा पर थीं।

सीमाई शांति से होगा संबंधों का विकास

रणधीर ने ये भी कहा कि चीन की इस मनमानी हरकत के लिए हमने मामले को नई दिल्ली और बीजिंग में मौजूद चीन के दूतावासों के समक्ष सख्ती के साथ उठाते हुए अपना विरोध दर्ज कराया है। उनका इस तरह का बर्ताव पूरी तरह से गलत है। भारत और चीन के द्विपक्षीय रिश्तों के लगातार और व्यापक विकास के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सुकून को बनाए रखना जरूरी है। इस संबंध में हमेशा से हमारी राय बिलकुल साफ और एक जैसी रही है। पिछले साल अक्टूबर महीने के बाद से संबंधों की बहाली के लिए दोनों पक्षों ने काम भी किया है और इसी आधार पर हमारे संबंधों में एक स्थिरता आने के साथ ही तरक्की भी हुई है। शंघाई हवाई अड्डे का मामला चीन की मनमानी हरकत था। जो संबंधों को सामान्य बनाने में मददगार नहीं है। उन्होंने ये भी साफ किया कि दोनों देशों के बीच पहले से ही पर्यटक और बिजनेस वीजा जारी किए जा रहे हैं।

मानवाधिकार आयोग ने लिया एक्शन

ट्रेनों में 'केवल हलाल मांस' रेलवे को नोटिस हुआ जारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ट्रेनों परोसे जाने वाले नॉनवेज में हलाल प्रमाणित मांस को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने नाराजगी जताई है। आयोग ने इस मामले को लेकर भारतीय रेलवे बोर्ड को नोटिस भी जारी किया है। आयोग ने कहा है कि हलाल मांस की वजह से हिंदू समुदायों के अनुसूचित जाति और मांस व्यापार में लगे अन्य गैर-मुस्लिम समुदायों की आजीविका प्रभावित होती है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो की अध्यक्षता वाली कमेटी ने भारतीय रेलवे बोर्ड को नोटिस दिया है। पीठ ने कहा है कि केवल हलाल मांस का उपयोग करने की प्रथा प्रथम दृष्टया से ही मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

हलाल मांस से बढ़ता है भेदभाव

रेलवे में परोसे जाने वाले हलाल मांस को लेकर आयोग को एक शिकायत मिली थी। जिसके आधार पर आयोग ने रेलवे बोर्ड को नोटिस जारी किया है। शिकायत में कहा गया कि रेलवे द्वारा हलाल मांस के उपयोग से विशेष रूप से अनुसूचित जाति के खिलाफ अनुचित भेदभाव पैदा करता है, जो पारंपरिक रूप से मांस व्यापार में काम करते हैं। शिकायत करने वाले की ओर से यह भी तर्क दिया गया कि हलाल मांस होने की वजह से हिंदू और सिख समुदाय के यात्रियों को उनकी धार्मिक भावनाओं के हिसाब से नॉनवेज नहीं मिलता।

पूर्व चीफ जस्टिस गवई ने इंटरव्यू में बेबाकी से बात की

न्यायिक सक्रियता न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलनी चाहिए

न्यायिक सक्रियता से दहशत गलत, बुलडोजर और सियासी दबाव पर भी दिए जवाब

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सेवानिवृत्ति न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने बुधवार को एक इंटरव्यू में कई अहम सवालों पर बेबाकी से बात की। उन्होंने कहा, न्यायिक सक्रियता न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलनी चाहिए। अंततः हमारा संविधान विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों के संतुलन और अलग-अलग कार्यक्षेत्र पर यकीन रखता है।

संविधान में शक्ति संतुलित

न्यायिक सक्रियता से डर फैलना गलत

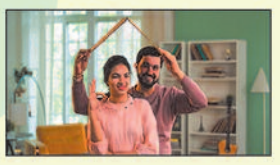

जस्टिस गवई ने इंटरव्यू में कई अहम सवालों पर बेबाकी से बात की। उन्होंने कहा कि न्यायिक सक्रियता न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलनी चाहिए। देश के नागरिकों को देश की न्यायिक प्रक्रिया और सक्रियता से डर नहीं फैलना चाहिए। यह गलत है।

कभी भी एग्जीक्यूटिव या पॉलिटिकल नेताओं का दबाव नहीं पड़ा

सीजेआई गवई ने कहा कि उन पर कभी भी एग्जीक्यूटिव या पॉलिटिकल नेताओं का दबाव नहीं पड़ा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जजों की नियुक्ति का कॉलेजियम सिस्टम ट्रांसपेरेंट है, और यह आरोप कि यह ओपेक है, सही नहीं हैं।

नागरिकों को आर्थिक और सामाजिक न्याय मिले

न्यायिक एक्टिविज्म पर पूर्व चीफ जस्टिस ने ये भी साफ किया कि कई मौकों पर, नागरिक अपनी सामाजिक-आर्थिक बाधाओं के कारण, अपनी शिकायतों के निवारण और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सीधे अदालत का दरवाजा खटखटाने की स्थिति में नहीं होते। ऐसी स्थिति में, अगर किसी व्यक्ति को न्यायपालिका अदालत का दरवाजा खटखटाने की अनुमति देती है तो ये गलत नहीं है।

जूता फेंकने की घटना पर कहा

संस्कारों का असर, कार्रवाई की जरूरत नहीं समझी

जस्टिस गवई नेजूता फेंकने की घटना पर कहा कि उस समय उन्होंने आरोपित वकील के खिलाफ कोई कार्रवाई न करने का फैसला अपनी परवरिश और मूल्यों के चलते लिया। गवई ने कहा कि शायद यह मेरे संस्कारों का असर है। जब कोर्ट में यह घटना हुई, तब मुझे यह भी नहीं पता था कि इसका संबंध मेरे कोर्ट में दिए गए किसी कथित बयान या टिप्पणी से बताया जा रहा है। लेकिन मुझे लगा कि मामले की सुनवाई आगे बढ़ाना चाहिए।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

अंचल : रायपुर
क्षेत्र : रायपुर / अम्बिकापुर / भुवनेश्वर / संबलपुर

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, दिनांक 28 नवंबर -2025, समय 11.00 बजे को
रिटेल ऋण आउटरीच कार्यक्रम के लिए आपको सादर आमंत्रित करता है

घर से लेकर बेहतर गाड़ी लेने के सपनों के लिए सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया प्रत्येक ग्राहक को सरल, सस्ते और आवश्यकता अनुसार रिटेल ऋण समाधान प्रदान करता है।

सेन्ट गृह लक्ष्मी होम लोन
- ब्याज दर 7.35%* से शुरू
- महिला का स्वामित्व / संयुक्त स्वामित्व होना आवश्यक
- शून्य प्रसंस्करण शुल्क*
- ऋण अवधि अधिकतम 30 वर्ष

सेन्ट होम लोन
- ब्याज दर 7.45%* से शुरू
- ऋण अवधि अधिकतम 30 वर्ष
- शून्य प्रसंस्करण शुल्क*
- पूर्ण भुगतान पर कोई दण्ड नहीं

सेन्ट व्हीकल लोन
- ब्याज दर 7.85%* से शुरू
- ऋण राशि अधिकतम ₹2 करोड़
- पुनर्भुगतान के सरल विकल्प
- शून्य प्रसंस्करण शुल्क*

सेन्ट गोल्ड लोन स्कीम
- ब्याज दर 7.00% – 7.90%* शुरू
- शून्य प्रसंस्करण शुल्क*
- ऋण राशि अधिकतम ₹40 लाख

सभी रिटेल आवश्यकताओं के लिए सरल व सस्ती ऋण सुविधाएं प्राप्त करें।
अधिक जानकारी के लिए, कृपया अपनी निकटतम शाखा / क्षेत्रीय कार्यालय/आंचलिक कार्यालय से संपर्क करें।

दिनांक 28.11.2025

स्थान :- टाऊन हॉल, कलेक्टोरेट, कचहरी चौक गार्डन के पास, रायपुर, छत्तीसगढ़

हमें मिस्ड कॉल दें : 922 390 1111 टोल फ्री नंबर: 1800 30 30 व्हाट्सएप नंबर : 7900 123 123
* नियम और शर्तें लागू
www.centralbank.bank.in

स्पर्श-ऊर्जा का अनोखा एहसास कराए वूल योगा

योगा करने से तन-मन को लाभ तो होता ही है। लेकिन इन सर्दियों में अगर उसे करते समय वूलेन ड्रेस पहनी जाए तो आपको स्पर्श संवेदना के साथ ऊर्जा का अनोखा एहसास भी होगा। वूल योगा युवाओं को क्यों भा रहा है और इससे किस तरह के फायदे हैं, जानिए।

योगा ट्रेंड

दिव्यज्योति 'नंदन'

नवंबर-दिसंबर की ठंडी सुबहें जब कांच-सी पारदर्शी धुंध में लिपटी होती हैं, तब योगाभ्यास करने से अधिकतर लोग कतराने लगते हैं। लेकिन इन दिनों कुछ ऐसे युवा भी हैं, जो गर्म अहसास बनाए रखने के लिए नए-नए तरीके खोज रहे हैं, उन्हीं में से एक है- 'वूल योगा' यानी ऊनी वस्त्रों के साथ योगाभ्यास की वह शैली, जो तन और मन दोनों को स्पर्श के रोमांच से जोड़ती है।

योग में स्पर्श का एहसासः आमतौर पर हम योगाभ्यास को श्वास, आसन तथा ध्यान से जोड़ते हैं। मगर योग का एक बहुत गहरा रिश्ता स्पर्शबोध से भी है। वूल योगा दरअसल, इसी भूले हुए आयाम को फिर से जीवित करता है। जब शरीर ऊनी वस्त्रों से लिपटा होता है, ऊनी शॉल, ऊनी मैट या ऊनी स्वेटर तब त्वचा केवल गर्म अनुभव नहीं करती, बल्कि एक अनुभव से भी गुजरती है। यह स्पर्श का अनुभव है, जो शरीर को गर्माइश से भर देता है। योगिक दृष्टि से देखा जाए, तो स्पर्श इंद्रिय यानी त्वचा, शरीर की ऊर्जा धाराओं से सीधे जुड़ी होती है। जब हम प्राकृतिक ऊन के रेशों से बने वस्त्र पहनकर ध्यान लगाते या योगाभ्यास करते हैं, तो वह न सिर्फ हमें ऊर्जा या गर्माइश देता है बल्कि प्राणिक ऊर्जा को भी स्थिर करता है।

शरीर-प्रकृति के बीच पुलः ऊन को हम सामान्यतः सिर्फ गर्म कपड़े के रूप में जानते हैं, लेकिन योगिक दृष्टिकोण से यह कपड़ा 'जीवित वस्त्र' है। हर रेशा एक सूक्ष्म ऊर्जा वाहक की तरह काम करता है। न बहुत ठंडा, न बहुत गर्म। दरअसल, ऊन शरीर और प्रकृति के बीच ऊर्जा का एक पुल बनाती है। यही वजह है कि आजकल कई योग प्रशिक्षक, युवाओं को सलाह देते हैं कि वे सर्दियों में ध्यान या प्राणायाम करते समय सिंथेटिक की जगह ऊन या खादी के वस्त्र पहनें। क्योंकि इन कपड़ों से हमारे शरीर की त्वचा सांस लेती है और ऊर्जा संतुलित रहती है। इससे ध्यान की अवधि स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है।

संवेदना को जगाएः आज के युवा फैशन को केवल दिखावे के रूप में नहीं लेते बल्कि व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के रूप में भी देखते हैं। वूल योगा इसी मानसिकता का नया विस्तार है। जहां ऊनी शॉल, जूट मैट, हस्त निर्मित जैकेट और मिट्टी के रंग वाले कपड़े सिर्फ पहनावा नहीं बल्कि आपकी संवेदना की बयानगी करते हैं। दरअसल, वूल योगा इसी सौंदर्यशास्त्र का विस्तार है, जहां फैशन ध्यान में घुल-मिल जाता है और ध्यान खुद फैशन बन जाता है।

मिलती है भीतरी गर्मीः वूल योगा का सबसे अनोखा पहलू यह है कि यह युवाओं को स्पर्श के रोमांच से जोड़ता है, जो रोमांच किसी शारीरिक उत्तेजना का नहीं बल्कि जीवंतता के एहसास का होता है। जब किसी ठंडी सुबह में आप ऊनी आसन पर बैठकर ध्यान लगाते हैं तो कपड़े का हर रेशा त्वचा को एहसास दिलाता है कि शरीर अभी सचेत और ऊर्जावान है। इस अनुभव में एक गहरी मनोवैज्ञानिक वास्तविकता होती है, क्योंकि आधुनिक डिजिटल युग में हम शरीर से भी दूर होते जा रहे हैं और स्क्रीन ने हमारी स्पर्श संवेदना को कुंद कर दिया है। वूल योगा इसी कुंद हो चुकी स्पर्श संवेदना या टच सेंसेशन से हमें पुनः जोड़ता है। यह एक ऐसी अनुभूति है, जो हमें संवेदनशील होने का एहसास कराती है।

मिलता है नया अनुभवः वूल योगा, इस बात का प्रमाण है कि योग कोई जड़ या स्थिर गतिविधि नहीं है। इसे हम नई से नई जीवंत गतिविधियों से जोड़ सकते हैं। सर्दी के मौसम में युवाओं के लिए यह सिर्फ एक फिटनेस रूटीन नहीं है बल्कि शरीर और कपड़ों के बीच के संवेदनशील संवाद का अनुभव है। इसलिए हर वह युवा जो ऊनी शॉल ओढ़कर ध्यान लगता है, वास्तव में वह अंजाने में यही कर रहा होता है, जो अपने शरीर को महसूस करता है, वो योग के सबसे शुद्ध संस्करण तक पहुंचते हैं और यह वही जगह है, जहां साधक अपने शरीर, कपड़े और स्पर्श तीनों को योग की अनुभूति में बदल देता है। *

स्पेशल वर्ल्ड एड्स-डे 1 दिसंबर

डॉक्टर्स एडवाइस

एचआईवी संक्रमण और एड्स को लेकर अभी भी कई तरह के भ्रम समाज में मौजूद हैं। जबकि मेडिकल साइंस कहता है कि सावधानी बरतकर और जागरूकता से न केवल इससे बचा जा सकता है, बल्कि नियंत्रित भी किया जा सकता है। यहां एक्सपर्ट डॉक्टर्स बता रहे हैं कि एड्स कैसे हो सकता है, इसके लक्षण क्या हैं, इससे कैसे बचाव हो सकता है इसका उपचार कैसे किया जा सकता है?

जागरूकता-सावधानी से संभव है एड्स की रोकथाम

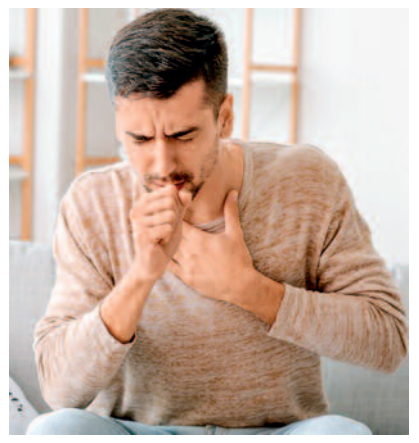

हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। यह सिर्फ एक वार्षिक अभियान नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को एचआईवी/एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करने, इसके खिलाफ लड़ाई को तेज करने और संक्रमित लोगों के साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार की पहल का दिन है। इसका मकसद लोगों को एचआईवी संक्रमण, उसके लक्षण, रोकथाम, उपचार और मिथकों के बारे में सही जानकारी देना है, ताकि समाज में फैले डर, भेदभाव और गलत धारणाओं को खत्म किया जा सके।

एड्स-एचआईवी में अंतर

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. संचयन रॉय** बताते हैं, 'एड्स और एचआईवी को अकसर एक ही बीमारी माना जाता है, लेकिन सच यह है कि दोनों बिल्कुल अलग अवस्थाएं हैं। एचआईवी एक ऐसा वायरस है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यून सिस्टम पर हमला करता है, जबकि एड्स इस संक्रमण का सबसे अंतिम और गंभीर चरण होता है, जब शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बेहद कमजोर हो जाती है और सामान्य संक्रमण भी जानलेवा बन सकते हैं। अच्छी बात यह है कि अगर समय पर एचआईवी की पहचान हो जाए और मरीज तुरंत एआरटी थेरेपी शुरू कर दे, तो वह लंबे समय तक बिल्कुल सामान्य जीवन जी सकता है और एड्स तक पहुंचने से भी बच सकता है। आधुनिक दवाइयां वायरस को पूरी तरह खत्म तो नहीं करतीं, लेकिन उसकी मात्रा इतनी कम कर देती हैं कि वह शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता और दूसरे लोगों तक भी लगभग नहीं फैलता।'

भारत में एचआईवी की स्थिति

अपने देश में एचआईवी की कंडीशन के बारे में श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट, दिल्ली में डायरेक्टर-इंटरनल मेडिसिन एंड इंफेक्शन डिजीज, **डॉ. अरविंद अग्रवाल** बताते हैं, 'भारत में एचआईवी की स्थिति के बारे में बात करें तो यह अभी भी एक अहम स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के मुताबिक भारत में लगभग 23 लाख लोग एचआईवी के साथ जीवन जी रहे हैं और हर साल कई नए मामले सामने आते हैं। हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में संक्रमण कम हुआ है। सरकार और कई संस्थाओं के प्रयासों से लोगों में जागरूकता बढ़ी है और एआरटी दवाएं भी आसानी से उपलब्ध हो रही हैं, जिससे मरीजों को काफी मदद मिलती है। इसके बावजूद गांवों और छोटे शहरों में जानकारी की कमी, समाज का डर बना हुआ है, इसे दूर किए जाने की जरूरत है।'

एचआईवी कैसे फैलता है

एचआईवी संक्रमण कैसे फैलता है, इस बारे में अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर के कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. रोहित शर्मा** क्लीयर करते हैं, 'एचआईवी कैसे फैलता है, इसे लेकर लोगों में आज भी कई गलतफहमियां हैं, इसलिए सही जानकारी बेहद जरूरी है। एचआईवी संक्रमण सिर्फ चार वैज्ञानिक रूप से सिद्ध तरीकों से ही फैलता है, असुरक्षित यौन संबंध बनाने से, संक्रमित सुई या ब्लेड का उपयोग, संक्रमित खून चढ़ाने से और मां से बच्चे में गर्भावस्था, प्रसव या स्तनपान के दौरान। इन चार तरीकों के अलावा किसी भी सामान्य गतिविधि से एचआईवी नहीं फैलता। साथ बैठने, साथ खाने, हाथ मिलाने, कपड़े या टूथब्रश जैसे सामान साझा करने, या मच्छर के काटने से यह संक्रमण नहीं होता। फिर भी इन मिथकों के कारण लोग एचआईवी मरीजों से दूरी बनाते हैं, जिससे उन्हें सामाजिक भेदभाव और मानसिक तनाव झेलना पड़ता है। सही जानकारी ही इस कलंक को खत्म कर सकती है।'

एचआईवी के शुरुआती लक्षण

एचआईवी संक्रमण की शुरुआत में कई बार कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते, जिससे लोग इसे सामान्य थकान या मौसम बदलने की बीमारी समझ लेते हैं। कुछ मामलों में शुरुआती हफ्तों में फ्लू जैसे लक्षण दिख सकते हैं-जैसे हल्का बुखार, लगातार थकान, गले में खराश, शरीर पर हल्के दाने या बिना कारण वजन कम होना। चूंकि ये लक्षण आम बीमारियों जैसे लगते हैं, लोग अकसर एचआईवी टेस्ट कराने से बचते हैं और संक्रमण बढ़ता जाता है। इसी वजह से डॉक्टर सलाह देते हैं कि जोखिम की स्थिति में समय पर एचआईवी टेस्ट जरूर करवाना चाहिए, ताकि बीमारी को शुरुआत में ही नियंत्रित किया जा सके।

सावधानी से संभव है रोकथाम

विश्व एड्स दिवस का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि रोकथाम इलाज से बेहतर है। एचआईवी से बचने के लिए कुछ सरल लेकिन बेहद प्रभावी उपाय अपनाने चाहिए, जैसे हमेशा सुरक्षित यौन संबंध बनाना, एक ही साथी के साथ संबंध रखना, किसी भी सुई या ब्लेड का दोबारा उपयोग न करना, केवल जांच किए हुए और प्रमाणित खून ही चढ़वाना और गर्भवती महिलाओं का समय पर एचआईवी टेस्ट कराना। इसके साथ ही जागरूक रहना और दूसरों को भी सही जानकारी देना बेहद जरूरी है। ये कदम न केवल व्यक्ति को सुरक्षित रखते हैं बल्कि समाज में संक्रमण की रफ्तार भी काफी हद तक कम कर देते हैं।

सही नहीं भेदभाव करना

हालांकि इलाज और जागरूकता बढ़ी है, फिर भी एचआईवी संक्रमित लोगों को समाज में भेदभाव का सामना करना पड़ता है। उन्हें नौकरी देने में हिचकिचाहट, घर या स्कूल में दूरी, रिश्तों में समस्याएं और सामाजिक तिरस्कार जैसी चुनौतियां झेलनी पड़ती हैं, जो बीमारी से ज्यादा मानसिक रूप से प्रभावित करती हैं। विश्व एड्स दिवस इसी भेदभाव को खत्म करने की अपील करता है। समाज का सम्मान और सहयोग संक्रमित व्यक्ति की सबसे बड़ी जरूरत है। स्कूलों में यौन शिक्षा देना, युवाओं में जागरूकता फैलाना और संक्रमित लोगों का सम्मानपूर्वक सहयोग करना- ये सभी कदम संक्रमण को कम करने में भूमिका निभाते हैं। यदि समाज एकजुट होकर काम करे तो एचआईवी को रोकना संभव है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

एआरटी थेरेपी है काफी कारगर

एक समय एचआईवी को जानलेवा बीमारी माना जाता था, लेकिन आधुनिक चिकित्सा ने इसकी तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। आज उपलब्ध एआरटी मरीज को लंबा, सामान्य और स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाती है। इससे शरीर में वायरस की मात्रा काफी कम हो जाती है, जिससे संक्रमण दूसरों तक फैलना लगभग रुक जाता है और मरीज की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। भारत सरकार भी कई केंद्रों पर एआरटी की दवाएं मुफ्त उपलब्ध कराती हैं, जिससे लाखों लोग नियमित इलाज ले पा रहे हैं और अच्छा जीवन जी रहे हैं।

हर्बल जोन

रेखा देशराज

सर्दियों में गर्माहट का एहसास कराए लेमन ग्रास

सर्दियों के लिए लेमन ग्रास, बहुत खास हर्ब मानी जाती है। इसलिए इसे सर्दियों की 'वार्मिंग हर्ब' कहा जाता है। क्योंकि यह केवल स्वाद या सुगंध का स्रोत नहीं है बल्कि यह प्राकृतिक रूप से गर्माहट देने वाली जड़ी-बूटी है, इसलिए ठंड के प्रारंभिक दिनों में लेमन ग्रास के सेवन से कई फायदे होते हैं।

बढ़ाए रोग प्रतिरोधक क्षमताः लेमन ग्रास में कुदरती रूप से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का गुण होता है, इसलिए सर्दियों की शुरुआत में जब शरीर खांसी, जुकाम और बुखार के संक्रमण से पीड़ित होता है, तब इसका इस्तेमाल लाभकारी होता है। लेमन ग्रास में सिंट्रल और जेरोनियोल जैसे यौगिक मौजूद होते हैं, इसलिए ये बैक्टीरिया, वायरस और फंगस से लड़ने की जबरदस्त क्षमता रखते हैं। जब हम सर्दियों में लेमन ग्रास का चाय के रूप में या एरोमा थेरेपी के रूप में इस्तेमाल करते हैं, तो इससे बहुत फायदे मिलते हैं। इससे शरीर की इम्यूनिटी मजबूत होती है और मूड शांत होता है। शुरुआती सर्दियों में लेमन ग्रास का बेहतर उपयोग करने के लिए एक कप पानी में एक इंच लेमन ग्रास का टुकड़ा या फिर इसके सूखे पत्ते डालकर पांच-सात मिनट तक उबालना चाहिए। अगर इस पानी में अदरक, तुलसी और शहद भी मिला दिया जाए, तो फायदे कई गुना ज्यादा बढ़ जाते हैं।

कई रोगों से बचाएः लेमन ग्रास की चाय पीने से सर्दी, जुकाम और गले की खराश में राहत मिलती है। पेट की गैस, अपच और भारीपन से भी राहत मिलती है। लेमन ग्रास की भाप या इसकी चाय का नियमित इस्तेमाल करने से हमारे रेस्पिरेटरी सिस्टम को मजबूती मिलती है। क्योंकि इस मौसम में यह श्वसन तंत्र को खोलती है और हमारे गले की खराश को कम करती है। लेमन ग्रास में एक रासायनिक उत्प्रेरक शक्ति होती है, जिसके चलते यह बलगम को पतला करके उसे शरीर से निकालने में विशेष रूप से मदद करती है। इसलिए कुछ लोग सर्दियों में लेमन ग्रास को कफ फ्रेंडली हर्ब के रूप में भी जानते हैं, क्योंकि लेमन ग्रास का मूल स्वभाव उष्ण यानी गर्म होता है। मतलब यह हमारे रक्त संचार को बढ़ाती है, जो कि ठंड के मौसम में धीमा हो जाता है। लेमन ग्रास की चाय पीने से हमारे शरीर की सुस्ती और ठिठुरन कम होती है। क्योंकि जब हम लेमन ग्रास की चाय पीते हैं तो शरीर में इसके प्रभाव से एनर्जी पैदा होती है और मेटाबॉलिज्म की गति बढ़ जाती है। लेमन ग्रास के कुछ टुकड़ों को दालचीनी और तुलसी के साथ सूप बनाकर पीया जाए, तो बड़ा फायदा मिलता है क्योंकि यह प्राकृतिक डिटॉक्स की तरह काम करता है।

लेमन ग्रास बाथः इस मौसम में गुनगुने पानी में लेमन ग्रास की पत्तियां या तेल डालकर 15 से 20 मिनट तक पैरों को उस गुनगुने पानी में डुबोकर रखें और फिर गुनगुने पानी से स्नान कर लिया जाए, तो थकान की समस्या पूरी तरह से दूर हो जाती है। *

अवेयरनेस

अपराजिता

किसी की डेथ के बाद अगर उसके कुछ अंगों का दान कर दिया जाए तो दूसरे कई लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। लेकिन अवेयरनेस के अभाव में ऐसा नहीं हो पाता है। 27 नवंबर, राष्ट्रीय अंगदान दिवस के अवसर पर, इस बारे में जानिए।

अंग दान से मिल सकता है कई लोगों को जीवनदान

आज का दौर, चिकित्सकीय दृष्टि से क्रांति का दौर कहा जा सकता है। पिछले एक दशक में बायो क्षेत्र में जितनी तकनीकी प्रगति हुई है, उतनी शायद ही किसी दूसरे दौर में हुई हो। बावजूद इसके जीवन रक्षा के लिए आज भी तकनीक से ज्यादा जरूरी अंग दान ही है, क्योंकि अंग प्रत्यारोपण की तकनीक तो बहुत तेजी से विकसित हुई है, लेकिन अभी भी कृत्रिम अंगों की वह विश्वसनीयता नहीं हासिल हो सकी, जो आज भी मानवीय अंगों को है। सवाल है, इस बीच में लोगों का जीवन बचाने और बेहतर बनाने का उपाय क्या हो सकता है? तो इस सवाल का सबसे आसान जवाब यही है अंग दान।

अंगदान की बढ़ती मांगः अकेले भारत में ही हर साल 63 हजार लोगों को गुर्दा प्रत्यारोपण यानी किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है। लेकिन हर साल अंगदान के रूप में हासिल होने वाली किडनियों की संख्या 3000 से भी कम होती है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि अंग प्रत्यारोपण की जरूरत जिस रफ्तार से बढ़ रही है। इसी तरह हर साल भारत में 22,000 लोगों को लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत है, मगर मुश्किल से 800 से 900 लोगों को ही अंगदान के जरिए यह सुविधा प्राप्त हो पाती है। भारत में प्रति 10 लाख लोगों के बीच अंगदान की दर 0.3 से 0.8 के आस-पास है।

अवेयरनेस की है कमीः सामाजिक जागरूकता और नीति प्रक्रिया की स्थिति कुछ ऐसी है कि सिर्फ भारत में ही नहीं, दुनिया के ज्यादातर देशों में अंगदान की गति बहुत धीमी है। इसलिए अंग दान जैसे दिवसों का पहले के मुकाबले आज कहीं ज्यादा महत्व है, क्योंकि इसी बहाने लोगों को अंग दान को लेकर जागरूक किया जा सकता है। इसलिए अंग दान जैसे दिवस भले इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि दुनिया के ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस बारे में प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि दुनिया ज्यादा बेहतर और ज्यादा सुखी बन सके।

पहले से बढ़ी है जागरूकताः आज विश्व स्वास्थ्य संगठन और चिकित्सीय क्षेत्र से जुड़े तमाम संगठन और संस्थाएं अंगदान को प्रोत्साहित करने के लिए तरह-तरह के कार्यक्रम करती हैं, जिसके चलते अब धीरे-धीरे लोगों में यह भ्रम और झिझक खत्म हो रही है और अंगदान की प्रक्रिया थोड़ी बढ़ी है। लेकिन आज भी मांग और उपलब्धि के बीच में बहुत बड़ा अंतर है।

सिर्फ गुर्दा प्रत्यारोपण हेतु ही दुनिया में कई लाख लोग हर समय प्रतीक्षारत रहते हैं और गुर्दा दान करने वाले लोगों की संख्या बेहद कम है। हालांकि पिछले कुछ सालों में पश्चिमी विकसित देशों में अंगदान की प्रक्रिया थोड़ी बेहतर हुई है और आज औसतन प्रति लाख 20 से 30 लोग अंगदान के लिए तैयार हो रहे हैं, जिसमें सबसे ज्यादा प्रति लाख 30 लोगों का आंकड़ा स्पेन का है। लेकिन आज भी अंगदान देने वालों और चाहने वालों की संख्या में बहुत फर्क है। इसलिए इस दिन की खास महत्ता है कि लोगों को अंगदान के लिए प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें समझाया जाए कि अंगदान ही महादान है। इसलिए अंग दान दिवस की महत्ता आज पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। *

बचा सकते हैं कई लोगों की जान

आज भी शरीर का कोई भी अंग पूरी तरह से कृत्रिम नहीं बनाया जा सका, जो सौ फीसदी कारगर हो। आज भी 99.99 फीसदी अंग प्रत्यारोपण जीवित या मृत लोगों के द्वारा दिए गए अंगों के दान पर ही निर्भर है। ऐसे में कोई भी तकनीक चाहे कितनी ही उन्नत हो जाए, किसी काम की नहीं होगी, जब प्रत्यारोपण के लिए अंग ही न मौजूद हों। यही कारण है कि अंग प्रत्यारोपण दिवस पर पूरी दुनिया में अनेक मेडिकल संस्थाएं और एजेंसियां अंग दान संबंधी कार्यक्रमों के जरिए लोगों को इसके लिए प्रोत्साहित करती हैं। गौरतलब है कि अंग दान के प्रति उदासीनता के कारण हर साल 25 लाख से ज्यादा लोगों की या तो दुर्घटना के चलते या असाध्य बीमारियों के तहत मौत हो जाती है और अगर पूरी दुनिया में लोग अंग दान को लेकर सहज हो जाएं, तो हर साल इतने लोगों को असमय मृत्यु से बचाया जा सकता है।

फिटनेस फंडा

नितिन बाबू

फिटनेस के लिए डेली करना होता है एफर्ट

सोनी सब चैनल के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में चिराग का किरदार नितिन बाबू निभा रहे हैं। वह अच्छी लाइफ के लिए फिजिकल और मेंटल फिटनेस को बहुत महत्व देते हैं। इसके लिए वे क्या कुछ करते हैं, अपना फिटनेस रूटीन नितिन शेयर कर रहे हैं, अपनी जुबानी।

चिराग की भूमिका निभाना मेरे लिए रोमांचक और भावनात्मक दोनों है। उसका किरदार बहुत गहराई लिए हुए है। ऐसे किरदार को निभाने के लिए मेंटली फिट होना बहुत हेल्पफुल होता है। वैसे भी मैं हमेशा से अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को लेकर कॉन्शस रहा हूं और इसके लिए डेली एफर्ट करता रहता हूं।

डाइट प्लानः मेरा डाइट प्लान ज्यादातर सिंपल और संतुलित रहता है। सुबह हल्का और हेल्दी नाश्ता करता हूं। इसमें ओट्स, अंडे या फिर फल लेता हूं। दोपहर में घर का बना खाना पसंद है, जिसमें दाल, सब्जी, सलाद और ब्राउन राइस या रोटी होती है। रात का खाना मैं हल्का रखता हूं। दिन भर खूब पानी पीने की कोशिश करता हूं और जंक फूड से जितना हो सके दूर रहता हूं।

वर्कआउट रूटीनः मेरा वर्कआउट रूटीन, शूट शेड्यूल पर निर्भर करता है। लेकिन मैं सप्ताह में कम से कम तीन दिन जरूर एक्सरसाइज करता हूं। इसमें कार्डियो, वेट ट्रेनिंग और किसी दिन योग या फंक्शनल ट्रेनिंग शामिल होती है। शूट पर भी अगर समय मिलता है तो थोड़ी देर वॉक कर लेता हूं। वर्कआउट मिस नहीं करता हूं।

मैनेज करता हूं टाइमः सच कहूं तो वर्कआउट के लिए समय निकालना मुश्किल होता है, लेकिन यह फिट रहने के लिए बहुत जरूरी भी है। इसलिए मैं अपने दिन की प्लानिंग पहले से कर लेता हूं। अगर सुबह शूट हो, तो वर्कआउट शाम को कर लेता हूं। अगर दोपहर या शाम का शूट है तो सुबह वर्कआउट कर लेता हूं। और कभी-कभी सेट पर ही थोड़ा समय निकालकर कोई छोटी-मोटी फिजिकल एक्टिविटी कर लेता हूं।

ऐसे रहता हूं मेंटली फिटः मेरे लिए शारीरिक के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य भी बहुत महत्वपूर्ण है। इसके लिए मैं रोज कुछ मिनट मेडिटेशन या डीप ब्रीदिंग करता हूं। किताबें पढ़ना मेरी हैबिट में शामिल है। परिवार और दोस्तों से बातचीत करना मुझे संतुलित रखता है। इसके आनावा मैं मानता हूं अपने मन की सुनना और खुद को ज्यादा भार या तनाव न देना बहुत मायने रखता है।

फिटनेस आइडलः मुझे हमेशा से ऋतिक रोशन और मिलिंद सोमन ने प्रेरित किया है। दोनों सिर्फ शारीरिक तौर पर ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी बेहद मजबूत हैं। उनकी लाइफस्टाइल और अनुशासन मुझे यह सिखाते हैं कि फिटनेस एक लंबी यात्रा है। यह निरंतर चलती है, इसमें कोई शॉर्टकट नहीं होता है।

रीडर्स को मैसेजः मेरा सबसे बड़ा फिटनेस मंत्र है- कंसिस्टेंसी इज द की। यानी फिटनेस के लिए आप चाहे कितना भी छोटा कदम उठाएं, लेकिन उसे रोज जारी रखें। फिटनेस सिर्फ जिम जाने से नहीं आती, बल्कि एक हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने से आती है। इसमें हेल्दी डाइट, अच्छी नींद और सकारात्मक सोच शामिल होती है। इसे लगातार फॉलो करना होता है, डेली एफर्ट करना होता है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

पूर्व अमेरिकी सांसद ब्रैट ने किया खुलासा, सीमा 85 हजार की थी, लेकिन चेन्नई को जारी हुए 2 लाख 20 हजार वीजा

एच1बी वीजा सिस्टम में धोखाधड़ी, उछाला गया भारत का नाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

एच1बी वीजा को लेकर भारतीयों की पहले से बढ़ी हुई मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वीजा से जुड़ी सालाना फीस बढ़ाकर 1 लाख डॉलर कर दी।

तो वहीं, अब उनकी ही रिपब्लिकन पार्टी के ही एक पूर्व सांसद और अर्थशास्त्री डेव ब्रैट ने एक बड़ा धमाका करते हुए इस वीजा सिस्टम में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी, औद्योगिक धांधली होने का गंभीर खुलासा किया है। अगर बात इतनी भर होती तो ठीक था। लेकिन ब्रेट ने मामले में भारत का नाम भी ले लिया और कहा कि पिछले साल 2024 में हमारे देश की एच1बी वीजा जारी करने की वैध सीमा 85 हजार है। जबकि अकेले चेन्नई को इसका ढाई गुना अधिक यानी 2 लाख 20 हजार वीजा जारी किए गए हैं। भारत इसका सबसे बड़ा लाभार्थी है। जिसे सालाना 71 फीसदी वीजा किए जाते हैं।

जबकि चीन को 12 फीसदी एच1बी वीजा सुविधा का लाभ मिलता है। बताते चलें कि ब्रैट के इस दावे से ठीक पहले एक भारतीय-अमेरिकी राजनयिक महवश सिद्दीकी ने भी चेन्नई के वाणिज्य दूतावास पर धांधली के आरोप लगाए थे।

36 महीने दूतावास में दी सेवाएं

पूर्व अमेरिकी राजनयिक सिद्दीकी ने वर्ष 2005 से 2007 तक चेन्नई के वाणिज्य दूतावास में तीन साल तक अपनी सेवाएं दी थीं। जिसे लेकर उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि यहां आने वाले वीजा आवेदनों में काफी धोखाधड़ी हुई है। भारतीयों को दिए गए ज्यादातर वीजा फर्जी थे। जिनके जारी करने के पीछे नकली नियोक्ता पत्र, जाली डिग्रियां, अयोग्य आवेदकों के लिए प्रॉक्सी साक्षात्कार शामिल थे। महवश ने ये दावा भी किया कि भारत के हैदराबाद जैसे शहरों में कई ऐसी जगहें हैं। जो वीजा आवेदकों को न केवल प्रशिक्षण देती हैं। बल्कि उन्हें नकली रोजगार तथा शैक्षणिक प्रमाणपत्र बेचती हैं।

अमेरिका जाने के भारतीयों के सपनों पर लगेगा ब्रेक!

शक के घेरे में चेन्नई कांसुलेट, 'मागा' पर असर

ब्रैट ने ये भी कहा कि 85 हजार की अधिकतम सीमा के बाद अकेले चेन्नई को 2 लाख से ज्यादा एच1बी वीजा दिए गए। उनका ये तर्क चेन्नई में हुई बड़ी धांधली की ओर इशारा कर रहा है। जहां स्थित अमेरिका के वाणिज्य दूतावास ने ये तमाम वीजा भारतीयों को जारी किए। चेन्नई में मुख्य रूप से चार दक्षिण-भारतीय राज्यों जैसे कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना से बड़ी तादाद में आने वाले एच1बी वीजा आवेदनों को प्रोसेस किया जाता है। जो इस वीजा के मामले में दुनिया का सबसे ज्यादा व्यस्ततम वीजा केंद्र है। ब्रैट इस स्थिति को अपने देश यानी अमेरिका के घरेलू श्रमिकों के लिए भी खतरनाक मानते हैं। साथ ही कहते हैं कि ये मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (मागा) की राह में रोड़ा अटका सकता है।

इजराइल के राजदूत अजार ने मुंबई आतंकी हमलों के मृतकों को श्रद्धांजलि दी

आतंकवाद के खिलाफ भारत के समर्थन की दोहराई प्रतिबद्धता

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत में इजराइल के राजदूत रियुवेन अजार ने कहा कि 26/11 सिर्फ मुंबई पर हमला नहीं था, यह इंसानियत पर हमला था। इस हमले ने हर समुदाय, हर देश, हर धर्म, भारतीयों और इजराइलियों को एक ही तरह से टारगेट किया।

बदकिस्मती से, इजराइल इस दर्द को जानता है। हम जानते हैं कि आतंकी घटनाओं में मासूम लोगों की जान जाने का क्या मतलब होता है इजराइल ने आतंकवाद के सभी रूपों को हराने के लिए भारत के साथ काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। भारत में इजराइल के राजदूत रियुवेन अजार ने बुधवार को 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मृतकों को श्रद्धांजलि दी और इस आतंकी घटना को इंसानियत पर हमला बताया। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पर 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले में 160 से ज्यादा लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किए गए एक वीडियो मैसेज में, अजार ने कहा कि इस हमले में हर समुदाय, देश और हर धर्म के लोगों को टारगेट किया गया।

राजदूत रियुवेन अजार

फाइल फोटो : 26 नवंबर 2008 के दिन मुंबई के ताज होटल पर हमला

इजराइल हमेशा भारत के साथ खड़ा है

इजराइली राजदूत अजार ने इस बात पर भी जोर दिया कि इजराइल आतंकवाद को उसके सभी रूपों में हराने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है और रहेगा। उन्होंने कहा कि जब हम 26/11 को याद करते हैं, तो हम अपने साझा मूल्यों, आजादी, लोकतंत्र और इस पक्के विश्वास को दोहराते हैं कि जिंदगी को हमेशा नफरत पर जीत मिलनी चाहिए। भारत अकेला नहीं है। इजराइल आज, हमेशा भारत के साथ खड़ा है।

शहर की रक्षा करने वालों का सम्मान

अजार ने कहा कि भारत और इजराइल के मिले-जुले अनुभव ही 'गहरी और हमेशा रहने वाली साझेदारी' की नींव हैं। आज, हम 26/11 के पीड़ितों को याद करते हैं। हम उन बहादुर अधिकारियों, सुरक्षा बलों और फर्स्ट रेस्पॉन्डर्स का सम्मान करते हैं जिन्होंने बहुत बड़ी कुर्बानी देकर शहर की रक्षा की, और हम उन परिवारों के साथ खड़े हैं जिनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई।

फ्रांस के राजदूत ने भी दी श्रद्धांजलि

भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी मथौ

भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी मथौ ने आतंकी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी, साथ ही आतंकवाद को लेकर फ्रांस की निंदा को दोहराया और आतंकवाद से लड़ने में भारत को अपना समर्थन दिया। एक एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा कि मुंबई हमला 26/11: इन भयानक हमलों के 17 साल पूरे होने पर, फ्रांस पीड़ितों की याद में श्रद्धांजलि देता है। फ्रांस आतंकवाद की पूरी तरह से निंदा करता है, और इस बुराई से लड़ने में भारत के साथ खड़ा है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में जब्त किए विस्फोटक

एजेंसी ⏭ इंफाल

मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में उस समय हड़कंप मच गया जब सुरक्षा बलों को 40 किलो विस्फोटक से भरा हुआ एक लॉन्ग रेंज आधुनिक रॉकेट मिला। सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों में तीन जिलों से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए जो कि चुराचांदपुर, कांगपोकपी और इंफाल पश्चिम से जब्त किए गए हैं। चुराचांदपुर जिले से तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने करीब 40 किलोग्राम विस्फोटक से भरा हुआ एक लॉन्ग रेंज रॉकेट, रॉकेट लॉन्चिंग स्टैंट, बैटरी पीस के साथ 5 रेत की बोरियां जब्त की हैं। अधिकारियों के अनुसार हाल में की गई ये बरामदी सुरक्षा बलों की ओर से बड़ी कामयाबी है।

कई हफ्तों से चल रही है तलाशी : अधिकारियों का कहना है कि पिछले कई हफ्ते से राज्य के संवेदनशील इलाके में लगातार तलाशी अभियान चल रहे हैं। ये अभियान हथियारों की तस्करी को रोकने के साथ-साथ राज्य में शांति बनाए रखने के लिए चलाई जा रही है।

अवैध समूहों की आवाजाही पर रोक

सीमा या पहाड़ी इलाकों में अवैध समूहों की आवाजाही पर रोक के लिए ये अभियान बेहद अहम माना जा रहा है। सुरक्षा बलों की ओर से हर उस जगह पर तलाशी की जा रही है जहां हथियारों की आने की संभावना ज्यादा रहती है।इन अभियान में सुरक्षा बलों को सफलता भी मिल रही है।

पश्चिम बंगाल एसआईआर में कटेंगे 14 लाख नाम?

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में अब तक करीब 14 लाख एसआईआर गिनती के फॉर्म 'अनकलेक्टेबल' के तौर पर पहचाने गए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि ये फॉर्म 'अनकलेक्टेबल' हैं क्योंकि वोटर या तो गैर-हाजिर थे, डुप्लीकेट थे, मर चुके थे या हमेशा के लिए कहीं और चले गए थे। सोमवार को यह आंकड़ा 10.33 लाख था। उन्होंने कहा, 'मंगलवार दोपहर तक, यह संख्या 13.92 लाख थी। हमें उम्मीद है कि जैसे-जैसे और अपडेट आएंगे, यह आंकड़ा रोज बढ़ता रहेगा।' पूरे राज्य में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओज) को घरों से डेटा इकट्ठा करने का काम सौंपा गया है। वे फॉर्म बांटने और जरूरी जानकार इकट्ठा करने में एक्टिव रूप से लगे हुए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम बंगाल में रिवीजन के काम के लिए 80,600 से ज़्यादा BLOs, करीब 8,000 सुपरवाइज़र, 3,000 असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर और 294 इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर को लगाया गया है। अभी तक, चल रहे एसआईआर के बीच राज्य में तीन बीएलओ की मौत हो चुकी है।

'55 मिनट ही वॉक कर सका, सुबह तक परेशान रहा'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण पर बोले सीजेआई सूर्यकांत

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति पर चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि इस वजह से उन्हें शाम के वक्त वॉक करने में परेशानी हो रही है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट देश में चल रहे वोटर लिस्ट के स्पेशल इन्टेंसिव रिविजन (एसआईआर) को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। इसी दौरान दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का मुद्दा भी उठा।

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि कल शाम को वॉक के बाद उन्हें प्रदूषण के चलते बहुत असुविधा महसूस हुई। इससे पहले भी वह 2 दिन वॉक पर नहीं जा पाए थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने 55 मिनट ही वॉक की और सुबह तक उनको परेशानी रही। दिल्ली एनसीआर में लगातार प्रदूषण की स्थिति गंभीर बनी हुई है। कई जगहों पर एक्यूआई 350 के भी पार पहुंच चुका है और 12 दिनों से हवा की क्वालिटी बहुत खराब श्रेणी में है, जिसकी वजह से लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है।

2 को एसआईआर पर सुनवाई

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने यह बातें तब कहीं जब एसआईआर मामले की सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग के लिए पेश सीनियर एडवोकेट राकेश द्विवेदी ने 2 दिसंबर की सुनवाई में ऑनलाइन शामिल होने की अनुमति मांगी। 2 दिसंबर को केरल एसआईआर पर सुनवाई होनी है। उन्होंने प्रदूषण का हवाला देते हुए यह अनुरोध किया था।

बॉर्डर सील, राष्ट्रपति लापता सेना ने सत्ता पर किया कब्जा

एक और अफ्रीकी देश में तख्तापलट!

एजेंसी ⏭ बिसाऊ

पश्चिम अफ्रीका के छोटे लेकिन राजनीतिक रूप से अस्थिर देश गिनी-बिसाऊ में बुधवार को अचानक बड़ा सत्ता संकट खड़ा हो गया। सैन्य अधिकारियों ने घोषणा की कि उन्होंने सरकार पर /"पूर्ण नियंत्रण/" स्थापित कर लिया है।

सेना ने तत्काल प्रभाव से चुनावी प्रक्रिया को निलंबित कर दिया और देश की अंतरराष्ट्रीय सीमाएं बंद करने का आदेश जारी किया। आसान भाषा में कहें तो, एक और अफ्रीकी देश में तख्तापलट हो गया है। यह घटनाक्रम उन चुनावों के सिर्फ तीन दिन बाद हुआ है, जिनमें राष्ट्रपति और संसद के लिए मतदान हुआ था। राजधानी बिसाऊ में राष्ट्रपति भवन के पास दोपहर के समय भारी गोलीबारी हुई, जिसके बाद सैन्यकर्मियों ने इलाके की घेराबंदी कर दी। इस बीच, मौजूदा राष्ट्रपति उमरो सिस्सोको एम्बालो कहां हैं, इसकी जानकारी अब तक नहीं मिल पाई है, जिससे राजनीतिक अनिश्चितता और बढ़ गई है।

मुख्य विपक्षी पार्टी के चुनाव लड़ने पर लगी थी रोक

विश्लेषकों का कहना है कि देश में पहले से ही संस्थागत अविश्वास, सत्ता संघर्ष और चुनावी प्रक्रिया पर विवाद मौजूद था। मुख्य विपक्षी पार्टी पीएआईजीसी को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव लड़ने से रोक दिया था, जिसे विपक्ष ने 'राजनीतिक हेरफेर' बताया था। आलोचकों का आरोप है कि राष्ट्रपति का कार्यकाल फरवरी में ही समाप्त हो चुका था, लेकिन उन्होंने शासन जारी रखा।

---

17 दिनों की प्रदर्शनी के बाद बुद्ध के पवित्र अवशेष भारत लौटे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि भूटान में पवित्र बुद्ध अवशेषों की पवित्र प्रदर्शनी के बाद उन्हें भारत वापस लाकर मैं स्वयं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। पवित्र अवशेषों के प्रति भूटान की गहरी श्रद्धा दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे सामंजस्य को अभिव्यक्त करती है भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भूटान में 17 दिवसीय प्रदर्शनी के बाद भारत वापस आ गए हैं।

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामले एवं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पवित्र अवशेषों की वापसी यात्रा में उनके साथ थे। उन्होंने भूटान के नेतृत्व एवं जनता के प्रति उनकी असाधारण गर्मजोशी, भक्ति और औपचारिक सम्मान के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। मंगलवार को पालम हवाई अड्डे पर पहुंचने पर पवित्र अवशेषों को आईबीसी के महानिदेशक अभिजीत हलदर, भिक्षुओं, संस्कृति मंत्रालय और राष्ट्रीय संग्रहालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्राप्त किया। संस्कृति मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी।

भूटान के पीएम लेत्सोग लोपेन ने विशेष प्रार्थना में भाग लिया

अवशेषों को राजकीय जुलूस के रूप ले गए

मंगलवार सुबह, भूटान के नरेश ने ग्रैंड कुएनरे में विशेष प्रार्थना में भाग लिया, जिसके बाद अवशेषों को राजकीय जुलूस के रूप में पारो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ले जाया गया, जहां से उन्हें सम्मानपूर्वक भारत वापस लाया गया। इस समारोह में भूटान के पीएम लेत्सोग लोपेन, गृह मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और भारत तथा भूटान के प्रतिष्ठित भिक्षुओं ने भाग लिया। भूटान नरेश ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से भी मुलाकात की, जो अवशेषों को स्वदेश लाने के लिए विशेष रूप से भूटान आए थे।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता, गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, जगदलपुर (छ.ग.)

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 180278/ निविदा सूचना क्रमांक 26/वलेलि/ 2025-26, दिनांक 25.11.2025

निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक 16.12.2025 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम : बस्तर जिले के विकासखंड बस्तर के कोसारटेडा मध्यम सिंचाई परियोजना के मुख्य नहर के आर.डी. 0 से 24 कि.मी. तक जीर्णोद्धार कार्य ।

अनुमानित लागत : रूपये 4083.10 लाख

(एस.ओ. आर. दिनांक 01.08.2010 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 22.08.2022 तक))

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 02.12.2025 समय 17:31 बजे से देखे तथाडाउनलोड किये जा सकते हैं ।

नोट:- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामाकित/ पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा जारी निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र जिसकी वैधता दिनांक 30.09.2026 तक है, वह लागू होगी।

कार्यपालन अभियंता
टी.डी.पी.पी. जल संसाधन संभाग, जगदलपुर
कृते मुख्य अभियंता गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, जगदलपुर, छ.ग.

G-252605025/12

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला मोहला- मानपुर- अं.चौकी (छ.ग.)

//संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना//

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक- पुअएमएमएसी/ एसी-1 / नि.क्र.-74 /2025 दिनांक- 25.11.2025

पुलिस अधीक्षक, मोहला-मानपुर- अं.चौकी, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मुहरबंद निविदाएं प्रपत्र- अ में निम्नानुसार ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति, जिसमें एक अमानत राशि व दूसरा निविदा प्रपत्र का लिफाफा होगा, निविदा आमंत्रित किया जाता है :-

निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर राशि (रुपये में)	निविदाकारों की श्रेणी
74	रक्षित केन्द्र मोहला में RCC पुरूष बैरक निर्माण	20.00	15000	ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी "द" अथवा उससे अधिक

निविदा निःशर्त पुलिस अधीक्षक मोहला- मानपुर- अं. चौकी के कार्यालय में रखी हुई सीलबंद पेटी में दिनांक- 11.12.2025 के 3.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी एवं प्राप्त निविदा को दिनांक- 11.12.2025 के 04.00 बजे उपस्थित निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोले जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की जावेगी ।

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु प्रति निविदा रू. 1000/- की राशि का चालान पुलिस अधीक्षक मोहला- मानपुर- अं.चौकी के नाम से "लेखा शीर्ष -0055 एम.पी.आर., उप शीर्ष-800 अन्य रिसिप्ट" के नाम से स्वीकार्य होगा । निविदा प्रपत्र दिनॉक - 10.12.2025 तक कार्यालयीन समय में अधोहस्ताक्षरित कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है । निविदा कार्य की अवधि दो माह की होगी । निविदाकारों को पुलिस विभाग के नक्सल प्रभावित थाना / चौकी / बेस कैम्पों में सफलतापूर्वक निर्माण कार्य किये जाने का अनुभव होना अति आवश्यक है । निविदा से सम्बंधित अन्य जानकारी / शर्तें अधोलिखित कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

पुलिस अधीक्षक
जिला मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)

G- 252605027/3

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर जिला- जाजंगीर-चाम्पा (छ.ग.)

शुद्धि पत्र क्र. 1

निविदा सूचना क्र. 28 से 33 / व.ले.लि. / 2025-26 जांजगीर, दिनांक 12.11.2025 निविदा सिस्टम नं. 179023, 179024. 179025, 179026, 179029, 179030 (प्रथम आमंत्रण) जिसका जी.क्र. 222604730 दिनांक 15.11.2025 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है-

स.क्र.	विवरण	पूर्व प्रसारित	संशोधित
1	Bid Start date & time (The date and time from which bidders start preparation/ submission of their bid response, before this bidder's action will not be allowed.)	19-11-2025 [17:31]	26-11-2025 [17:31]
2	Bid Due date & time (The last date & time for submission of bid response, after which no bids can be submitted.)	03-12-2025 [17:30]	10-12-2025 [17:30]
3	Bid Open, Start date & time (The date of opening of Envelope- A & B online)	04-12-2025 [11:30]	11-12-2025 [11:30]
4	PERIOD OF TENDER WORK.	03 Months	06 Months

नोट:- निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

कार्यपालन अभियंता
हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर
जिला-जांजगीर- चाम्पा (छ.ग.)

G-252605047/2

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित
06 फ्लोर, सी ब्लॉक, सी.बी.डी. कॉम्पलेक्स, कमर्शियल टावर, सेक्टर - 21, मुख्यालय नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)
WWW.markfed.cg.nic.in, mf_ctrlroom_raipur@gov.in

क्र./परिवहन/4187/2025 न.रा.अ.न. दिनांक 25/11/2025

-:: वाहन किराया निविदा सूचना ::-

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित, मुख्यालय नवा रायपुर अटल नगर के लिये लगभग 38 वाहन दिनांक 01.01.2026 से एक वर्ष के लिये किराये पर लिये जाने हेतु जेम-पोर्टल के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यालयीन आवश्यकतानुसार वाहनों की संख्या घट बढ़ सकती है।

ई - निविदा सूचना वेबसाइट https://gem.gov.in में जाकर संबंधित इच्छुक निविदाकर्ता ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर निविदा प्रपत्र में दर्शाये गये निर्देश अनुसार ऑनलाइन निविदा भर सकते हैं

1. निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय - 26.12.2025 दोपहर 12.00 बजे तक
2. निविदा खुलने की तिथि समय एवं स्थान - 26.12.2025 दोपहर 12.30 बजे विपणन संघ मुख्यालय, नवा रायपुर (छ. ग.)
3. प्री-बिड मीटिंग - 05.12.2025 दोपहर 12.00 बजे विपणन संघ मुख्यालय, नवा रायपुर (छ.ग.)

महाप्रबंधक,
छ.ग. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित मुख्यालय, नवा रायपुर अटल नगर, जिला रायपुर (छ.ग.)

S-46041/2

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एन.आई.टी. क्र. / सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू. (लाख में)
1	2	3
272/179116	CONSTRUCTION OF SOS MATHEMATICS AT PT. RAVI SHANKAR SHUKLA UNIVERSITY CAMPUS RAIPUR (C.G.) INCLUDING ELECTRIFICATION WORK UNDER PM-USHA SCHEME (प्रथम आमंत्रण)	रू. 157.26 लाख
273/179117	S/R DRAIN WORK AT MANA BORIYAKALA SEJBAHAR DATRENGA DOMA JULUM ROAD RAIPUR + INTERLOCK WORK IN MMI HOSPITAL TO NEW BUS STAND PANDARI CANAL LINKING ROAD RAIPUR (C.G.) (प्रथम आमंत्रण)	रू. 39.99 लाख
274/179118	S/R WORK ON VARIOUS ROAD & VARIOUS CULVERT UNDER SUB DIVISION NO. 3 NAVA RAIPUR (PART -2) (प्रथम आमंत्रण)	रू.30.00 लाख
275/179119	ROAD MARKING SIGN BOARD OF VARIOUS ROAD UNDER SUB DIV NO.-1 RAIPUR CG (प्रथम आमंत्रण)	रू. 57.36 लाख
121/179568	ORDINARY MAINTAINANCE WORK IN VAROIUS ROADS UNDER PWD SUB DN. NO. 2 RAIPUR (द्वितीय आमंत्रण)	रू. 71.14 लाख

एन.आई.टी. क्र. 272 सिस्टम टेन्डर नं. 179116, एन.आई.टी. क्र. 273 सिस्टम टेन्डर नं. 179117 एन.आई.टी. क्र.274 सिस्टम टेन्डर नं. 179118 एवं एन.आई.टी. क्र. 275 सिस्टम टेन्डर नं. 179119 निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 15.12.2025 समय सायं 5:30 बजे तक, एन.आई.टी. क्र. 121 सिस्टम टेन्डर नं. 179568 निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 09.12.2025 समय सायं 5:30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग,
रायपुर मंडल क्रं.-1, रायपुर (छ.ग.)

G-252605037/6

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संभाग -01 रायपुर (छ.ग.)

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

विज्ञापन क्र.- 375

छत्तीसगढ़ छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संभाग - 01 रायपुर कबीर नगर अंतर्गत (1) कबीर नगर रायपुर में वाणिज्यिक परिसर अरपा परिसर का नवीनीकरण कार्य (मरम्मत कार्य) (2) कबीर नगर रायपुर के विभिन्न स्थानों पर ऊंची इमारतों पर विज्ञापन बोर्ड (20X20 फीट) का निर्माण कार्य, (3) कबीर नगर रायपुर में यू-आकार 17 मीटर और कैंटिलीवर गैन्ट्री साइन बोर्ड का निर्माण कार्य एवं (4) फेस-1 कबीर नगर रायपुर में गेट क्रमांक 01 और 02 पर पुराने गैन्ट्री 24 MTR और 18 MTR स्पैन पर साइन बोर्ड का निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन/ मैन्युअल निविदा निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। कार्यों की विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना मण्डल की वेबसाईट www.cghb.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यालयीन समय पर कार्यालय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संभाग - 01 रायपुर में संपर्क कर सकते है।

कार्यपालन अभियंता
S-46038/1 मो.नं. 9424209026

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड
"सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन" सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर-492018
फोन - 0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com, website www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/ प्रक्षेत्र अंजोरा/469/25-26/6599 रायपुर, दिनांक 25/11/2025

//ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना//

Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in, Sub Portal: http://samb. eproc.cgstate.gov.in

छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र 'अ' प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 17.12.2025
फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि - 23.12.2025

क्र.	कार्य का नाम / स्थल	अनुमानित लागत (लाख में)	एस.ओ. आर विवरण
1	उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं अंतर्गत शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र अंजोरा दुर्ग में 02 नग टायर वॉस, 510 मी. बाउण्ड्रीवाल एवं 200 मी. सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	68.15	लो.नि.वि. भवन निर्माण कार्य हेतु दि. 01.01.2015 एवं सड़क कार्य हेतु दिनांक 01.01.2025 से प्रभावशील एस.ओ.आर.

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्तें धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखे जा सकते है ।

प्रबंध संचालक
S-46036/1

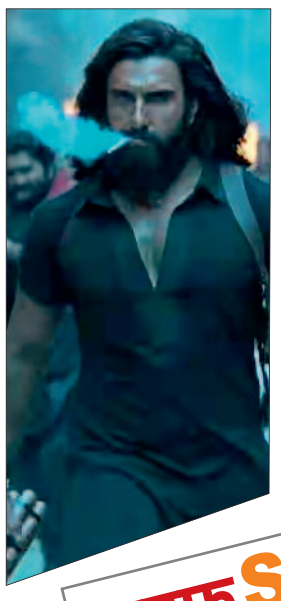

धुरंधर में दिखा पाकिस्तानी टाउन ल्यारी का गैंग वॉर

मुंबई। रणवीर सिंह की अपकमिंग फिल्म 'धुरंधर' का आठ नवंबर को ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें पाकिस्तान के मशहूर टाउन ल्यारी के गैंग वॉर की झलक दिखी। यह गैंग वॉर 2009 से लेकर एक दशक तक चला था। अब, ल्यारी के लोगों ने इस पर प्रतिक्रिया दी है कि रणवीर सिंह की फिल्म में उनके शहर को कैसे दिखाया गया है। 'धुरंधर' के ट्रेलर में रणवीर सिंह को जासूस, अक्षय खन्ना को रहमान डकैत और संजय दत्त को चौधरी असलम के रूप में दिखाया गया है। ये सभी किरदार असल जिंदगी से प्रेरित बताए जाते हैं। फिल्म की टीम ने भारत में सेट पर पूरे ल्यारी टाउन को फिर से बनाया है। ल्यारी से ताल्लुक रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा 'इंडिया वालों ने फिल्म बना ली है, हमसे तो पूछते। हम उनको ल्यारी की गलियां दिखाते। रहमान डकैत के बारे में भी बताते।' कई दूसरे स्थानीय लोगों ने कहा कि फिल्म में चौधरी असलम का किरदार सही दिखाया गया है। जबकि अक्षय खन्ना के रूप में रहमान डकैत का लुक असली गैंगस्टर की तरह नहीं दिखता।

लाइफ Style

गिरिजा

बहुत घटिया मैसेज करते हैं लोग

ब्लू साड़ी गर्ल के नाम से वायरल हुईं गिरिजा ओक ने बताया है कि इस फेम से उन्हें कुछ फायदा नहीं हुआ बल्कि लोग घटिया मैसेज करने लगे हैं। गिरिजा ने बताया कि लोग उन्हें सोशल मीडिया पर कैसे मैसेज करते हैं। गिरिजा ओक बीते कुछ समय से चर्चा में हैं। रीसेंटली एक इंटरव्यू के वीडियोज वायरल होने के बाद वह रातोंरात सनसनी बन गईं। लोग उन्हें नैशनल क्रश बुलाने लगे। इतना ही नहीं गिरिजा का डीएम अच्छे-बुरे कई तरह के मैसेजेज से भर गया। लोगों ने अश्लील बातें भी लिखीं, जिसके बाद उन्हें एक लाइव भी करना पड़ा।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

गिरिजा हिंदी, मराठी फिल्में और सीरियल्स कर चुकी हैं। उन्होंने तारे जमीन पर, शोर इन द सिटी, जवान, कला जैसी फिल्मों में काम किया है। अब फिर से अचानक लाइमलाइट में आने पर उन्होंने बात की है। गिरिजा ओक एक इंटरव्यू के बाद इस कदर वायरल हुईं कि लोग उन्हें नेशनल क्रश बुलाने लगे। एक नए इंटरव्यू में उन्होंने इस बारे में बात की। गिरिजा बोलीं, 'कोई पूछे कि कुछ बदलाव हुआ। मैंने कहा नहीं, मुझे कोई ज्यादा काम के ऑफर नहीं मिलने लगे।' गिरिजा ने वायरल होने के नेगेटिव इफेक्ट्स बताए। बोलीं कि लोग उन्हें बहुत घटिया मैसेज कर रहे हैं। गिरिजा बताती हैं, 'कोई बोलता है, 'मैं तुम्हारे लिए कुछ भी कर सकता हूं, बस एक मौका दो। किसी ने मेरे रेट तक पूछे कि एक घंटा बिताने की कीमत क्या है। कई ऐसे मैसेज हैं।' अगर ये लोग हकीकत में मेरे सामने होंगे तो नजर उठाकर देख भी नहीं पाएंगे। पर्दे के पीछे लोग कुछ भी बोलते हैं। सामने से प्यार और सम्मान देते हैं।' बीते दिनों गिरिजा ओक की नीली साड़ी में एक तस्वीर वायरल हुई। यह तस्वीर उनके एक इंटरव्यू की थी। गिरिजा एक्स पर ट्रेंड कर रही थीं और हर कोई जानना चाह रहा था कि वह कौन हैं। लोग उनका नाम और इंस्टाग्राम खोज रहे थे। गिरिजा ने वाइट स्लीवलेस ब्लाउज, आसमानी साड़ी पहनी थी।

धनुष-कृति की फिल्म से हटाया अश्लील शब्द

मुंबई। धनुष और कृति सेनन की फिल्म 'तेरे इश्क में' इस शुक्रवार को थिएटर में दस्तक देगी। रिलीज से पहले सेंसर बोर्ड में गई इस फिल्म को सीबीएफसी की तरफ से सर्टिफिकेट मिल चुका है। आनंद एल राय की मूवी का रनिंग टाइम कितना है और इसमें कौन से सींस और डायलॉग्स में बदलाव किए गए हैं। सेंसर बोर्ड का रवैया पास्ट में बड़ी-बड़ी फिल्मों के प्रति सख्त रहा है और कई-कई सीन से बड़े-बड़े डायलॉग्स तक हटाए गए हैं, लेकिन 'तेरे इश्क में' के साथ ऐसा नहीं हुआ है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म को सिर्फ एक कट के साथ सेंसर बोर्ड ने पास कर दिया है और इसी के साथ मूवी से एक 'अश्लील' सीन को हटाया गया है। इस रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म में से एक भी एक्शन या इंटीमेट सीन और विजुअल्स नहीं हटवाया है। सिर्फ एक डायलॉग मोडिफाई किया गया है। फिल्म के 27 मिनट पर एक ऐसा सीन था, जिसमें अश्लील शब्द का इस्तेमाल था, जिसे रिप्लेस किया गया है। इसके अलावा एंटी स्मोकिंग मैसेज को हिंदी में शामिल करना और एल्कोहल ब्रांड लेबल को धुंधला करने की रिक्वेस्ट सेंसर बोर्ड की तरफ से की गई है।

बहुत जल्दी हो जाती हैं इमोशनल : अनीत

मुंबई। सैयारा एक्ट्रेस अनीत पड्डा ने हाल ही में बताया कि वह बहुत जल्दी इमोशनल हो जाती हैं। वह हफ्ते में एक बार कुछ ऐसा देख लेती हैं कि खुद को रोने से रोक नहीं पाती हैं। उनका कहना है कि इन खास चीजों में उनको प्यार महसूस होता है। जिससे उन्हें अपने काम को और बेहतर करने का दबाव भी महसूस होता है। 23 साल की अनीत ने ग्राजिया इंडिया से बातचीत में कहा, 'मैं बहुत संवेदनशील हूं। जो प्यार मुझे फैंस से मिल रहा है, उसके साथ न्याय करने की जिम्मेदारी कभी-कभी भारी लगती है। ये बहुत खूबसूरत है, लेकिन कई बार बहुत ज्यादा भी हो जाता है।' अनीत कहती हैं कि फैंस का इतना प्यार देखकर अच्छा लगता है, लेकिन उम्मीद भी बढ़ जाती है कि वह उस प्यार के लायक बनें। यही वजह है कि फैन एडिट्स देखकर उनकी आंखें भर आती हैं। अनीत ने मॉडलिंग से अपना करियर शुरू किया। 2022 में उन्होंने काजोल के साथ फिल्म 'सलाम वेंकी' से छोटी भूमिका निभाई, लेकिन उन्हें असली पहचान नहीं मिली। इसके बाद 2024 में अनीत ने वेब सीरीज 'बिग गर्ल्स डोंट क्राई' में अभिनय किया, लेकिन फिर भी लोगों ने उन्हें नोटिस नहीं किया। साल 2025 में फिल्म सैयारा ने उन्हें रातोंरात सुपरस्टार बना दिया। अहान पांडे के साथ फिल्म 'सैयारा' अनीत के करियर की ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई। अनीत पड्डा जल्द ही हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'शक्ति शालिनी' में नजर आएंगी।

किस किसको प्यार करूं 2 का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। कॉमेडियन कपिल शर्मा की अपकमिंग फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' की रिलीज का दर्शकों को काफी इंतजार है। इससे पहले इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' का सीक्वल है। 'किस किसको प्यार करूं 2' के ट्रेलर में दिखाया गया है कि कपिल शर्मा गलतफहमी के चलते तीन शादियां कर लेते हैं। इसके बाद वह तीनों पत्नियों की डिमांड पूरी करते-करते परेशान हो जाते हैं। तीनों पत्नियों के घर वाले कपिल शर्मा को अपना दामाद समझते हैं और उन पर अपना हक जमाते हैं। इसके बाद एक पुलिस वाला कपिल शर्मा से मिलता है। पुलिस वाला कपिल से कहता है कि वह उस इंसान की तलाश में हैं, जिसने तीन शादियां की हैं और अब चौथी करना चाहता है। कपिल शर्मा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' का ट्रेलर शेयर किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा है 'चार पत्नियां। इसे घर पर करने की कोशिश न करें। यह स्टंट हमारे एक्सपर्ट ने किया है। किस किसको प्यार करूं 2 सिनेमाघरों में 12 दिसंबर को रिलीज हो रही है। 'किस किसको प्यार करूं 2' का ट्रेलर दर्शकों को अच्छा लगा है। ट्रेलर में असरानी की झलक दिखी है। उन्होंने इस पर कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा है 'असरानी सर।' एक और यूजर ने लिखा है 'असरानी को देखकर अच्छा लगा।' एक और यूजर ने लिखा है 'ट्रेलर बहुत अच्छा है। फिल्म का इंतजार है।'

शादी टालने के बाद स्मृति ने कैंसिल किया केबीसी 17 में जाना

मुंबई। भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने 'केबीसी 17' में पार्टिसिपेट नहीं कर रही हैं। वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के साथ अमिताभ बच्चन के शो में वर्ल्ड कप स्पेशल एपिसोड में हिस्सा लेने वाली थीं। लेकिन, म्युजिशियन पलाश मुच्छल के साथ शादी टल जाने के वजह से उन्होंने 'केबीसी 17' में अपने साथी क्रिकेटर्स के साथ हिस्सा नहीं लिया। 'केबीसी 17' के उस एपिसोड में हरमनप्रीत कौर, ऋचा घोष और शैफाली वर्मा समेत कई भारतीय महिला क्रिकेटर्स शामिल होंगी और क्विज गेम खेलेंगी। 'केबीसी 17' के इस एपिसोड में स्मृति मंधाना को शामिल नहीं है।

ऑस्कर 2026 की रेस में देश की सबसे ज्यादा कमाई वाली एनिमेटेड फिल्म

मुंबई। 2025 में रिलीज हुई एनिमेटेड फिल्म महावतार नरसिम्हा ऑस्कर 2026 की लिस्ट में शामिल हो चुकी है। 98वें एकेडमी अवॉर्ड्स की एलिजिबिलिटी लिस्ट में इस फिल्म का नाम आया है। मतलब ये फिल्म साल 2026 ऑस्कर अवॉर्ड के लिए शॉर्टलिस्ट हुई है। इस लिस्ट में दुनियाभर की 34 और फिल्में शामिल हैं। महावतार नरसिम्हा जुलाई के महीने में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म के नाम एक खास रिकॉर्ड है। ये फिल्म अबतक भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एनिमेटड फिल्म है। महावतार नरसिम्हा के अलावा द बैड गायज 2, ब्लैक बटरफ्लाइज, बॉयज गो टू जुपिटर, डॉग मैन, डॉग ऑफ गॉड, के पॉप डीमन हंटर्स, जूटोपिया 2, स्लाइड, द ट्विट्स और स्टिच हेड जैसी एनिमेडेट फिल्में 98वें एकेडमी अवॉर्ड्स की एलिजिबिलिटी लिस्ट में शामिल हैं। बेस्ट एनिमेटेड फीचर फिल्म कैटेगरी में शामिल होने के लिए फिल्मों को कुछ शर्तें पूरी करनी होती हैं। इन शर्तों के मुताबिक, फिल्म कम-से-कम 40 मिनट लंबी होनी चाहिए। फिल्म का 75 पर्सेंट हिस्सा एनिमेटेड होना चाहिए। फिल्म को अमेरिका के कुछ चुनिंदा बड़े शहरों में कम से कम 7 दिन लगातार थिएटर में दिखाया जाना चाहिए। नियमों के मुताबिक, अगर कोई एनिमेटेड फिल्म ऊपर दी शर्तों को पूरा करती है तो वो बेस्ट एनिमेटेड फीचर' के साथ-साथ 'बेस्ट इंटरनेशनल फीचर', दोनों कैटेगरी में अपना नाम भेज सकती है। महावतार नरसिम्हा ने इन शर्तों को पूरा करा है। इसलिए फिल्म दोनों कैटेगरी में शामिल होने के लिए योग्य है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com

CLASSIFIED

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- कंप्यूटर ऑपरेटर 3 सुरक्षा गार्ड 56 वेतन योग्यतानुसार (आवास फ्री) संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, FF 6 जे शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ 7747000019, 7747000016, 7746000016, 7746000019. (RO-348)

सेल्स ऑफिसर

आवश्यकता है- एक अग्रणी 100 वर्ष पुराना समूह, जो वन-स्टॉप कंस्ट्रक्शन सॉल्यूशन के रूप में अपनी विरासत रखता है, 1. सेल्स ऑफिसर प्रोजेक्ट्स – रायपुर 2. सेल्स ऑफिसर प्रोजेक्ट्स – जगदलपुर 3. सेल्स ऑफिसर – कोंडागांव 4. सेल्स एक्जीक्यूटिव – HW पेंट्स काउंटर (रायपुर) 5. सेल्स ऑफिसर – कांकेर 6. सेल्स ऑफिसर – ऑल एरिया मुख्य कार्यालय रायपुर , शाखा कार्यालय जगदलपुर । WhatsApp पर अपना CV भेजें: 9685946665, या कॉल करें: 9685946665. Raj enterprises । Imdadi Buildmart । Imdadi Sons (RO-6580)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान/ गोडाउन में कार्य करने हेतु पांचवी पास 2- युवकों की आवश्यकता है. योग्यताः पांचवी पास सैलरी- 11000/- से 12000/- योग्यतानुसार। संपर्क - रायपुर कृषि केंद्र , शॉप नं.- 124, एस. के. प्लाजा कॉम्प्लेक्स, बॉम्बे मार्केट रायपुर (RO-16568)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता है- पम्प एवं नल फिटिंग पाइप दुकान में काम करने हेतु आवश्यकता, सैलरी 10000- 12000, हेमाल की सैलरी 15000, बजाज इंटरप्राइजेज स्टेशन रोड रायपुर 9644433085, 9425843865.(RO-573)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रॉनिकस दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। संपर्क करें स्काई ट्रेक/ स्काई विजन एआर चार द्वितीय तल आर.डी.ए. बिल्डिंग शारदा चौक रायपुर 07712221600, 7987939646.(RO-6578)

हेल्पर/फीटर

आवश्यकता है- खोरपा, रायपुर स्थित माड्यूलर फर्नीचर फैक्ट्री में काम करने हेतु हेल्पर एवं फिटर श्रमिकों की वेतन योग्यतानुसार, माड्यूलर फर्नीचर फैक्ट्री में कार्य का अनुभव रखने वालो को प्राथमिकता, फैक्ट्री में रुकने की सुविधा उपलब्ध संपर्क 7869525648. (RO-A)

एस आर/मार्केटिक

आवश्यकता है- शिवाय & रूद्र कार्पोरेशन को विभिन्न प्रोजेक्ट & सर्विस के लिए HR एक्जीक्यूटिव प्रोजेक्ट का-ऑडिनेटर (सेल्स & मार्केटिंग) की आवश्यकता हैं योग्यता पोस्ट ग्रेजुएशन, ग्रेजुएशन वेतन योग्यतानुसार कॉन्टैक्टः - 7909995001. (RO-384)

सुरक्षागार

आवश्यकता है- एरिया सिक्युरिटी ऑफिसर (ASO) सुरक्षागार्ड, की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- ए 1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 7247247744, 9981210369. (RO-39258)

हरिभूमि

मैनेजर

आवश्यकता है- ऑफिस मैनेजर हेतु लड़के की आवश्यकता है, टैली, माइक्रोसॉफ्ट के जानकार लड़के संपर्क करें। गोयल मार्केटिंग, महामाया मंदिर रोड, पुरानी बस्ती थाना के पीछे, रायपुर. 8966910009, 8719984130.(RO-4043)

आवश्यकता है- माना स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पम्प हेतु अनुभवी मैनेजर एव अन्य स्टाफ की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार संपर्क करें:- 9329798983, 9755098983.(RO-381)

अकाउन्टेंट

आवश्यकता है- सीनियर अकाउंटेंट चाहिए जिसको जीएसटी एवं टैलीप्राइम का अनुभव हो संपर्क करें राजा स्टील ट्रेडर्स कृष्णा टॉकीज रोड रिसाली भिलाई बायोडाटा व्हाट्सएप करें 98261-38080.(आरो न.-693)

ऑपरेटर/डिजाइनर

आवश्यकता है- डीटीपी ऑपरेटर/ग्राफिक्स डिजाइनर 2 पोस्ट ऑफिस बॉय 1 पोस्ट संपर्क करें - साहू कॉम्प्लेक्स, टिकरापारा, रायपुर मो. 9826119520, 9981094302.(RO-6579)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य की आवश्यकताएं 10वीं 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रह कर काम कर सके वेतन 10000 + कमीशन +बोनस +प्रमोशन + रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना 8770508791, 7225815090.(RO-801)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18-28, वेतन 10,000/- +कमीशन +बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री संपर्क:- 7870192397, 779688012.(RO-385)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ से बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है , योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन - 10000(रहना फ्री) ट्रेनिंग के बाद कमाए 20-25 हजार नोट - नशेड़ी फ़ोन न करें मो. 9982589693, 8815522974. (Ro- 513)

ड्रायवर

आवश्यकता है- शंकरनगर ऑफिस में - (1)कार चलाने हेतु अनुभवी , कुशल ड्राईवर (2)ऑफिस गर्ल की आवश्यकता है जो ऑफिस की साफ-सफाई व अन्य कार्यों में सहायता करें। बायोडाटा सहित संपर्क करें:- 9300532000 / 9893132000.(RO-1710)

मार्केटिंग/इंजीनियर

आवश्यकता है- (1) पुरुष मेडिकल मशीन की मार्केटिंग एवं सर्विस इंजीनियर (2) ऑर्थोपेडिक एवं TKR THR Joints की सर्जरी कराने (3) सामान लाने लेजाने+ आफिस जनरल काम हेतु (4) महिला PA ऑफिस कार्य, कम्प्यूटर ऑपरेटर (XL, Word, email, हिन्दी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग) आफिस साफ सफाई चाय पानी। वेतन- 14000 से 30000 पता- भारत मेडिकल सिस्टम Sec11A, कमल विहार, रायपुर 9326609234, 9300335829.(RO-39261)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मैकेनिक/फील्ड वर्क

आवश्यकता है- सोनी मोटर्स (कार गैरेज) में अनुभवी मैकेनिक, फील्ड वर्कर की आवश्यकता है, वेतन योग्यतानुसार संपर्क- रायपुरा चौक के पास अग्रोहा कॉलोनी, रायपुर - 9039626368, 9907432600.(RO-4042)

रिसेप्शनिस्ट/स्वीपर

आवश्यकता है- 1. रिसेप्शनिस्ट (पुरुष) 2. रूम बॉय (पुरुष) 3. स्वीपर (पुरुष) संपर्क करे - सुबह 10 से 5 तक गॉस मेमोरियल सेंटर, जयस्तंभ चौक, के के रोड,रायपुर 0771-2536532.(RO-6577)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के-लड़कियां एवं सेल्समैन-सेल्सगर्ल की आवश्यकता हे वेतन 10000/- से 15000/- तक +कमीशन संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल:- 9329103178.(RO-387)

आवश्यकता

आवश्यकता है- भिलाई-आयुर्वेदिक कंपनी में कार्य हेतु युवक-युवतियों, की आवश्यकता है वेतन 8000-12000,:-Contact 6268279954.(आरो नं.-10309)

आवश्यकता है- दवा कंपनी में कार्य हेतु 10वीं/12वीं पढ़े लड़के की आवश्यकता है दुर्ग भिलाई निवासी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार 6000 से 7000 संपर्क- डॉ . एच. सी .अग्रवाल - 9617789223, 9425555659,समय 5से 8बजे ,पता- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकीज के सामने ब्राइट फर्नीचर के पीछे दुर्ग (C.G) (आरो नं.-4119)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सीनियर असिस्टेन्ट

आवश्यकता है- Direct– joining (pura sal joining) Company- Meesho & Flipkart joining Vacancy- 30 Male Designation- Senior assistant Work- scanning packing Shorter in hand- 11200 +1200 (total salary 12000 CTC) Duty- 9 Ghante (3 Shift) Location- tendua, hirapur Raipur Contact- 8120263486.(RO-386)

अन्य

आवश्यकता है- पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें 8092366306.(RO-757)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - जन कल्याण योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधारकार्ड पर (50,000/- से 15 लाख तक) (1% ब्याज वार्षिक) प्रॉपर्टी, पर्सनल, ग्रुप लोन, सिविल खराब लोन पाए, संपर्क:- 9289384524.(RO-380)

फाइनेंस - राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा सभी प्रकार के लोन, बिजनेस, मार्कशीट, आधारकार्ड, प्रॉपर्टी, कृषि, होमलोन 1% सालाना ब्याज व 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करे, नोट- धोखेबाजों से सावधान, हेडऑफिस लोन डिपार्टमेंट हेल्पलाइन नंबर:- 8168338503, 8168328503.(RO-382)

For Rent किराया

किराये से देना है- दुकान/ ऑफिस /बैंक /के लिए किराए से देना है कारपेट एरिया भूतल 1500 वर्गफीट प्रथमतल 1500 वर्गफीट राजा कम्प्लेक्स लक्ष्मी मार्केट गदा चौक के पास सुपेला भिलाई - 95168-51012 98261-32244.(आरो न.-692)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (जैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

जैकेट के शेष

वैज्ञानिक प्रयोगों की ....
प्रारंभ होगी। इसके पहले हरिभूमि की टीम राजधानी से लेकर दूरस्थ अंचलों के लैब में पहुंची। छात्रों के विज्ञान ज्ञान और नवीन प्रयोग के लिए बनाए गए ये लैब वैज्ञानिक प्रयोगों की कब्रगाह साबित हो रहे हैं।

लैब के लिए कमरा, लेकिन टेबल-कुर्सी नहीं : मस्तूरी ब्लाक के ग्राम पंचायत पोंड़ी के हाई स्कूल में लैब के लिए अतिरिक्त कमरा तो है, लेकिन प्रैक्टिकल का सामान रखने के लिए वहां टेबल, कुर्सी, बेंच की सुविधा नहीं होने के कारण लैब का सामान जमीन पर अव्यवस्थित तरीके से रख दिया गया है। रख-रखाव के अभाव में सामान चारों तरफ फैल गया है। स्कूल में 150 छात्र हैं। छात्रों व शिक्षकों का भी कहना है कि स्कूलों में बेहतर लैब व उपकरणों के अभाव में वे बच्चों को विज्ञान का सही ज्ञान नहीं दे पा रहे हैं। पर्यावरण, विज्ञान, फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के छात्रों को प्रायोगिक ज्ञान देने के लिए खुले में या अतिरिक्त कक्षों में अघोषित लैब बनाई जा रही है। कुछ स्कूलों में प्रैक्टिकल सामग्री उपलब्ध है पर लैब नहीं है।

मैनपुर क्षेत्र : बगैर खोले ....
जब कभी बच्चों को कुछ प्रयोगशाला से संबंधी जानकारी देनी होती है, तो उसे बाहर निकाला जाता है और बच्चों को बताया जाता है। तहसील मुख्यालय मैनपुर के अंतर्गत प्रयोगशाला उपकरण शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नहीं के बराबर है। बीते कुछ वर्षों से नाम मात्र की सामग्री ही यहां उपलब्ध हो पाई है। इसी तरह मैनपुर विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमलीपदर ,उरमाल, मुडगेलमाल , मुचबहाल में प्रयोगशाला से संबंधित सामग्री का भारी अभाव बना हुआ है।

मैनपुर क्षेत्र : बगैर ....
जब कभी बच्चों को कुछ प्रयोगशाला से संबंधी जानकारी देनी होती है, तो उसे बाहर निकाला जाता है और बच्चों को बताया जाता है। तहसील मुख्यालय मैनपुर के अंतर्गत प्रयोगशाला उपकरण शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नहीं के बराबर है। बीते कुछ वर्षों से नाम मात्र की सामग्री ही यहां उपलब्ध हो पाई है। इसी तरह मैनपुर विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमलीपदर ,उरमाल, मुडगेलमाल , मुचबहाल में प्रयोगशाला से संबंधित सामग्री का भारी अभाव बना हुआ है।

जांजगीर-चांपा : हम सीखकर ....
सेकेंडरी स्कूल झलमला, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पकरिया झूलन ,शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल तागा, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कापन, शासकीय हाई स्कूल पड़रिया ,शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल किरारी, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल तिलई, इधर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किकिरदा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा, तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घिवरा जैसे प्रमुख स्कूलों में समुचित लैब की व्यवस्था का अभाव गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। इन विद्यालयों में आवश्यक उपकरणों, रसायनों, मॉडलों और सुरक्षा सामग्रियों की उपलब्धता बेहद कम है। परिणामस्वरूप शिक्षक भी सीमित संसाधनों के बीच जैसे-तैसे प्रैक्टिकल की "खाना-पूर्ति" कर रहे हैं। विद्यार्थी बताते हैं कि परीक्षा के समय बिना प्रयोग किए केवल किताबों के आधार पर प्रैक्टिकल लिखना मजबूरी बन गया है।

पंचायत भवन को बनाया लैब - ग्राम पंचायत बहतराई के शासकीय स्कूल में भवन का अभाव है। इस वजह से स्कूल का दो पाली में संचालन किया जा रहा है। यहां हाई व हायर सेकंडरी के छात्रों की कक्षा पुराने भवन में लग रही है। वहीं लैब के लिए अतिरिक्त कमरा नहीं होने के कारण पंचायत भवन में प्रैक्टिकल की कक्षा लगती है। यहां कक्षा 9वीं व 10वीं में 318 और कक्षा 11वीं -12वीं में 250 से अधिक बच्चे पढ़ाई करते हैं। बच्चों को पंचायत भवन में ले जाकर प्रैक्टिकल करवाया जाता है। इसके साथ ही हाईस्कूल सिरगिट्टी, बैमा नगोई, देवरीखुर्द, मोपका, लगरा, मटियारी, गुड़ी, धूमा, चिंगराजपारा, पोंड़ी के विद्यालयों की भी यही स्थिति है।

स्व. कीर्तिनारायण द्विवेदी ....
का निधन हो गया। स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी का एक दिन पहले मंगलवार को 84 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया था। उनकी अंतिम यात्रा बुधवार को ग्वालियर स्थित उनके निज निवास 3, सिंधी कॉलोनी से शुरू हुई। उनकी अंतिम यात्रा में शहर के साथ ही अन्यत्र स्थानों से आए लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। इससे पहले सुबह से ही स्व. द्विवेदी को श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। उनके निवास पर राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, भाजपा विधायक मोहन सिंह राठौर सहित अनेक गणमान्य नागरिक पहुंचे और दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

श्रद्धांजलि सभा में भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी : इस मौके पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वरिष्ठ नेताओं और गणमान्य नागरिकों ने कहा कि स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी का जीवन सादगी, विनम्रता और निरंतर कर्मशीलता की मिसाल रहा है। वे सदैव लोगों को जोड़ने वाले, मुस्कुराकर हर परिस्थिति का सामना करने वाले और रिश्तों को निभाने वाले व्यक्ति थे। उनके देवलोक गमन को सभी ने अपूरणीय क्षति बताया। इस भावुक क्षण में उपस्थित लोगों ने द्विवेदी परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

अंतिम यात्रा में बड़ी ....
विधायक मोहन सिंह राठौड़, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, डॉ. एएस भल्ला, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष भूपेंद्र द्विवेदी, एडवोकेट पवन पाठक, डॉ. अशोक मिश्रा सहित शहर के अनेक वरिष्ठ जन मौजूद रहे। इनके साथ ही साथ पारिवारिक सदस्यों में उनके छोटे पुत्र एडवोकेट रवि द्विवेदी व परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित थे। परिजनों व अन्य लागों ने भारी मन से अपने प्रियजन को अंतिम विदाई दी।

डीजी कान्फ्रेंस कल, रमन ....
बात ये है कि इस आयोजन के जरिए प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक साथ यहां मौजूद रहेंगे। आयोजन में देश के सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशक (डीजी) पुलिस महानिरीक्षक) आईजी भी शामिल होंगे।

तगड़ी सुरक्षा के ....
राज्य शासन के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार ये सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। इसके बाद कार्यक्रम स्थल आईआईएम नवा रायपुर सहित अन्य स्थानों पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियंत्रण केंद्रीय एजेंसी आईबी को सौंप दिया गया है। आईबी के कामकाज पर नजर रखने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

गृहमंत्री अमित शाह ...
होकर नवा रायपुर में बंगला नंबर एम 11 नवा रायपुर अटल नगर में रात्रि विश्राम करेंगे। इसके बाद 6.30 बजे आईआईएम से रवाना होकर 6.40 के बंगला एम 11 में आएंगे। यहां उनका समय 7.50 तक आरक्षित रहेगा। इसके बाद 7.50 को यहां से निकलकर 8 बजे आईआईएम में आएंगे। यहां शाम 7.45 बजे तक रहेंगे। 30 नवंबर को सुबह 5.50 बजे बंगला एम 11 से रवाना होकर 6 बजे आईआईएम आएंगे। साढे 6 बजे तक यहां योग सत्र में हिस्सा लेंगे। यहां से 6.40 बजे रवाना होकर बंगला एम11 में आएंगे और 7.50 बजे तक रहेंगे। 7.50 बजे यहां से फिर आईआईएम में आएंगे। यहां 8 बजे से 4. 40 बजे तक कांफ्रेस में शामिल होंगे। इसके बाद आईआईएम से एयरपोर्ट आकर 4 .55 बजे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

बारात से लौट रही ....
लौट रहे थे। स्कॉर्पियो नेशनल हाईवे पर जांजगीर के आगे सुकली गांव के पास पहुंचा था कि तेज रफ्तार ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। दोनों वाहनों के बीच जबरदस्त टक्कर हुई जिससे स्कॉर्पियो का सामने का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार नवागढ़ निवासी विश्वनाथ देवांगन, पिता सुखरु देवांगन उम्र 43 वर्ष, भारतीय सेना में कार्यरत राजेंद्र कश्यप, पिता कोमल कश्यप उम्र 27 वर्ष,एसएएफ में तैनात जवान भूपेंद्र साहू, पिता रेशम साहू उम्र 40 वर्ष की मौके पर मौत हो गई। वही पोमेश्वर जलतारे, पिता पुरुषोत्तम जलतारे (उम्र 33 वर्ष) और कमलनयन साहू, पिता रामचरण साहू उम्र 22 वर्ष ने अस्पताल मे दम तोड़ दिया। इसके अलावा तीन युवक गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद सिम्स बिलासपुर रेफर किया गया है। घायलों की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। टक्कर के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर और एसपी भी जिला अस्पताल पहुंचे, जहां सभी मृतकों का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडे ने बताया कि ट्रक झारखंड पासिंग की है उसके मालिक से बात हुई है आरोपी चालक को शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा। प्रशासन द्वारा शासन के निर्माण अनुसार मुआवजा देने की तैयारी की जा रही है। दुर्घटना का सबसे पीड़ादायक पहलू यह है कि मृतकों में आर्मी और एसएएफ के दो जवान भी शामिल हैं, जो छुट्टी पर घर आए हुए थे।

उजड़ गया सिंदूर : सड़क हादसे में जान गवाने वाले सेवा के जवान राजेंद्र कश्यप की अभी 22 नवंबर को ही शादी हुई थी उसकी शादी को महज तीन दिन ही हुए थे और इस सड़क हादसे में उसकी जान चली गई उसकी मौत की सूचना के बाद उसके घर में मातम छा गया।

क्षेत्र में शोक की लहर : हादसे में जान गंवाने वाले सभी बारात से लौट रहे थे। इस दुखद घटना ने पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी है। नगर के कई व्यापारिक प्रतिष्ठान स्वतः बंद रहे। पांचों शव जब एंबुलेंस से नगर पहुंचे तो बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और समाजजन उमड़ पड़े।

शिक्षा के नाम ....
सजा के तौर पर क्लास से बाहर निकाल दिया। इसके बाद स्कूल परिसर में एक पेड़ से रस्सी के सहारे उसे को लटका दिया। बच्चा रस्सी के सहारे घंटों लटकता रहा।

निरंजन दास ने ....
खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया है। जिन लोगों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया गया है, वे सभी न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं।

लाभ पहुंचाने नीति में परिवर्तन : कोर्ट में पेश पूरक चालान में उल्लेख किया गया है कि निरंजन दास ने अपने तीन वर्ष के कार्यकाल में शराब सिंडिकेट से जुड़े लोगों को लाभ पहुंचाने नियमों में परिवर्तन किया। साथ ही विभागीय टेंडर में गड़बड़ी करने का आरोप है। ऐसा करने में निरंजन दास को अनिल टूटेजा तथा अनवर ढेबर का संरक्षण प्राप्त था।

हर माह मिलता था 50 लाख रुपए कमीशन : कोर्ट में पेश आरोप पत्र में निरंजन दास पर आरोप लगाया गया है कि नीति में बदलाव करने तथा सिंडिकेट से जुड़े लोगों को मदद करने के एवज में निरंजन दास को हर माह कमीशन के रूप में 50 लाख रुपए मिलता था। निरंजन दास को उनके कार्यकाल के दौरान कुल 16 करोड़ रुपए कमीशन मिलने का उल्लेख आरोप पत्र में किया गया है। कमीशन की राशि 16 करोड़ रुपए से ज्यादा मिलने की ईओडब्लू ने आशंका व्यक्त की है। कोर्ट में पेश पूरक चालान में उल्लेख किया गया है कि घोटाले से प्राप्त रकम को निरंजन दास ने अपने परिजनों के नाम पर अचल संपत्ति अर्जित करने में खर्च की है।

ओम साईं ब्रेवरेज को मिला 114 करोड़ : विदेशी शराब निर्माता कंपनियों के माध्यम से जबरन कमीशन उगाही करने बनाई गई दोषपूर्ण एफएल 10-ए लाइसेंस के लाभार्थी ओम साईं ब्रेवरेज के संचालक अतुल सिंह तथा मुकेश मनचंदा ने सिंडिकेट तक कमीशन पहुंचाया। इस तरह से ओम साईं ब्रेवरेज कार्पोरेशन के संचालकों ने शराब आपूर्ति में घोटाला कर 114 करोड़ रुपए का बेनामी लाभ अर्जित किया। इससे शासन को 530 करोड़ रुपए से ज्यादा का राजस्व नुकसान हुआ।

अनवर की रकम ....
को प्राप्त कमीशन की राशि मैनेज करने दीपेन ने श्री एग्रो के नाम से कंपनी बनाई थी, जिसका वो खुद डायरेक्टर था। दीपेन चावड़ा अनवर ढेबर के शराब के साथ अन्य घोटाले की रकम को अपने श्री एग्रो में निवेश कर व्हाइट मनी में तब्दील करने का काम करता था।

पेज एक के शेष

महिला और युवक के चेहरे पर...
जिसके बाद महिला एक युवक के घर में रहने चली गई, इसके दो दिन बाद महिला का चचेरा ससुर, चचेरी सास व दो अन्य लोगों ने पहले पुरूष और महिला के चेहरे पर कालिख पोत दी और पूरे गांव में घुमाया। इस दौरान कई लोगों ने वीडियो भी बनाया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई है। कुछ ग्रामीणों ने इस कदम को न्यायसंगत बताया, जबकि बड़ी संख्या में लोगों का मानना है कि इस तरह की सार्वजनिक बेइज्जती कानूनन गलत है और किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती। स्थानीय प्रशासन को भी मामले की जानकारी मिल चुकी है।

आरोपियों की गिरफ्तारी की तैयारी : जनकपुर थाना प्रभारी ओमप्रकाश दुबे ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। उन्होंने पुष्टि की कि महिला की शादी करीब 8 साल पहले हुई थी और उसके तीन बच्चे हैं, जबकि ओम प्रकाश भी शादीशुदा है और उसका एक बच्चा है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी की तैयारी जारी है।

आरोपियों पर एफआईआर...
पक्ष (चाचा ससुर राय सिंह, गुलाब सिंह और चाची सास उर्मिला, अनीता) ने कथित प्रेमी-प्रेमिका को पकड़ लिया। इसके बाद गांव के बड़े-बुजुर्गों और पदाधिकारियों की मौजूदगी में पंचायत बुलाई गई। यहाँ दोनों पर 'नाजायज रिश्ते' का आरोप लगाते अपमानित किया।

नक्सलियों में भगदड़ के...
और 29 पुरुष कैडर शामिल हैं। जिन्होंने सशस्त्र और हिंसक विचारधारा से स्वयं को अलग कर शांति और प्रगति के मार्ग को अपनाया है। सभी ने पुलिस आईजी सुंदरराज पी, आईजी सीआरपीएफ सीजी सेक्टर रायपुर, डीआईजी दंतेवाड़ा रेंज, डीआईजी सीआरपीएफ ऑप्स बीजापुर सेक्टर के मार्गदर्शन व एसपी बीजापुर के निर्देश में चलाए जा रहे माओवादी उन्मूलन अभियान के तहत डीआरजी, बस्तर फाइटर, एसटीएफ, कोबरा व सीआरपीएफ के द्वारा किए जा रहे संयुक्त प्रयास व छग शासन की पुनर्वास एवं आत्मसर्पण नीति के साथ चलाये जा रहे नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर समर्पण किया। समर्पण के दौरान होकर डीआईजी सीआरपीएफ बीएस नेगी, एसपी बीजापुर डॉ जितेन्द्र कुमार यादव, एएसपी रविन्द्र मीणा, एएसपी अमन कुमार झा, एएसपी युलैण्डन यार्क, टूआईसी राजेश चौहान, डीसी अशोक कुमार, डीएसपी सुदीप सरकार, डीएसपी बस्तर फाइटर श्री चन्द्रहास व डीएसपी रोशन आहूजा के समक्ष आत्मसमर्पण किया। समर्पण करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास योजना के तहत 50-50 हजार रूपए प्रोत्साहन राशि दी गई। इनमें पीएलजीए बटालियन नम्बर एक के अलावा 5 कंपनी मेंबर, 3 एरिया कमेटी मेंबर, 11 प्लाटून एवं एरिया कमेटी पार्टी मेंबर, 2 पीएलजीए मेंबर, 4 मिलिशिया प्लाटून कमाण्डर, एक मिलिशिया प्लाटून डिप्टी कमांडर, 6 मिलिशिया प्लाटून सदस्य के अलावा 9 अलग अलग आरपीसी के जनताना सरकार अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य, डीएकेएमएस, केएएमएस अध्यक्ष व मेंबर शामिल है।

समर्पित नक्सलियों में...
कारम, अनिल मड़कम उर्फ मूडा, सावित्री कारम उर्फ कविता, सोमारू माडवी, हिडमो पोयाम, रामबती बेडता, मंगलू लेकाम, चैतूराम पोडियम, धनीराम अवलम उर्फ संतोष, कोमशीला बेडता, सोनू कवासी व सीतू हेमला व अन्य शामिल है।

भारत को मिली 2030 राष्ट्रमंडल खेलों...
संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोगों ने किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉक्टर डोनाल्ड रुकारे ने कहा, भारत राष्ट्रमंडल खेलों में पैमाना, युवा, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति और प्रासंगिकता लेकर आया है।

पीटी उषा ने विश्वास के लिए जताया आभार : भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने मेजबानी मिलने पर खुशी जाहिर की कहा कि भारत उस पर दिखाए गए विश्वास के लिए सभी का आभारी है।

सड़क दुर्घटना में दो मासूम छात्रों की...
किया गया। पुलिस ने आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। तब जाकर चक्का जाम आंदोलन खत्म हुआ। पुलिस ने बताया कि वाहन चालक सजन अग्रवाल बरमकेला निवासी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। तहसील मुख्यालय सरिया में बुधवार सुबह 9 बजे अटल चौक के पास यह घटना घटी। प्रतिदिन की भांति बुधवार को सरिया से लगे ग्राम बरपाली निवासी मेघनाथ पटेल अपने भतीजा हर्षित पटेल एवं प्रिया पटेल को सरिया के रास्ते पुजारीपाली भारत माता पब्लिक स्कूल छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ब्रेजा वाहन चालक ने आगे से बाइक सवार व्यक्ति को ठोकर मार दी। बाइक में दो मासूम बच्चे बैठे थे। इस दौरान दोनों बच्चों को गंभीर चोट लगी तथा बाइक सवार बच्चों के चाचा को भी चोट लगने पर अस्पताल भेजा गया। जहां सरिया अस्पताल में ही हर्षित पटेल 7 वर्ष कक्षा दूसरी की छात्र की मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल प्रिया पटेल 7 वर्ष कक्षा पहली की रायगढ़ अस्पताल में मौत हो गई। इस तरह ब्रेजा वाहन के चालक के घोर लापरवाही मनमानी के कारण दो मासूम स्कूली बच्चों की मौत से सरिया अंचल में शोक व्याप्त है। घटना इतनी जबरदस्त था कि और कई लोगों के जान जा सकता था। लेकिन ऐन वक्त पर सड़क किनारे एक ट्रैक्टर खड़े होने से कई लोगों की जान बच गई। और ब्रेजा वहां पहले बाइक को ठोकर मारने के बाद ट्रैक्टर में जाकर टकरा गई। यदि ट्रैक्टर नहीं होता तो और कई लोगों के जान जा सकते थे। इस वक्त ट्रैक्टर के आगे कई लोग एक इटली के दुकान में इटली नाश्ता कर रहे थे। जबकि बाइक सवार मेघनाथ पटेल की हालत गंभीर होने पर उन्हें रायगढ़ के एक अस्पताल में भर्ती किया गया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने अटल चौक में वाहन चालक को सहयोग करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई करने के मांग को लेकर आन्दोलन किया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंची और समझाइश देने के बाद अंतत चक्का जाम आंदोलन खत्म किया। हर्षित पटेल अपने माता पिता की इकलौते से संतान हैं। इसी तरह प्रिया पटेल भी घर की लाडली बेटी है थी। घटना के बाद से आक्रोशित ग्रामीण बरपाली से सरिया पहुंच गए और ठोस कार्रवाई की मांग करने लगे। एक माह के अंदर सरिया में सड़क दुर्घटना में यह तीसरी घटना है। जिसमें चार लोगों की जान चली गई हैं।

राम मंदिर पर फहराया ध्वज...
उगला है। उसने भारत पर जम्मू और कश्मीर में मानवाधिकार का हनन करने का आरोप लगाया। अयोध्या में राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज स्थापना की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक घटना के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बयानबाजी का एक नया दौर शुरू हो गया है।

हॉन्गकॉन्ग की 35 मंजिला इमारत में आग...

दर्दनाक हादसे में 36 की मौत, करीब 300 लापता

ताईपो। हान्गकान्ग की एक ऊंची आवासीय इमारत में बुधवार को भीषण आग लग गई है। इस दर्दनाक हादसे में 36 लोगों की मौके पर मौत हो गई है। हॉन्गकॉन्ग के उत्तरी ताई पो जिले में बुधवार को एक 35 मंजिला रिहायशी कॉम्प्लेक्स की 3 इमारतों में आग लग गई। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक इस हादसे में चार लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 9 लोग घायल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि आग कम से कम तीन इमारतों तक फैल गई थी। बीबीसी के मुताबिक कम से कम 13 लोग इमारत के अंदर अब भी फंसे हुए हैं। वांग फुक कोर्ट के ये टावर बांस की मचान से ढके हुए थे। हान्गकान्ग में निर्माण और मरम्मत कार्यों में बांस की मचान का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। ऐसा माना जा रहा है कि इसकी वजह से आग तेजी से फैली।

दिल्ली आतंकी हमलाः एनआईए ने धौज के शोएब को किया गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली में हुए आतंकी हमले को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जांच तेज कर दी है। अब एनआईए ने बड़ा एक्शन लेते हुए आतंकी उमर के मददगार शोएब को फरीदाबाद के धौज से गिरफ्तार किया है। शोएब को गिरफ्तार करने के बाद एनआईए ने उसे पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। इसके बाद कोर्ट ने शोएब को 10 दिन की एनआईए रिमांड पर भेज दिया।

पटियाला हाउस कोर्ट ने 10 दिन की रिमांड पर भेजा

शोएब गिरफ्तार होने वाला सातवां आरोपी
धौज (फरीदाबाद) निवासी शोएब इस मामले में गिरफ्तार होने वाला सातवां आरोपी है। एनआईए की जांच में पता चला है कि उसने 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के बाहर हुए कार बम विस्फोट से पहले आतंकवादी उमर को रसद सहायता भी प्रदान की थी। इस कार बम विस्फोट में कई लोग मारे गए थे और घायल हुए थे। एनआईए ने इससे पहले आरसी-21/2025/ एनआईएडीएलआई मामले की जांच के दौरान कार बम विस्फोट करने वाले उमर के छह अन्य प्रमुख सहयोगियों को गिरफ्तार किया था। एजेंसी आत्मघाती बम विस्फोट के संबंध में विभिन्न सुरागों का पता लगाने में जुटी है और इस भीषण हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए संबंधित पुलिस बलों के साथ समन्वय में विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चला रही है। इस घातक आतंकी हमले के पीछे की पूरी साजिश का पर्दाफाश करने के प्रयास जारी हैं।

6 आरोपी पहले से गिरफ्तार
दिल्ली धमाके में एनआईए ने डॉक्टर आदिल अहमद, डॉक्टर मुजम्मिल शकील, डॉक्टर शाहीन सईद, आमिर राशिद अली, जसीर बिलाल वानी और मुफ्ती इरफान को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। मुजम्मिल ने फरीदाबाद में एक किराए पर कमरा लिया था और उसके ही ठिकाने से 300 किलो से अधिक अमोनियम नाइट्रेट बरामद हुआ था। इसके बाद से यह पूरा मामला खुलता चला गया। वहीं शाहीन सईद की भूमिका इसमें प्रमुख है। वह अल फलाह यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थी और उसका काम आतंकी गतिविधियों के लिए फंड इकट्ठा करना और महिलाओं को आतंकी संगठन से जोड़ना था। इस मॉड्यूल में सबसे पहले आदिल अहमद को गिरफ्तार किया गया था और उसके बाद उसकी निशानदेही पर ही डॉक्टर मुजम्मिल और शाहीन की गिरफ्तारी हुई थी।

मैं अपने देश में असुरक्षित महसूस नहीं करता : कपिल

मुंबई। 26 नवंबर को कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' का ट्रेलर लॉन्च हुआ। ट्रेलर लॉन्च के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कपिल ने वहां मौजूद मीडिया के सवालों के जवाब भी दिए। इस दौरान कपिल से उनके कनाडा स्थित कैप्स कैफे पर तीन बार हुई फायरिंग को लेकर सवाल किया गया। कपिल पहली बार कैप्स कैफे फायरिंग पर बात करते दिखे। उन्होंने जवाब में कहा- 'मैं अपने देश में असुरक्षित महसूस नहीं करता, ये घटना कनाडा में हुई। तीन बार वहां फायरिंग हुई। मुझे लगता है कि वहां के जो रूल्स हैं, पुलिस के पास इतनी पावर नहीं है कि वो उस चीज को कंट्रोल कर सके। लेकिन उसके बाद जो हमारा केस हुआ, ये केस फेडरल में चला गया। जैसे हमारी सेंट्रल गवर्नमेंट होती है, वैसे ही कनाडा में पार्लियामेंट में इस पर चर्चा हुई। ऊपर वाला जो करता है, उसके पीछे की कहानी हम समझ नहीं पाते हैं।

पाक ने नई एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइल का किया परीक्षण

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी नौसेना ने अपने बनाए जहाज से एक नई मिसाइल छोड़ी और वह बिल्कुल सही निशाने पर लगी। इस मिसाइल का नाम अभी सार्वजनिक नहीं किया गया, लेकिन यह एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइल है – यानी दुश्मन के युद्धपोत को समुद्र में ही डुबोने वाली मिसाइल। यह पूरी तरह पाकिस्तान में बनी है। जहाज से छोड़ी जाती है, यानी नौसेना के जहाज पर लगी रहती है।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. Ltd.
CIN-U40108CT2003SGC015820 GSTIN-22AADCC5773E1ZX (A Government of Chhattisgarh Undertaking)
OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (TRANS.), RAIPUR
QTR. NO.-C-08/11, FIRST FLOOR, Danganiya, Raipur (C.G.) -492 013
Website- www.cspc.co.in e-mail: - cetrans.raipur@cspc.co.in Ph.No. 0771-2574411,4450

No.02-19/Tender/P-106/1026 Raipur, Dtd: 25.11.2025

NOTICE INVITING TENDER (Through e-bidding in SAP SRM System)

Sealed tenders are invited from eligible bidders for following work:-

Sl.	Tender No.	Particulars of works	E.M.D. (in Rs.)	Due date of opening
1	02-19/ Tender/ P-106/1026 dtd.25.11.2025 RFx No.- 8100047770	Job work for readiness of 315 MVA ICT -II bearing S.No. T-7141-01 L-0560 Make-GE, for its internal inspection, recommissioning after its internal inspection & rectification work, if any, at 400/220 KV S/s CSPTCL, Kurud.	Rs. 14,000/-	16.12.2025 14:30Hrs.

NOTE :- (I) Other terms & condition details etc. regarding tender can be seen on our website www.cspc.co.in
SAVE ELECTRICITY
Executive Director (Trans)
CSPTCL, Raipur (C.G.)

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (CIVIL) AU&PC, CSPGCL
Shed No. 02, Dangania, Raipur-492013 Phone No. 0771-2576320 & 0771-2576324,
website www.cspc.co.in E-mail:- cecivil.aupc@gmail.com

No. 03-15/W/1242 Raipur, date: 24.11.2025

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from eligible bidders fulfilling the eligibility criteria as mentioned below and having experience in Govt./Public Sector Undertaking/Local bodies/Power Generating Companies in India only for the following work :-

Sl. No.	Tender Specification No.	Description	NIT value i/c GST (Rs.)	EMD (Rs.)	Completion period (incl. Rainy season)	Rfx No.
1.	CEC/AU&PC /HTPS-KW/ W/2025/89	Construction of RCC pit to develop Ash Water Recovery System at outlet of Pond No. 02 at ash dyke Dindolbhatha 1x500 MW Extn. HTPS, CSPGCL, Korba-West.	22,05,830/-	22,100/-	02 Months	81000 47571

Cost of tender form is Rs. 590/- (Rs.500/- + 18% GST). The due date & time for submission of bids, Tender Cost & EMD is 15.12.2025 (up to 15:00 Hrs) and bid opening date (Techno commercial bids) is 17.12.2025 (up to 16:00) Hrs respectively. The tender document can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in: 50724/irj /portal.
Note:- (i) In case, the rate quoted by the bidder is on abnormally lower side, a performance guarantee @5% of contract value i/c GST in addition to Security Deposit shall have to be deposited by the bidder.(ii)Maintenance period for the work shall be 12 months.
SAVE ELECTRICITY
Chief Engineer (Civil) AU&PC,
CSPGCL, Raipur

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल अभियंता (को.) / द.पू.म.रे., नागपुर निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

क्रमांक 1. निविदा सूचना सं. S/20/NGP/ 2025-2026
कार्य का नाम : गोंदिया-चंडाफोर्ट (SL) खंड में 63.521 ट्रैक किलोमीटर की CTR(P) कार्यवाही PQRS/SQRS पद्धति व ठेकेदार पोर्टल के माध्यम से तथा ADEN/नागभीड़ के अधिकार क्षेत्र में आने वाले अन्य संबंधित कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य : रु. 17,39,11,215/-
बिड सुरक्षा : रु. 10,19,600/-

क्रमांक 2. निविदा सूचना सं. S/21/NGP/2025-2026
कार्य का नाम :(1) रेलवे सीमा के साथ G-CAF खंड में सीमा स्तंभों की स्थापना (ADEN/NAB के अधिकार क्षेत्र में) **(2)** G-CAF खंड के 13 स्टेशनों पर दिव्यांगजन हेतु सुविधाओं की उपलब्धता (अएछ/छअइ के अधिकार क्षेत्र में)
अनुमानित निविदा मूल्य : रु. 59,55,678/- **बिड सुरक्षा :** रु. 1,19,100/-

क्रमांक 3. निविदा सूचना सं. S/22/NGP/2025-2026
कार्य का नाम : (1) ऑफिसर्स रेस्ट हाउस, माउंट रोड, नागपुर का उन्नयन **(2)** DRM कॉम्प्लेक्स, द.पू.म.रेलवे/नागपुर के अभियंत्रण विभाग के विभिन्न कार्यालयों, अधिकारी कक्षों तथा गलियारों में सुधार कार्य (ADEN/वर्क्स/नागपुर के अधिकार क्षेत्र में)
अनुमानित निविदा मूल्य : रु. 2,35,24,151/-
बिड सुरक्षा : रु. 2,67,600/-

क्रमांक 4. निविदा सूचना सं. E/42/NGP/2025-2026
कार्य का नाम : मैन्युअल व रेलवे के PQRS/SQRS पोर्टल द्वारा 27 ट्रैक किलोमीटर का टीएसआर (P) कार्य तथा Sr.DEN/ईस्ट/नागपुर के अधिकार क्षेत्र में अन्य संबंधित कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य : रु. 7,87,80,703/-
बिड सुरक्षा : रु. 5,43,900/-

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित निविदाएं केवल **12.12.2025** को **15:00 बजे तक** ऑनलाइन ही जमा कर सकेंगे। मैनुअल ऑफ़र स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विस्तृत जानकारी www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है
वरिष्ठ मंडल अभियंता (दक्षिण)
AAA/43/196 द.पू.म. रेलवे, नागपुर
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

शब्द पहेली - 6060

बाएँ से दाएँ
1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली- 6059 का हल

अ	रा	ज	क	ता	■	■	म	वा	ली	■
स	म	■	ल	■	चा	ला	न	■	ख	त
मा	■	■	प	ना	ह	■	न	■	■	म
न	ज	रा	ना	■	■	म	■	क	या	स
ता	■	व	■	ना	ला	य	क	■	प	■
■	प्रा	ण	■	म	■	खा	■	जा	न	■
■	रु	■	आ	ज	मा	ना	■	हि	■	म
स	प	ना	■	द	■	■	ब	ल	वा	न
र	■	■	स	■	ल	की	र	■	■	भा
ल	व	■	न	सी	ब	■	सा	■	दा	व
■	ध	म	की	■	■	इ	त	मी	ना	न

सूडोकु नवताल - 6070
★★★★☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6069 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

पानी से भी सस्ता होगा कच्चा तेल, मार्च 2027 तक हो सकता है बड़ा खेल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें एक लीटर पानी की बोतल से भी कम हो सकती है। इस बात की भविष्यवाणी दुनिया की दिग्गज ब्रोकरेज फर्म जेपी मॉर्गन की ओर से की गई है। फर्म की ओर से अनुमान लगाया गया है कि कच्चे तेल की कीमतें वित्त वर्ष 2027 के अंत या मार्च 2027 तक 30 डॉलर प्रति बैरल हो सकती है। अगर इसे भारतीय रुपयों में देखा जाए और एक्सचेंज रेट के हिसाब से 1 डॉलर को 95 रुपए के हिसाब से देखा जाए तो कच्चे तेल की 1 बैरल की कीमत 2850 रुपए होगी. इसका मतलब है कि एक लीटर कच्चे तेल के दाम 18 रुपए से भी कम हो जाएंगे।

30 डॉलर पर आ सकते हैं कच्चे तेल के दाम

जेपी मॉर्गन ने कच्चे तेल की कीमतों को लेकर जबरदस्त भविष्यवाणी की है। ये बात दुनिया के उन देशों के लिए काफी बड़ी खुशखबरी हो सकती है, जो कच्चे तेल के लिए सिर्फ आयात पर ही निर्भर हैं। जेपी मॉर्गन ने अनुमान लगाया है कि ब्रेंट क्रूड की कीमत वित्त वर्ष 27 के अंत तक यानी मार्च 2027 तक 30 डॉलर प्रति बैरल तक गिर सकती है। यानी मौजूदा लेवल से ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 50 फीसदी से ज्यादा कम होने की संभावना है।

मांग से अधिक सप्लाई होगी

इस संभवित गिरावट के प्रमुख कारणों की बात करें तो जेपी के अनुसार बढ़ती ग्लोबल सप्लाई होगी, जोकि डिमांड से कहीं ज्यादा देखने में मिल सकती है। इंवेस्टमेंट बैंक के फ्रेश अनुमान से पता चलता है कि अगले तीन वर्षों में तेल की खपत में लगातार वृद्धि के बावजूद, सप्लाई में इजाफा देखने को मिलेगा। खासकर ये सप्लाई नॉन ओपेक प्लस देशों की ओर से बढ़ेगी, जो एनर्जी मार्केट को काफी प्रभावित करेगी और कीमतों में दबाव डालेगी।

कितनी है डिमांड और क्या होगा इजाफा?

2025 में ग्लोबल ऑयल डिमांड में 0.9 एमबीडी की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे कुल खपत 105.5 एमबीडी हो जाएगी। अनुमान है कि 2026 में ग्रोथ रेट स्थिर रहेगी और 2027 में 1.2 एमबीडी तक बढ़ जाएगी। फिर भी यह स्थिर ग्रोथ सप्लाई के साथ तालमेल रखने की संभावना नहीं है, जिसके बारे में जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि 2025 और 2026 दोनों में मांग की दर से लगभग तीन गुना वृद्धि होगी।

ये देश बढ़ाने वाले हैं प्रोडक्शन

इस असंतुलन का एक प्रमुख कारण नॉन-ओपेक+ प्रोडक्शन में इजाफा होगा। बैंक ने नोट किया है कि 2027 तक अनुमानित सप्लाई लाभ का आधा हिस्सा गठबंधन के बाहर से आएगा। जो मजबूत ऑफशोर ग्रोथ और ग्लोबल शेल में निरंतर गति से प्रेरित होगा. ऑफशोर, जिसे कभी एक साइकलिक और कॉस्ट वैवी सेक्टर माना जाता था, अब एक विश्वसनीय, कम कॉस्ट वाले ग्रोथ इंजन में बदल गया है।

खबर संक्षेप

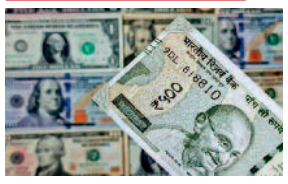

डॉलर के मुकाबले रुपया 89.23 पर लगभग स्थिर

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को एक सीमित दायरे वाले कारोबार के दौरान अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया एक पैसे की गिरावट के साथ 89.23 (अस्थायी) पर बंद हुआ। मजबूत घरेलू शेयर बाजारों और वैश्विक कच्चे तेल कीमतों में गिरावट ने डॉलर की मजबूती के असर को कम कर दिया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की निकासी और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर चिंताओं से बाजार में जोखिम लेने की धारणा कमजोर हुई है।

जेके लक्ष्मी सीमेंट उत्पादन बढ़ाने के लिए करेगी निवेश

नई दिल्ली। जेके लक्ष्मी सीमेंट ने कहा कि वह छत्तीसगढ़ में विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए 1,816 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी अपनी क्लिंकर उत्पादन क्षमता को 23.1 लाख टन प्रति वर्ष और सीमेंट ग्राइंडिंग क्षमता को 12 लाख टन प्रति वर्ष तक बढ़ाने की योजना बना रही है। इसके लिए 1,816 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। प्रस्तावित निवेश के लिए सहमति पत्र पर नयी दिल्ली में आयोजित छत्तीसगढ़ निवेशक संपर्क कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साई की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए।

पीएम ने हैदराबाद में फ्रांसीसी विमानन कंपनी का किया ऑनलाइन उद्घाटन

सुधार-उन्मुख भारत ले रहा बड़े फैसले, अब हम निवेशकों के भरोसेमंद साझेदार : मोदी

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की निवेश क्षमता पर बल देते हुए बुधवार को कहा कि सुधारों को तेजी से लागू कर रहा भारत अब बड़े फैसले लेता है और निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के विमान इंजन एमआरओ संयंत्र का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन करते हुए यह बात कही। पीएम ने कहा कि यह संयंत्र युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने व्यवसाय से जुड़े सैकड़ों प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया है और राष्ट्रीय एकल-खिड़की व्यवस्था से विभिन्न अनुमोदन को एक मंच पर लाया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, संयंत्र युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करेगा

शासन अब पहले से अधिक सरल व पारदर्शी

मोदी ने कहा कि जीएसटी सुधार, चेहरा-रहित कर आकलन, नए श्रम कानून और दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के आने से शासन पहले से अधिक सरल और पारदर्शी बना है। उन्होंने कहा, ''इन कोशिशों से भारत को अब एक भरोसेमंद साझेदार, एक बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा है।

भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा बाजार

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का नागर विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और देश का घरेलू बाजार दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने 1,500 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया हुआ है। उन्होंने बताया कि विमानों के रखरखाव, मरम्मत एवं देखभाल यानी एमआरओ का करीब 85 प्रतिशत काम विदेशों में होने से लागत बढ़ती है और विमानों को लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है।

सर्विसिंग के लिए स्थापित किया जा रहा संयंत्र

इस चुनौती को देखते हुए सरकार भारत को वैश्विक एमआरओ केंद्र के रूप में विकसित कर रही है। मोदी ने कहा कि सैफरान का इंजन एमआरओ केंद्र देश में पहली बार किसी वैश्विक विमान कंपनी द्वारा विस्तृत सर्विसिंग के लिए स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कंपनी की वैश्विक प्रशिक्षण और ज्ञान हस्तांतरण साझेदारी से आने वाले वर्षों में एमआरओ पारिस्थितिकी को नई दिशा मिलेगी।

भारत में युवा प्रतिभाओं की भरमार है

आज भारत में तेजी से वृद्धि हो रही है, सरकार स्थिर है, सुधार पर ध्यान देने वाली सोच है, युवा प्रतिभाओं की भरमार है और एक बड़ा घरेलू बाजार है। सबसे जरूरी बात, भारत में निवेश करने वालों को देश सिर्फ निवेशक नहीं, बल्कि विकसित भारत के सफर में सह-निर्माता और हितधारक मानता है।'' पीएम ने यह भी कहा कि भारत केवल विमानों की एमआरओ गतिविधियों तक ही सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि पोत परिवहन के लिए भी एमआरओ परिवेश तैयार करने और देश के ही भीतर डिजाइन गतिविधियों को भी बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे रहा है।

सोना दो सप्ताह के उच्चस्तर पर, चांदी हुई और मजबूत

सोना 1,200 रुपए बढ़कर 1,30,100 रुपए प्रति दस ग्राम
चांदी 2,300 रुपए बढ़कर 1,63,100 रुपए प्रति किलोग्राम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेजी के चलते दिल्ली सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें 1,200 रुपये बढ़कर लगभग दो सप्ताह के उच्चतम स्तर 1,30,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गईं। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी।

बाजार विश्लेषकों ने कहा कि यह बढ़त मुख्य रूप से अगले महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की नई उम्मीदों के कारण हुई। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 1,200 रुपये बढ़कर 1,29,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर मिलाकर) पर पहुंच गया। 13 नवंबर को, 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत वाला सोना क्रमशः 1,30,900 रुपये और 1,30,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''फेडरल रिजर्व के संभावित ब्याज दर कटौती की बढ़ती उम्मीद के बीच बुधवार को सोने में बढ़त जारी रही और यह दो सप्ताह के उच्चस्तर पर पहुंच गया। उन्होंने कहा, ''दो फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की हालिया नरम टिप्पणियों के बाद, अमेरिका के नरम वृहद आर्थिक आंकड़ों ने अगले महीने संभावित कटौती की उम्मीदों को और मजबूत किया है।''

निफ्टी ने फिर 26,000 के स्तर को पार कर लिया

अमेरिका में नीतिगत दर घटने की उम्मीद से सेंसेक्स 1,022 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर बुधवार को विराम लगा और चौतरफा लिवाली से बीएसई सेंसेक्स 1,000 अंक से अधिक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी ने फिर से 26,000 अंक के स्तर को प्राप्त कर लिया। निवेशकों ने 5.50 लाख करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर घटाने की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से घरेलू बाजार में उछाल आया।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,022.50 अंक चढ़कर 85,609.51 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 1,057.18 अंक तक चढ़ गया था। वहीं निफ्टी 320.50 अंक की बढ़त के साथ 26,205.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी अपने अबतक के उच्चतम स्तर से केवल 10 अंक कम है। कारोबार के दौरान, निफ्टी 330.35 तक चढ़ गया था।

विशेषज्ञों के अनुसार, रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम को लेकर बढ़ती उम्मीद ने भी निवेशकों की धारणा को मजबूत किया। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एक्सिस बैंक और इन्फोसिस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल और एशियन पेंट्स के शेयर नुकसान में रहे।बाजार में भागीदारी व्यापक रही। धातु, ऊर्जा और आईटी सूचकांकों में बढ़त दर्ज की गई। मझोली और छोटी कंपनियों से जुड़े सूचकांकों में भी एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में रहे। हालांकि, चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरावट के साथ बंद हुआ।

रेलटेल 10 मेगावाट का डेटा सेंटर खोलेगी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नवरत्न कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया की नोएडा में टेक्नो इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड के साथ साझेदारी में 10 मेगावाट क्षमता के डेटा सेंटर की स्थापना की पहल के लिए तारीफ की है। वैष्णव ने नोएडा में रेल उपक्रम के प्रस्तावित डेटा सेंटर के भूमि पूजन समारोह के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

आरबीआई डिप्टी गवर्नर ने कहा, अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है

मुद्रास्फीति के अनुमान को लेकर 'पूर्वाग्रह' वाली कोई बात नहीं

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने बुधवार को कहा कि हर अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है, पर केंद्रीय बैंक के मुद्रास्फीति अनुमान में 'व्यवस्था के स्तर पर पूर्वाग्रह' वाली कोई बात नहीं है। इस संदर्भ में कुछ तबकों में चिंताओं के बीच, गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय बैंक अपने मुद्रास्फीति अनुमानों पर पहुंचने के लिए विभिन्न मॉडल और विशेषज्ञ चर्चाओं का उपयोग करता है और अनुमानों का गलत होना कोई सिर्फ यहां का मामला नहीं है बल्कि 'वैश्विक घटना' है। गुप्ता ने यह भी कहा कि केंद्रीय बैंक भुगतान संतुलन के आंकड़े मासिक आधार पर जारी करने पर भी विचार कर रहा है। वर्तमान में तिमाही आधार पर ये आंकड़ें जारी किए जाते हैं। वैश्विक व्यापार नीतियों में हो रहे व्यापक बदलाव के बीच उन्होंने यह बात कही। भुगतान संतुलन देश की बाह्य स्थिति के बारे में संकेत देता है। उल्लेखनीय है कि मुद्रास्फीति अनुमान को लेकर चिंता आंकड़ों को अधिक दिखाने के अनुमान से उत्पन्न हुई है। इसके बारे में आलोचकों का तर्क है कि इसने आरबीआई को पिछले कुछ महीनों में नीतिगत दरों में और कटौती करने से रोका है। उनका तर्क है कि दरों में कटौती अर्थव्यवस्था के लिए मददगार होती और संभवतः अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करती।

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
HMS देखकर खरीदें
हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घंटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैटनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें : एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें : मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479, 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोनः +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा निडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, निर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

पाइल्स क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

डायबिटिज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:- 7987119756, 9303508130

रोनाल्डो को मिली बड़ी राहत, दो मैचों का प्रतिबंध हटा, विश्व कप में दिखेंगे खेलते

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

क्रिस्टियानो रोनाल्डो को फीफा की ओर से बड़ी राहत मिली है। आयरलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफायर मैच में एल्बो मारने के चलते मिले रेड कार्ड के बाद माना जा रहा था कि वे आगामी वर्ल्ड कप 2026 के शुरुआती मैच मिस कर सकते हैं।

हालांकि, फीफा ने उन्हें तीन मैच के प्रतिबंध की सजा सुनाई है, लेकिन उसमें से दो मैचों पर एक साल की प्रोबेशन लागू की गई है। यानी रोनाल्डो ने पहले ही एक मैच का अनिवार्य बैन काट लिया है और अब वे वर्ल्ड कप में खेलने के लिए पात्र हैं, लेकिन चेतावनी के साथ। डबलिन में खेले गए मुकाबले में रोनाल्डो ने आयरलैंड के डिफेंडर डारा ओ'शेया को कोहनी मारी थी। फीफा ने इसे हिंसक आचरण माना और सजा निर्धारित की।

वीआईपी मीटिंग का प्रभाव?

फैसले से एक सप्ताह पहले रोनाल्डो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से व्हाइट हाउस में मुलाकात की थी। इस डिनर में फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो भी मौजूद थे और उन्होंने रोनाल्डो के साथ फोटो भी ली थी। इस घटना और फैसले के समय ने बहस को और तेज कर दिया है। रोनाल्डो पिछले तीन साल से सऊदी क्लब के लिए खेल रहे हैं और 2034 का वर्ल्ड कप भी सऊदी अरब की मेजबानी में होगा, जिससे राजनीतिक संबंधों पर भी सवाल उठ रहे हैं।

चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट : मैनचेस्टर सिटी और बार्सिलोना को करना पड़ा हार का सामना

एजेंसी ▶▶| लंदन

टीम में बदलाव, गलतियों और रक्षात्मक चूक के कारण मैनचेस्टर सिटी और बार्सिलोना को चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में हार का सामना करना पड़ा।

मैनचेस्टर सिटी कोच के रूप में पेप गार्डियोला के चैंपियंस लीग में 100वें मैच में उनकी टीम बायर लेवरकुसेन से 2-0 से हार गई, जबकि बार्सिलोना को चेल्सी के खिलाफ 3-0 की हार में आत्मघाती गोल और रेड कार्ड का सामना करना पड़ा। गार्डियोला ने प्रीमियर लीग में न्यूकैसल से मिली हार के बाद अपनी शुरुआती लाइनअप में 10 बदलाव किए, जिसमें एर्लिंग हालैंड को बेंच पर रखा गया, लेकिन इसका विपरीत प्रभाव पड़ा।

एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो ने 23वें मिनट में लेवरकुसेन की तरफ से पहला और पैट्रिक स्किच ने 54वें मिनट में दूसरा गोल किया।

लीग में चेल्सी की तीसरी जीत

चेल्सी ने स्टैमफोर्ड ब्रिज में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे बार्सिलोना को 3-0 से आसानी से हराकर लीग चरण में अपनी तीसरी जीत हासिल की। यह बार्सिलोना की दूसरी हार थी, जिसमें डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो को हाफटाइम से ठीक पहले दूसरा पीला कार्ड दिखाया गया था, जिसके बाद बार्सिलोना को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। जूल्स कोंडे के 27वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल ने चेल्सी को बढ़त दिला दी। उसने 55वें मिनट में 18 वर्षीय एस्टेवाओ के किए बेहतरीन गोल से अपनी बढ़त मजबूत की और 73वें मिनट में लियाम डेलाप के गोल से जीत सुनिश्चित की।

खबर संक्षेप

बीसीसीआई को करना है मेरे भविष्य का फैसला : गंभीर

गुवाहाटी। आलोचनाओं से घिरे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में मिली करारी हार के बाद उनके भविष्य पर फैसला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को करना है लेकिन इसके साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि उनके कार्यकाल में टीम ने कितनी सफलता हासिल की है। गंभीर ने कहा, 'मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई को करना है। लेकिन मैं वही व्यक्ति हूं, जिसने इंग्लैंड में आपको अनुकूल परिणाम दिलाए और मैं चैंपियंस ट्रॉफी में भी कोच था।' उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की खिताबी जीत और इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ उसकी धरती पर 2-2 से ड्रॉ रही श्रृंखला का जिक्र किया। गंभीर ने दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से मिली हार के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा, 'दोष सभी का है और इसकी शुरुआत मुझसे होती है। हमें बेहतर खेल दिखाना होगा।

टी20 विश्व कप से पहले खतरे में असलांका की कप्तानी

कोलंबो। श्रीलंका के कप्तान चरित असलांका का पाकिस्तान का दौरा बीच में छोड़ना देश के क्रिकेट बोर्ड को नागवार गुजरा है, जिससे अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उनकी कप्तानी खतरे में पड़ गई है। उनकी जगह दासुन शनाका को कप्तान नियुक्त किया गया है। असलांका पाकिस्तान में द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला में टीम की कप्तानी कर रहे थे। वह दौरा बीच में रद्द करने के पक्ष में थे और उन्होंने इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती बम विस्फोट के बाद कथित तौर पर अपने कुछ साथियों को टूर्नामेंट से हटने और स्वदेश लौटने के लिए प्रोत्साहित किया था। यह बात श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) को रास नहीं आई और उसने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

कर्नाटक ने उत्तराखंड को दी मात, स्मरण का अर्धशतक

अहमदाबाद। रविचंद्रन स्मरण ने सही समय पर अर्धशतक लगाकर अपनी काबिलियत का नमूना पेश किया, जिससे कर्नाटक ने बुधवार को सैयद मुश्ताक अहमद ट्रॉफी के ग्रुप डी के पहले मैच में उत्तराखंड को पांच विकेट से हरा दिया। उत्तराखंड ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 197 रन बनाए, जिसमें कप्तान कुणाल चंदेला (88 रन, 49 गेंद) और आंजनेया सूर्यवंशी (54 रन, 36 गेंद) ने चौथे विकेट के लिए 122 रन जोड़े। कर्नाटक के लिए तेज गेंदबाज विद्वथ कावेरप्पा ने 37 रन देकर तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कर्नाटक ने करुण नायर और केएल श्रीजीत के विकेट गिरने के बाद 15 रन पर दो विकेट गंवा दिए।

दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद फिर किया क्लीन स्वीप

टीम इंडिया 40 साल बाद लगातार दो साल में हारी दो टेस्ट सीरीज

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने कौशल और दृढ़ संकल्प की कमी वाले भारतीय बल्लेबाजों को फिर से दिन में तारे दिखाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में 408 रन की रिकॉर्ड जीत दर्ज करके दो मैच की श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। 40 साल बाद भारत की धरती पर ऐसा हुआ है जब लगातार 2 साल में टीम इंडिया 2 टेस्ट सीरीज हारी हैं। पिछली बार यह कारनामा वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने किया था। चार दशक पहले भारतीय टीम को साल 1983 में वेस्टइंडीज के खिलाफ और फिर साल 1984-85 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार मिली थी।

यह हार भारत के टेस्ट इतिहास में एक और शर्मनाक अध्याय है क्योंकि रन के लिहाज से यह उसकी सबसे बड़ी हार है। यह तीसरा अवसर है जबकि किसी टीम ने भारत का उसकी धरती पर सूपड़ा साफ किया।

मात्र 140 रन पर आउट हो गई टीम इंडिया

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने 2000 में 2-0 से जबकि पिछले साल न्यूजीलैंड ने 3-0 से श्रृंखला जीती थी। इस पराजय से भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। भारत के सामने 549 रन का असंभव लक्ष्य था और उसकी पूरी टीम मैच के पांचवें और अंतिम दिन 140 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारतीय टीम 201 रन पर आउट हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी।

हार्मर ने किया भारतीय बल्लेबाजों को परेशान

भारत ने सुबह दो विकेट पर 27 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई, जिसके बाद हार्मर ने अपने टर्न और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने पहले सत्र में नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव (05), ध्रुव जुरेल (02) और कप्तान ऋषभ पंत (13) को पवेलियन की राह दिखाई। बारसापारा की पिच हाल के समय में उपलब्ध कराई गई सर्वश्रेष्ठ भारतीय पिचों में से एक थी, जिसमें उचित तकनीक और अभ्यास से बल्लेबाज रन बनाने में सक्षम थे। इस पिच पर अपनी लेंथ को जानने वाले तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और चालाक स्पिनरों ने दबदबा बनाया।

मार्क्रम ने 9 कैच लेकर बनाया रिकॉर्ड

हार्मर ने पिच मुझे मिल रहे उछाल और टर्न का पूरा फायदा उठाकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 रन देकर छह विकेट तथा मैच में कुल नौ विकेट लिए। एडेन मार्क्रम ने 9 कैच लेकर एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक कैच का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने भारत के अजिंक्य रहाणे के 2015 में लिए गए आठ कैच के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी : 489 रन
भारत पहली पारी : 201 रन
दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी : 260/5 रन पर घोषित

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का वेरेन्ने बो यानसेन	13	20	1	1
राहुल बो हार्मर	6	29	0	0
सुदर्शन का मार्क्रम बो मुथुसामी	14	139	1	0
कुलदीप यादव बो हार्मर	5	38	1	0
जुरेल का मार्क्रम बो हार्मर	2	3	0	0
पंत का मार्क्रम बो हार्मर	13	16	1	1
जडेजा रट वेरेन्ने बो महाराज	54	87	4	2
सुंदर का मार्क्रम बो हार्मर	16	44	2	0
रेड्डी का वेरेन्ने बो हार्मर	0	3	0	0
बुमराह नाबाद	1	2	0	0
सिराज का यानसेन बो महाराज	0	4	0	0

अतिरिक्त : 16 रन, कुल : 63.5 ओवर में 140/10 रन
गेंदबाजी : यानसेन 15-7-23-1, मुल्डर 4-1-6-0, हार्मर 23-6-37-6, महाराज 12.5-1-37-2, मार्क्रम 2-0-2-0, मुथुसामी 7-1-21-1

क्रिकेट

भारत को बड़ा नुकसान, डब्ल्यूटीसी तालिका में पांचवें स्थान पर खिसका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका से दोनों टेस्ट मैच में हार झेलने के बाद भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गया है, जिससे उसकी फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है। बुधवार को गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट में 408 रन से मिली हार, पारंपरिक पांच दिवसीय प्रारुप में रनों के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी हार है। इस साल के शुरू में इंग्लैंड में श्रृंखला बराबर करने वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद पाकिस्तान से नीचे पांचवें स्थान पर खिसक गई है और उसका पीसीटी (प्रतिशत) 48.15 पर आ गया है।

भारत ने मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में नौ टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से चार जीते, चार हारे और एक ड्रॉ रहा। भारतीय टीम अब अगले साल अगस्त में दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी और उसके बाद अक्टूबर-नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला खेलेगी।

द.अफ्रीका ने की तालिका में अपनी स्थिति मजबूत

दक्षिण अफ्रीका ने तालिका में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का मौजूदा चैंपियन दक्षिण अफ्रीका चार टेस्ट मैचों में 36 अंकों के साथ शीर्ष पर चल रहे ऑस्ट्रेलिया के ठीक पीछे दूसरे स्थान पर है। उसका पीसीटी 66.67 से बढ़कर 75 हो गया है। न्यूजीलैंड ने अभी तक मौजूदा चक्र में एक भी श्रृंखला नहीं खेली है, जबकि श्रीलंका और पाकिस्तान ने एक-एक श्रृंखला खेली है। शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें 2027 में होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

आईसीसी रैंकिंग

रोहित फिर बने वनडे के नंबर-1 बल्लेबाज, मिचेल को छोड़ा पीछे

अभिषेक की बादशाहत बरकरार

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने 26 नवंबर को इस हफ्ते की ताजा रैंकिंग जारी की हैं। पिछले हफ्ते नंबर 1 की पोजीशन गंवाने वाले रोहित शर्मा की वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 पर फिर से वापसी हो गई है। जबकि टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में अभिषेक शर्मा की बादशाहत बरकरार है और वह टॉप पर काबिज हैं। साथ ही टी20 ऑलराउंडर्स की लिस्ट में एक पाकिस्तानी खिलाड़ी को झटका लगा है। रोहित शर्मा पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड के डैरिल मिचेल से पिछड़ गए थे। लेकिन इस हफ्ते एक बार फिर से रोहित ने नंबर 1 पोजीशन पर वापसी की और मिचेल दूसरे स्थान पर खिसक गए।

रोहित के अलावा शुभमन गिल वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में चौथे और विराट कोहली 5वें स्थान पर हैं। अब रोहित और विराट एक साथ 30 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में नजर आएंगे।

नंबर 1 पायदान पर भारत के 5 खिलाड़ी

भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो अभिषेक और रोहित के अलावा टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती नंबर 1 पर काबिज हैं। उनके अलावा टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह और टेस्ट ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में रविंद्र जडेजा नंबर 1 पर काबिज हैं। जबकि टीम रैंकिंग में भारत वनडे व टी20 की नंबर 1 टीम बनी हुई है। वहीं टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के बाद भारत चौथे स्थान पर है।

जिम्बाब्वे के कप्तान ने पाकिस्तानी खिलाड़ी को पछाड़ा

अगर टी20 के ऑलराउंडर्स की रैंकिंग पर नजर डालें तो पाकिस्तान के सईम अय्यूब अब नंबर 2 पर खिसक गए हैं। वहीं उनकी जगह जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने इस पोजीशन पर कब्जा कर लिया है। लेकिन टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान ने 8 स्थान की छलांग लगाकर नंबर 4 पर आते हुए टॉप 10 में एंट्री मारी है।

उर्विल ने लगाया दूसरा सबसे तेज टी20 शतक

31 गेंद में ठोकी सेंचुरी

हैदराबाद। कप्तान उर्विल पटेल की 12 चौके और 10 छक्के जड़ित नाबाद 119 रन की पारी की बदौलत गुजरात ने ग्रुप सी के मैच में सेना को आठ विकेट से हराकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। टी20 कप्तान के तौर पर पदार्पण करने वाले पटेल ने सेना के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए शतक जड़ा। चेन्नई सुपर किंग्स के रिटेन किए 27 साल के इस खिलाड़ी ने महज 31 गेंद में शतक बना दिया, जो किसी भारतीय का बनाया दूसरा सबसे तेज टी20 शतक है। किसी भारतीय के बनाया सबसे तेज टी20 शतक का रिकॉर्ड पटेल और अभिषेक शर्मा के नाम है, जिन्होंने 2024-25 चरण में क्रमशः त्रिपुरा और मेघालय के खिलाफ 28 गेंदों में यह मुकाम हासिल किया था। पटेल ने 2023 में विजय हजारे ट्रॉफी में चंडीगढ़ के खिलाफ 41 गेंद में शतक बनाया था। विकेटकीपर बल्लेबाज ने आर्य देसाई (35 गेंद में 60 रन) के साथ मिलकर 174 रन की भागीदारी निभाई। इससे टीम ने 12.3 ओवर में 183 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

विश्व युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप

भारतीय खिलाड़ियों का दमदार पदार्पण, जीता रजत और कांस्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने रोमानिया में आयोजित आईटीटीएफ विश्व युवा चैंपियनशिप में दमदार पदार्पण करते हुए अंडर -19 लड़कों और अंडर-15 लड़कियों की टीम स्पर्धाओं में क्रमशः एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किया।

अंडर -19 लड़कों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे को 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई लेकिन उन्हें जापान से 0-3 से हार का सामना कर दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। अंकुर भट्टाचार्य ने रयूसेई कावाकामी को कड़ी चुनौती दी, लेकिन 17-15, 6-11, 12-10, 4-11, 11-13 से हार गए। जापान के कजाकी योशियामा ने अभिनंद को 11-7, 11-8, 11-6 से हराया। फिर तामितो वतानाबे ने प्रणुज भट्टाचार्य को 11-9, 11-7, 11-3 से मात देकर जापान को स्वर्ण पदक दिलाया।

अंडर-15 बालिकाओं ने किया शानदार प्रदर्शन

अंडर-15 लड़कियों की टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक पहुंचकर कांस्य पदक हासिल किया। टीम ने क्वार्टरफाइनल में जर्मनी को 3-1 से हराया लेकिन दक्षिण कोरिया से 0-3 की हार का सामना करना पड़ा। अंडर -19 लड़कियों की स्पर्धा में भारत को क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा।

मुंबई की शानदार शुरुआत, रेलवे को हराया

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : रहाणे और सूर्यकुमार ने खेली तेजतर्रार पारी

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

गत चैंपियन मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार शुरुआत करते हुए ग्रुप ए मुकाबले में रेलवे को सात विकेट से शिकस्त दी, जिसमें भारत के अनुभवी खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे और सूर्यकुमार यादव ने टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुंबई को 20 ओवर में पांच विकेट पर 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोई मुश्किल नहीं हुई।

रहाणे ने 33 गेंद में 62 रन बनाए, जिसमें चार चौके और पाच छक्के शामिल थे। उनकी धमाकेदार बल्लेबाजी ने टीम ने 25 गेंद रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रहाणे के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी की। उन्होंने 30 गेंद में 47 रन की तेजतर्रार पारी खेली।

केरल ने ओडिशा को 10 विकेट से दी मात

लखनऊ। केरल ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। संजू सैमसन की अगुआई वाली टीम ने ओडिशा के खिलाफ अपना पहला मैच 10 विकेट से जीता। मैच के स्टार रोहन कुन्नुमल रहे। उन्होंने सिर्फ 60 गेंद पर नाबाद 121 रन बनाकर टीम को शानदार जीत दिलाई।

छत्तीसगढ़ ने विदर्भ को 27 रन से हराया

ग्रुप के एक अन्य मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने अपने गेंदबाजों विशेषकर दाएं हाथ के तेज गेंदबाज सौरभ मजूमदार (23 रन देकर तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 133 रन के छोटे लक्ष्य का बचाव करते हुए विदर्भ को 27 रन से हरा दिया। छत्तीसगढ़ के लिए शुभम अग्रवाल और रवि किरण ने दो-दो विकेट लिए।

मुकदमें के फैसले के बारे में समंस
(सिविल प्रोसीजर कोड, आर्डर 5 रूल्स 1 और 5)

प्रोसेस क्रमांक- 299/2025
पेशी तारीख- 08/12/2025

दीवानी मुकदमा नं. 01-ब/ 2020 सन्

अदालत- प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, बस्तर, स्थान- जगदलपुर

केनरा बैंक ..... वादी

श्रीमती प्रमिला दास ..... प्रतिवादी

बनाम - श्रीमती प्रमिला दास पति लक्ष्मीचरण दास, आयु 42 वर्ष, निवासी- मकान नं. 52, सोनी गली, सुभाष वार्ड, जगदलपुर, जिला- बस्तर छ.ग.

क्योंकि वादी ने तुम्हारे खिलाफ व्यवहार वाद प्रकरण क्रमांक 01-ब/2020 का मुकदमा दायर किया है, तुम्हे इस समंस के जरिये हुक्म होता है कि तुम इस अदालत में तारीख 08 माह 12 सन् 2025 ई. को दिन के 11 बजे खुद या ऐसे वकील के मार्फत जिसे कि मुकदमें की बातें ठीक-ठाक तौर से समझा दी हो और जो कि मुकदमें के बारे में कुल जरूरी सवालात का जवाब दे सके (या जिसके साथ कोई ऐसा आदमी मौजूद हो जोकि ऐसे सवालात का जवाब दे सके) मुकदमें का जवाब देने के लिए हाजिर हो जावो और तुम्हारी हाजरी के लिये मुकर्रर किया हुआ दिन मुकदमें के आखरी फैसले के वास्ते रखे जाने की वजह से तुम्हें उस तारीख को ऐसे सभी गवाहों और दस्तावेजों को पेश करने के लिए तैयार रखना होगा कि जिन पर तुम अपने बचाव को पुख्ती के लिये भरोसा रखना चाहते हो।

तुम्हें ताकीद की जाती है कि यदि तुम तारीख मजकूर पर हाजिर न होवोगे तो तुम्हारी गैर हाजरी में मुकदमें की सुनवाई होकर उसका फैसला किया जावेगा।

आज तारिख 10 माह 11 सन् 2025 को अदालत की मुहर से जारी किया गया।

(शिव प्रकाश त्रिपाठी)
प्रथम व्यवहार न्यायालय वरिष्ठ श्रेणी
बस्तर, स्थान- जगदलपुर

मुहर

भारत के इस किले में छिपा है अरबों का खजाना! आज तक कोई नहीं खोज पाया

नई दिल्ली। भारत में कई ऐसे किले हैं, जो किसी न किसी खास वजहों से बेहद मशहूर हैं। एक ऐसा ही किला हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले में स्थित है, जो काफी रहस्यमयी है। कहा जाता है कि इस किले में किसी अज्ञात जगह पर अरबों का खजाना छिपाकर रखा है, जिसे आज तक खोजा नहीं जा सका है। इस किले को सुजानपुर के किले के नाम से जाना जाता है। किले में छिपे खजाने की वजह से ही इसे हमीरपुर का 'खजांची किला' भी कहा जाता है। इस किले को कटोच वंश के राजा अभय चंद ने 265 साल पहले यानी साल 1758 में बनवाया था। उसके बाद यहां राजा संसार चंद ने राज किया।

पांच किलोमीटर लम्बी सुरंग

कहा जाता है कि इस किले में आज भी राजा संसार चंद का खजाना मौजूद है, लेकिन इस खजाने के रहस्य से न तो आज तक पर्दा उठ पाया है और न ही कोई खजाने तक पहुंच पाया है। माना जाता है कि किले के अंदर ही एक पांच किलोमीटर लंबी सुरंग है, लेकिन इस सुरंग के अंतिम छोर तक कोई भी नहीं पहुंच पाया है। रास्ता तंग और अंधेरा होने की वजह से इस सुरंग में 100 मीटर से ज्यादा अंदर जाने की कोई हिम्मत भी नहीं कर पाता है।

राजा संसार चंद के मरने के साथ ही दफ्न हो गया खजाने का रहस्य

यहां छिपे खजाने की खोज में मुगलों समेत कई राजा-महाराजा और ग्रामीण किले में कई बार खुदाई कर चुके हैं। यहां तक की कुछ लोग रहस्यमयी सुरंग में भी जाने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन सबको अभी तक नाकामी ही हाथ लगी है। कहा जाता है कि खजाने का रहस्य राजा संसार चंद के मरने के साथ ही दफ्न हो गया। यहां तक कि उनके परिवार के किसी भी सदस्य को भी वो खजाना नहीं मिल पाया।

रात में किले से आती हैं अजीब-अजीब आवाजें

सुजानपुर किले के आसपास रहने वाले ग्रामीणों का कहना है कि रात में किले से अजीब-अजीब आवाजें आती हैं। उनका मानना है कि खजाने की रक्षा किले में मौजूद रूहानी ताकतें करती हैं। हालांकि, इसका कोई पुख्ता सबूत किसी के पास नहीं है। कहा जाता है कि राजा संसार चंद इस किले का इस्तेमाल लूटे हुए खजाने को छिपाने के लिए करते थे। इसके लिए उन्होंने किले में एक गुप्त सुरंग का निर्माण करवाया था, जिसका रास्ता सीधे खजाने तक जाकर खुलता था।

रोचक खबरें

पुरुष ने जीता दुनिया की सबसे ताकतवर महिला का खिताब

न्यूयार्क। विश्व की सबसे ताकतवर महिला प्रतियोगिता को लेकर जमकर बवाल मचा है। टेक्सास के अर्लिंग्टन में आयोजित विश्व की सबसे ताकतवर महिला प्रतियोगिता में जैमी बुकर ने जीत हासिल की। हालांकि, खिताब मिलने के कुछ देर बाद ही आयोजकों ने उनसे ये ताज छीन लिया है। इसके पीछे की वजह जानकर आपको 440 वोल्ट का झटका लग सकता है। दरअसल, जैमी बुकर एक जैविक पुरुष हैं और प्रतिस्पर्धा कर रही महिलाओं पर उनकी शारीरिक क्षमता काफी ज्यादा है। इस अमेरिकी को स्ट्रॉन्गमैन गेम्स विश्व चैंपियनशिप 2025 में जीत के कुछ ही दिनों बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जो सप्ताहांत में टेक्सास के अर्लिंग्टन में आयोजित की गई थी। आयोजकों ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट जारी कर कहा, 'ऐसा प्रतीत होता है कि एक एथलीट जो जैविक रूप से पुरुष है और अब खुद को महिला बता रहा है, उसने महिला ओपन वर्ग में भाग लिया। अधिकारियों को प्रतियोगिता से पहले इस तथ्य की जानकारी नहीं थी, और उन्होंने तत्काल जांच शुरू कर दी है। आयोजकों ने आगे कहा कि अगर उन्हें पता होता कि बुकर पुरुष हैं, तो उन्हें कभी भी प्रतिस्पर्धा में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाती। हम स्पष्ट हैं - प्रतियोगी केवल जन्म के समय दर्ज किए गए जैविक लिंग की श्रेणी में ही प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।' आयोजकों ने यह भी कहा कि वे उन सभी लोगों की ओर से निराश हैं, जिन्होंने प्रतियोगिता में निष्पक्षता से भाग लिया और उनके प्रयासों से ध्यान हटा दिया गया।

सुपरहीरो बनने के चक्कर में लगा लिया ऐसा पेंट, अब नहीं छूट रहा रंग

लंदन। कभी-कभी किसी पार्टी में मजा लेने के चक्कर में हम ऐसी गलती कर बैठते हैं कि बाद में खुद ही समझ नहीं आता...हंसे या रोएं। ऐसा ही कुछ हुआ एक ब्रिटिश पर्यटक केन के साथ, जो सुपरहीरो हल्क जैसा दिखने के चक्कर में ऐसी मुश्किल में फंस गया कि उसकी कहानी पढ़कर आपकी भी हंसी छूट जाएगी। सोचिए...आप पार्टी में हल्क बनकर एंट्री मारें, लोग वाह-वाही करें और फिर तीन दिन बाद भी आप वहीं हरा रंग चढ़ाए घूमने को मजबूर हो जाए? दरअसल, हल्क की तरह दिखने के चक्कर बंदे ने पूरे शरीर को हरे रंग से रंग लिया। अब नौबत ये है कि चाह कर भी वो हरा साफ होने का नाम नहीं ले रहा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, केन बेनिडोर्म के एक रिसॉर्ट में पार्टी करने पहुंचे थे। सोच लिया कि इस बार हल्क बनकर इम्प्रेशन जमाना है, लेकिन असली गलतफहमी यहीं हुई। उन्होंने मेकअप पेंट की जगह गलती से टेक्सटाइल पेंट यानी कपड़ों वाला रंग चुन लिया। यह वही पेंट होता है जो कपड़ों पर चढ़ता है और धुलकर भी आसानी से उतरता नहीं। हैरानी की बात तो ये है कि, केन ने इसे छह परतों में पूरे शरीर पर लगा लिया...चेहरे से लेकर पैर तक। पार्टी खत्म हुई, सबने खूब तारीफ की...रात मजेदार रही, लेकिन समस्या अगली सुबह शुरू हुई। केन ने पेंट हटाने की कोशिश की। एक बार नहाए..दूसरी बार नहाए..छह बार नहाने के बाद भी नतीजा, शरीर हरा ही रहा। दोस्तों ने सलाह दी कि, स्टीम रूम में बैठो। केन तीन दिन तक कई घंटों तक स्टीम बाथ में बैठे रहे, पर पेंट जिद्दी निकला। गर्दन, सिर और शरीर के हिस्सों पर अभी भी चटक हरा रंग चमकता रहा।

8000 फीट की ऊंचाई पर बसा है वीरान शहर, सैकड़ों वर्षों से है रहस्य

दुनिया में कई ऐसी रहस्यमयी जगहें हैं, जो लोगों को हैरान करती हैं। क्या आपने किसी ऐसे शहर के बारे में सुना है, जो एक-दो नहीं बल्कि 8000 फीट की ऊंचाई पर बसा हो? अब आप कहेंगे कि यह तो अजूबा है। तो हम आपको बता दें कि ये शहर दुनिया के सात अजूबों में से एक है, जो करीब 450 साल से वीरान पड़ा हुआ है।

वॉशिंगटन। इस जगह से जुड़े ऐसे कई रहस्य हैं, जिनका जवाब किसी के पास नहीं है। यही वजह है कि इस जगह को 'रहस्यमयी शहर' भी कहा जाता है। इस शहर का नाम है माचू पिच्चू, जो दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में स्थित है। यह इंका सभ्यता से संबंधित एक ऐतिहासिक स्थल है। यह शहर समुद्र तल से 2430 मीटर यानी करीब 8,000 फीट की ऊंचाई पर उरुबाम्बा घाटी के ऊपर एक पहाड़ पर स्थित है। माचू पिच्चू दुनिया के सात आश्चर्यों में से एक है।

एलियंस ने बनाया था माचू पिच्चू

इस जगह को लेकर एक और हैरान करने वाली मान्यता है। कुछ लोग मानते हैं कि माचू पिच्चू को इंसानों ने नहीं, बल्कि एलियंस ने बनाया था, लेकिन बाद में वो इस शहर को छोड़कर चले गए। अब सच क्या है, ये तो किसी को नहीं पता, लेकिन इस जगह से जुड़ी ये मान्यताएं हैरान जरूर करती हैं।

पेरू का ऐतिहासिक देवालय

माचू पिच्चू को अक्सर 'इंकाओं का खोया हुआ शहर' भी कहा जाता है। यह इंका साम्राज्य के सबसे परिचित प्रतीकों में से एक है। इसे पेरू का एक ऐतिहासिक देवालय भी कहा जाता है। इसलिए, इसे एक पवित्र स्थान माना जाता है। साल 1983 में इसे यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया गया है। वैसे तो स्थानीय लोग माचू पिच्चू के बारे में बहुत पहले से जानते थे, लेकिन इसे दुनिया के सामने लाने का श्रेय अमेरिकी इतिहासकार हीरम बिंघम को दिया जाता है। उन्होंने साल 1911 में इस जगह की खोज की थी। तब से यह जगह दुनियाभर के लिए एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बन गई है। बड़ी संख्या में लोग माचू पिच्चू को देखने के लिए आते हैं और इसके इतिहास और रहस्यों को समझने की कोशिश करते हैं। माना जाता है कि 1450 ईस्वी के आसपास इंकाओं ने इसका निर्माण किया था, लेकिन इसके लगभग सौ साल बाद ही जब स्पेनियों ने इंकाओं पर जीत हासिल कर ली तो वो इस जगह को हमेशा-हमेशा के लिए छोड़कर चले गए। तब से लेकर आज तक यह शहर वीरान ही पड़ा है। अब तो यहां बस खंडहर की बचे हैं।

इंसानों की बलि देने के लिए किया जाता था इस्तेमाल

माचू पिच्चू शहर का निर्माण क्यों कराया गया था, यह अब तक एक रहस्य ही है। कहा जाता है कि इस जगह का इस्तेमाल इंसानों की बलि देने के लिए किया जाता था और उन्हें यहीं पर दफना दिया जाता था। पुरातत्वविदों को यहां से कई कंकाल मिले हैं, लेकिन सबसे हैरानी की बात ये है कि इनमें से अधिकतर कंकाल महिलाओं के हैं। इसको लेकर कहा जाता है कि इंका सूर्य देव को अपना भगवान मानते थे और उन्हें खुश करने के लिए कुंवारी स्त्रियों की बलि देते एलियंस ने बनाया था थे। हालांकि ,बाद में पुरुषों के भी कंकाल मिलने के बाद इस तथ्य को नकार दिया गया था।

एक किडनी बेच देते हैं लोग इसलिए गांव का नाम पड़ गया किडनी वैली

काठमांडू। दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जो अपने अनोखेपन की वजह से बेहद मशहूर हैं। इसी वजह से उनकी चर्चा देश दुनिया में हर तरफ होती है। इसी कड़ी में आज हम आपको बताएंगे, दुनिया के सबसे अनोखे गांव के बारे में जहां ज्यादातर लोग एक ही किडनी के सहारे जिंदा हैं। इस गांव का नाम किडनी वैली है। कई लोग इसे किडनी वाले गांव के नाम से भी जानते हैं। हालांकि, गांव का वास्तविक नाम होकसे है। ये नेपाल में स्थित है। अपनी इसी विचित्रता के कारण ये गांव देश दुनिया में काफी मशहूर है।

यहां के लगभग सभी लोग अपना गुजारा मात्र एक किडनी के सहारे कर रहे हैं। इस कारण अक्सर उनको कई गंभीर स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें भी आती हैं। आप में से कई लोग ये सोच रहे होंगे कि आखिर गांव के सभी लोगों के पास एक ही किडनी क्यों है? किडनी वैली नाम से मशहूर होकसे गांव में गरीबी काफी ज्यादा है। यही एक बड़ी वजह है, जिसके चलते यहां के लोग अपनी एक किडनी को बेचकर जीवन यापन करने पर मजबूर हैं। अपना पेट पालने के लिए यहां के लोग अक्सर अपनी एक किडनी को मात्र 2000 रुपए में बेच देते हैं। कई लोगों का कहना है कि इस गांव में मानव अंगों की तस्करी काफी ज्यादा होती है। यहां पर अंगों की तस्करी करने वाले लोग अक्सर यहां के मासूम लोगों को झांसा देकर उनकी किडनी निकाल लेते हैं। कई लोगों का कहना है कि अंगों की तस्करी करने वाले लोग यहां के लोगों को लालच देते हुए कहते हैं कि किडनी निकालने के बाद उसकी जगह दूसरी किडनी उग आएगी। गांव के मासूम लोग उनकी बातों में फंस जाते हैं और चंद रुपयों के लालच में अपना बहुमूल्य अंग उन तस्करों को दे देते हैं।

गर्म पानी के फव्वारे और ठंडी मीथेन गैस साथ उगल रहा करामबुसेल वेंट फील्ड

पोर्ट मोरेस्बी। पापुआ न्यू गिनी के पास समुद्र की 4,250 फीट गहराई में वैज्ञानिकों ने ऐसी जगह खोजी है। यहां पर गर्म हाइड्रोथर्मल वेंट्स और ठंडी मीथेन गैस बाहर निकल रही है। यह दुनिया में पहली बार देखा गया है और यहां मौजूद अनोखे जीव वैज्ञानिकों के लिए बड़ा रहस्य बन चुके हैं। वैज्ञानिकों ने एक ऐसी दुर्लभ जगह खोजी है, जहां गर्म खनिजों से भरे पानी और ठंडी गैसें एक साथ निकल रही हैं। इस जगह को करामबुसेल वेंट फील्ड नाम दिया गया है। यहां नई प्रजातियां मिलने की पूरी संभावनाएं जताई जा रही हैं। साथ ही खनन और ह्यूमन एक्टिविटीज के कारण यह पूरा क्षेत्र खतरे में है।

चौंकाने वाली खोज

पापुआ न्यू गिनी के तट से दूर लगभग 4,250 फीट गहराई में वैज्ञानिकों को समुद्र के नीचे एक बेहद अनोखी जगह मिली है। बता दे कि यहां पर गर्म हाइड्रोथर्मल वेंट्स और ठंडी मीथेन गैस निकलते खोज की गई हैं। रिसर्चर्स बताते हैं कि ऐसा दुनिया में पहले कभी नहीं देखा गया है।

अनोखा 'हाइब्रिड इकोसिस्टम'

इस खोज का सबसे खास हिस्सा यहां की समुद्री जिंदगी है। गर्म और ठंडे वेंट्स के मिलने से एक ऐसा 'हाइब्रिड इकोसिस्टम' बन गया है, जिसकी पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी. कुछ जगहों पर चट्टानें इस कदर जीवों से भरी हैं कि पत्थर तक नहीं दिखते हैं। यहां पर पाई गई समुद्री मसल्स, झींगे, ट्यूब वर्म और बैंगनी रंग के सी-कुकंबर जैसे जीव की प्रजातियां दुर्लभ हैं। बता दें कि करामबुसेल वेंट फील्ड की खासियत सिर्फ यहां के जीव नहीं, बल्कि इसकी भूवैज्ञानिक संरचना है।

मां की लाश तीन साल तक छिपाकर पेंशन लूटता रहा बेटा

रोम। इटली में सामने आया ये किस्सा इतना अजीब, इतना चौंकाने वाला है कि लोग इसे पढ़कर दंग रह गए। दरअसल, हुआ यह कि एक शख्स की मां तीन साल पहले ही गुजर चुकी थी, लेकिन बेटे ने न तो लोगों को बताया, न कोई अंतिम संस्कार किया। उसने अपनी मरी हुई मां को घर में ही ममी बनाकर संभालकर रखा हुआ था ताकि किसी को पता न चले कि उसकी मां अब इस दुनिया में नहीं रही। मतलब तीन साल तक उसकी मां का शरीर घर के एक कमरे में रखा रहा और कोई भनक भी नहीं लगी।

मां की पेंशन के लिए बेटे ने बनाया प्लान

मां की पेंशन और उसकी संपत्ति से होने वाली कमाई लगभग 61 हजार डॉलर सालाना थी। यही रकम पाने के लिए बेटे ने ऐसा पागलपन भरा प्लान बनाया कि किसी का भी माथा हिल जाए। वो मां के कपड़े पहनकर, मेकअप कर के और यहां तक कि अपनी आवाज बदलकर सरकारी दफ्तर पहुंच जाता था। लोगों को लगे कि वही बूढ़ी महिला अभी भी जिंदा है, उसने अपनी मां का पहचान पत्र तक दोबारा बनवा लिया था।

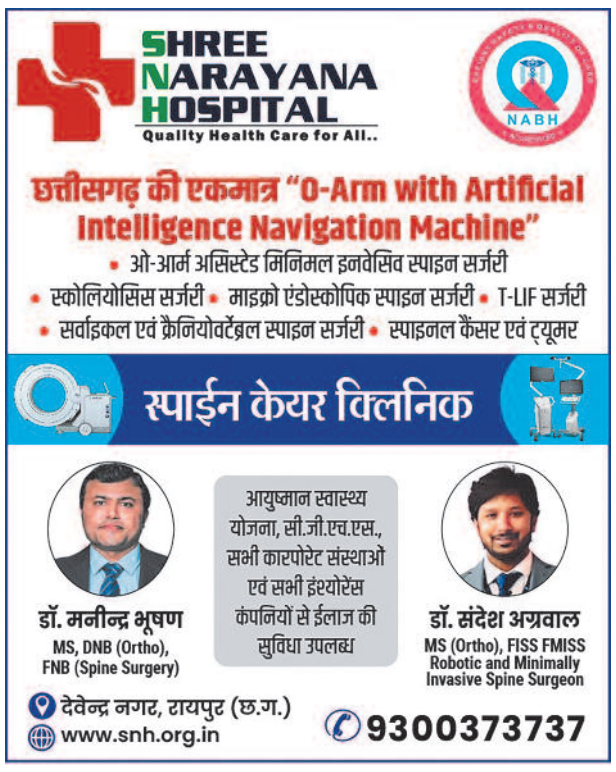

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com